हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 11 जनवरी 2026

निजी विमान क्रैश, छह यात्री घायल

भुवनेश्वर। राउरकेला के पास एक निजी एयरलाइन के छोटे विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से शनिवार को कम से कम छह लोग घायल हो गए। नौ सीटों वाले एक निजी ए-1 विमान में छह यात्री सवार थे। यह दुर्घटना राउरकेला से 10 किलोमीटर दूर जलदा में हुई।

कई बार नोटिस जारी, फिर भी आदेशों की किया अनदेखी

युक्तियुक्तरण के बाद स्कूलों में ज्वाइनिंग नहीं दी, 34 शिक्षक सस्पेंड, पहली बड़ी कार्रवाई

जिले में स्कूल शिक्षा विभाग के युक्तियुक्तकरण अभियान के तहत ऐसा कड़ा कदम उठाया गया है, जिसने पूरे शिक्षा जगत में हलचल मचा दी है। पदस्थापना आदेश के बावजूद कार्यभार ग्रहण नहीं करने वाले 37 एलबी शिक्षक और 1 प्रधानपाठक एलबी को एक साथ निलंबित कर दिया गया। यह पहली बार है जब जिले में इतने बड़े पैमाने पर शिक्षकों पर एकसाथ निलंबन की कार्रवाई हुई है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

खास खबर

स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देश पर जिले में अतिशेष शिक्षकों एवं कर्मचारियों के लिए 28 अगस्त 2025 को जिलास्तरीय काउंसलिंग आयोजित की गई थी। इसके तहत जून 2025 में पदस्थापना आदेश जारी किए गए। हालांकि, इन आदेशों के विरुद्ध कई एलबी शिक्षकों ने न्यायालय की शरण ली। न्यायालय में सुनवाई के दौरान शिक्षकों द्वारा प्रस्तुत कारणों को अमान्य कर दिया गया। इसके बाद जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय द्वारा ▶▶|शेष पेज 7 पर

भानुप्रतापपुर से पांच

भानुप्रतापपुर विकासखंड के अंतर्गत 05 सहायक शिक्षक एलबी को निलंबित किया गया है, जिसमें प्राशा चौगेल में पदस्थ शोभा तिवारी, कन्या प्राशा भानुप्रतापपुर में पदस्थ संतोषी ठाकुर, प्राशा कोरर में पदस्थ उत्तरा ठाकुर, प्राशा कराठी में पदस्थ नीलम नायक, प्राशा चिचगांव में पदस्थ चम्पा ठाकुर शामिल है।

विकासखंड दुर्गूकोंदल के निलंबित होने वाले 03 एलबी

दुर्गूकोंदल विकासखंड के अंतर्गत 03 सहायक शिक्षक एलबी को निलंबित किया गया है, जिसमें प्राशा मिंदोड़ा में पदस्थ आरती रावटे, प्राशा सलिहापारा तरहुल में पदस्थ हेमकुमारी पुरामें, प्राशा खासपारा तमोड़ा में पदस्थ राकेश कुमार रावटे शामिल है।

चारामा के पांच

चारामा विकासखंड के अंतर्गत 05 सहायक शिक्षक एलबी को निलंबित किया गया है, जिसमें शाप्राशा बांगाबारी में पदस्थ शारदा ध्रुव, शाप्राशा रिसऊलारी में पदरस्थ प्रियंका कश्यप, शाप्राशा जुनवारी में पदस्थ मेघा कुंजाम, शाप्राशा मासुलपानी में पदस्थ जितेंद्र कुमार अवस्थी, शाप्राशा गुहानपारा, रिसेवाड़ा में पदस्थ धर्मेंद्र कुमार मंडावी शामिल है।

विकासखंड चारामा के निलंबित होने वाले 18 एलबी

चारामा विकासखंड के अंतर्गत 18 सहायक शिक्षक एलबी को निलंबित किया गया है, जिसमें चारामा विकासखंड के अंतर्गत प्राशा उंकारी में पदस्थ तिजेश्वरी यादव, प्राशा चांवड़ी में पदस्थ इंद्राणी कटेंद्र, प्राशा हल्बा में पदस्थ श्रीदेवी नाग, शाप्राशा बरगरी नयापारा में पदथ्स महेश्वरी यादव, शाप्राशा सिरसिदा में पदस्थ श्यामा नरेटी, शाप्राशाल बरगरी नयापारा में पदस्थ संतोषी दर्रो, शाप्राशा खैरखेड़ा अरूणा खुड़श्याम, शाप्राशा भर्रीटोला में पदस्थ द्वारिका कुमेटी, प्राशा जामबहार में पदस्थ रीना देवी उके, शाप्राशा शाहवाड़ा में पदस्थ गौकरण कोड़ोपी, प्राशा मधुबनपारा गोटीटोला में पदस्थ हेमंत कुमार सोम, प्राशा कोटतरा वेदप्रकाश ठाकुर, प्राशा ▶▶|शेष पेज 7 पर

पांच सदस्यीय जांच टीम की रिपोर्ट पर डीईओ का एक्शन

पेपर सेट करने वाली प्रधानपाठक सस्पेंड, संविदा शिक्षक बर्खास्त

रायपुर सहित चार जिलों में बंटे विवादास्पद प्रश्नपत्र, महासमुंद डीईओ को नोटिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खबर का असर

चौथी की अर्धवार्षिक परीक्षा के लिए अंग्रेजी का पेपर सेट करने वाली शासकीय स्कूल की प्रधान पाठक को निलंबित कर दिया गया है। वहीं पेपर मॉडरेटर सहायक शिक्षक (संविदा) को सेवा से पृथक करने की कार्रवाई की जा रही है। पेपर में आए मोना के कुत्ते के नाम वाले बहु वैकल्पिक प्रश्न पर आपत्तिजनक शब्द 'राम' आने की वजह ▶▶|शेष पेज 7 पर

दोनों ने मानी भूल

इस मामले में प्रधान पाठक शिखा सोनी और सहायक शिक्षक नम्रता वर्मा ने डीईओ को दिए गए स्पष्टीकरण में अपनी भूल स्वीकारी है। उन्होंने पक्ष रखते हुए बताया कि उनका उद्देश्य किसी भी प्रकार धार्मिक भावना को ठेस पहुंचाना या किसी धर्म/समुदाय का अपमान करना कदापि नहीं था। प्रश्न निर्माण के समय यह शब्द त्रुटिवश अंकित हो गया, जिस पर उनका ध्यान नहीं जा सका। दोनों ने इसके लिए खेद प्रकट प्रकट करते हुए माफी भी मांगी है।

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में आज होगा 'प्रत्याघात' का लोकार्पण

श्रीमती चित्रा मुद्गल

श्रीप्रताप सोमवंशी

पद्मश्री डॉ. सुनील जोगी

डॉ. हिमांशु द्विवेदी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रसिद्ध लेखक एवं वरिष्ठ पत्रकार ब्रह्मवीर सिंह के ख्यात प्रभात प्रकाशन द्वारा प्रकाशित नव उपन्यास 'प्रत्याघात' का लोकार्पण 11 जनवरी 2026, रविवार को नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2026 में किया जाएगा। लोकार्पण में सुप्रसिद्ध लेखिका श्रीमती चित्रा मुद्गल, प्रसिद्ध कवि पद्मश्री डॉ. सुनील जोगी, लेखक-कवि एवं हिंदुस्तान के प्रबंध संपादक, श्री प्रताप सोमवंशी एवं डॉ. हिमांशु द्विवेदी, प्रधान संपादक, हरिभूमि समाचार पत्र समूह की विशेष उपस्थिति रहेगी। उपन्यास 'प्रत्याघात', ब्रह्मवीर सिंह ▶▶|शेष पेज 7 पर

सुशासन एवं नवाचारों के लिए पांच विभाग, पांच जिलों को मिला मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार

सीएम की दो टूक-गुड गवर्नेंस कागजों पर नहीं, काम-काज में दिखना चाहिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सुशासन एवं अभिसरण विभाग द्वारा आयोजित मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार 2025-26 में सुशासन एवं नवाचारों के लिए 5 विभागों एवं 5 जिलों को मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया। श्री साय ने इस अवसर पर ई-प्रगति पोर्टल का भी शुभारंभ किया, जिसके माध्यम से अब छत्तीसगढ़ के सभी विभागों के 25 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाले निर्माण कार्यों की निगरानी की जाएगी। पोर्टल के माध्यम से निर्माण की मंजूरी से लेकर बजट, मजदूरी, भुगतान, एमआईएस, स्ट्रक्चर लेवल सहित सभी पहलुओं की मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा मॉनिटरिंग की जाएगी। समारोह में पांच जिले और पांच विभागों को मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विभागीय श्रेणी में सम्मनित ▶▶|शेष पेज 7 पर

- ई-प्रगति पोर्टल का शुभारंभ, 25 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाले निर्माण कार्यों की होगी निगरानी

शिक्षा, उद्योग और आबकारी सहित 5 विभाग बने विजेता

इसी तरह विभागीय श्रेणी में शिक्षा विभाग का "विद्या समीक्षा केंद्र" डेटा-आधारित शिक्षा शासन का एक मजबूत स्तंभ बनकर उभरा। यह एआई सक्षम प्लेटफॉर्म 56,000 से अधिक विद्यालयों, 2.83 लाख शिक्षकों और 57.5 लाख विद्यार्थियों की निगरानी करता है, जिससे ड्रॉपआउट की प्रारंभिक पहचान, संसाधनों का बेहतर उपयोग और साक्ष्य-आधारित निर्णय लेना संभव हो सका है। उद्योग विभाग की "वन क्लिक सिंगल विंडो सिस्टम" ने व्यवसाय सुगमता सुधार के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है। वाणिज्य कर (आबकारी) विभाग की समग्र ई-गवर्नेंस सुधार पहल ने राजस्व संग्रह और अनुपालन व्यवस्था को सुदृढ़ किया। ▶▶|शेष पेज 7 पर

बांग्लादेश में दिया जहर, पाक में सीने पर दागी गोली

दो पड़ोसी, दो मर्डर.. एक ही कहानी 'हिंदुओं से नफरत'!

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली/ढाका

भारत के दो पड़ोसी देश... दोनों की सरहदें अलग हैं... सरकारें अलग हैं... लेकिन हिंदुओं के खिलाफ नफरत का पैटर्न बिल्कुल एक जैसा है। एक तरफ बांग्लादेश में एक हिंदू युवक को पहले बेरहमी से पीटा गया, फिर जहर देकर मार दिया गया। वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान के सिंध में एक गरीब हिंदू मजदूर के सीने में गोली दागकर सिर्फ इसलिए मौत के घाट उतार दिया गया क्योंकि उसने रहने के लिए एक कच्ची झोपड़ी बना ली थी। गौरतलब है कि बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों ▶▶|शेष पेज 7 पर

जमकर पीटा, फिर जहर पिला दिया

पहली घटना बांग्लादेश के सुनामगंज जिले में हुई। इस दौरान दरिंदगी की हदें पार कर गईं। 8 जनवरी को भंगदोहोर गांव के हिंदू युवक जॉय महापात्रो को पहले बुरी तरह पीटा गया। उसके बाद अमीरुल इस्लाम नाम के स्थानीय मुस्लिम शख्स ने उसे जबरन जहर पिला दिया।

जॉय महापात्रो बांग्लादेश

कैलाश कोल्ही पाकिस्तान

भारत की कड़ी प्रतिक्रिया

भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस मुद्दे पर गहरी चिंता जताते हुए कहा, हम बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, उनके घरों और व्यवसायों पर चरमपंथियों द्वारा किए जा रहे बार-बार हमलों का एक चिंताजनक सिलसिला देख रहे हैं। ऐसी सांप्रदायिक घटनाओं से तुरंत और सख्ती से निपटना जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि इन घटनाओं को व्यक्तिगत दुश्मनी, राजनीतिक मतभेद या बाहरी कारणों से जोड़ने की प्रवृत्ति बेहद खतरनाक है।

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में दादागिरी

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में बदिन जिले के एक गांव में प्रभावशाली जमींदार सरफराज निजामानी ने मामूली विवाद में खेतीहर मजदूर कैलाश कोल्ही के सीने में गोली मारकर जान ले ली। कैलाश का कसूर सिर्फ इतना था कि उसने अपने परिवार के सिर छिपाने के लिए जमींदार के खेत में एक कच्ची झुग्गी बना ली थी। इस जघन्य हत्याकांड के बाद पाकिस्तान में हिंदुओं का गुस्सा फूट पड़ा। हजारों की संख्या में लोग सड़कों पर उतर आए और हाथों में पोस्टर व तख्तियां लेकर प्रदर्शन किया।

हल्दिया बड़ा कमांड नहीं होगा, बल्कि छोटा बेस होगा। यहां पर फास्ट इंटरसेप्टर क्राफ्ट और 300 टन के न्यू वॉटर जेट फास्ट अटैक क्राफ्ट की तैनाती की जाएगी। ये दोनों समुद्र में तेज गति से चलने वाली आक्रमणकारी क्राफ्ट है, जो 40-45 समुद्री मील प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकते हैं और मशीन गन से लैस हैं

बांग्लादेश-चीन पर रहेगी पैनी नजर

पश्चिम बंगाल के हल्दिया में नेवी बेस बना रहा भारत, बढ़ेगी ताकत

यह बेस भारत की समुद्री निगरानी, तटीय सुरक्षा की क्षमताओं को और बढ़ाएगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत के पाकिस्तान के साथ तो तनाव दशकों पुराना है। चीन और बांग्लादेश जैसे देशों से भी भारत को खतरा पैदा हो रहा है। ऐसे में किसी भी खराब स्थिति से निपटने के लिए भारतीय सेना हर समय पूरी तरह से तैयार रहती है। समुद्री खतरों से भारत को सुरक्षित रखने के लिए भारतीय नौसेना पश्चिम बंगाल के हल्दिया में बंगाल की खाड़ी के उत्तर में एक नया बेस बनाने जा रही है।

चीन की नौसेना की बढ़ती गतिविधियों, बांग्लादेश से समुद्री घुसपैठ और पाकिस्तान के साथ बदलते क्षेत्रीय हालात के बीच यह कदम बहुत महत्वपूर्ण है। नेवी बेस पर युद्धपोतों को तैनात किया जाएगा। बेस के जरिए भारत कभी भी चीन और बांग्लादेश की हरकतों को मुंहतोड़ जवाब दे सकेगा। इससे नेवी की ताकत में कई गुना इजाफा होने की संभावना है।

नौसेना के युद्धपोत पर उतरता युद्धक हेलिकॉप्टर

फास्ट इंटरसेप्टर क्राफ्ट होंगे तैनात

यह बड़ा कमांड नहीं होगा, बल्कि छोटा बेस होगा। यहां पर फास्ट इंटरसेप्टर क्राफ्ट और 300 टन के न्यू वॉटर जेट फास्ट अटैक क्राफ्ट की तैनाती की जाएगी। ये दोनों समुद्र में तेज गति से चलने वाली आक्रमणकारी क्राफ्ट है, जो 40-45 समुद्री मील प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकते हैं और मशीन गन से लैस हैं। इंटरसेप्टर क्राफ्ट 100 टन के करीब होते हैं और 10-12 लोग चला सकते हैं। वहीं, न्यू वॉटर जेट फास्ट अटैक क्राफ्ट्स 300 टन के जहाज हैं जो सीआरएन-91 गन से लैस होंगे और नागास्त्र जैसे लूटरिंग मुनिशन (ड्रोन जैसी स्मार्ट मिसाइलें) से भी तैनात हो सकते हैं। ये निगरानी, हमला और सटीक स्ट्राइक के लिए हैं।

100 अधिकारी और नाविक रहेंगे

इस बेस पर 100 अधिकारी व नाविक ही तैनात होंगे, लेकिन इसपर सभी सुविधाएं मॉडर्न होंगी। साल 2024 में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल ने 120 फास्ट इंटरसेप्टर क्राफ्ट और 31 न्यू वॉटर जेट फास्ट अटैक क्राफ्ट्स की खरीद को मंजूरी दी थी। ये जहाज तटीय सुरक्षा, घुसपैठ रोकने, बंदरगाह सुरक्षा और स्पेशल ऑपरेशंस के लिए हैं।

मौजूदा डॉक कॉम्पलेक्स का उपयोग

हल्दिया, पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता से करीब 100 किमी दूर हुगली नदी पर स्थित है, जहां से बंगाल की खाड़ी में सीधा पहुंच है। मौजूदा हल्दिया डॉक कॉम्प्लेक्स (1970 से चल रहा) का इस्तेमाल किया जाएगा। शुरुआत में एक विशेष जहाज बांधने की जगह और शोर सपोर्ट सुविधाएं बनाई जाएंगी। इससे बेस जल्दी तैयार हो जाएगा, ज्यादा नए बुनियादी ढांचे की जरूरत नहीं पड़ेगी।

समुद्री मार्गों की सुरक्षा

इस बेस से हल्दिया से मलक्का स्ट्रेट तक निगरानी आसान होगी, जो वैश्विक व्यापार का महत्वपूर्ण चोकपॉइंट है। यह बेस भारत को बंगाल की खाड़ी में तेज प्रतिक्रिया (क्विक रिस्पॉन्स) देने की क्षमता देगा। घुसपैठ, तस्करी, समुद्री डकैती और आपदा राहत में मदद मिलेगी।

चीन से सुरक्षा

यह बेस बंगाल की खाड़ी में चीनी जहाजों की निगरानी के लिए जरूरी है। चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी हिंद महासागर में ज्यादा सक्रिय हो रही है। चीन ने बांग्लादेश नेवी को दो पनडुब्बियां भी सौपी हैं और चटगांव के पास एक बेस भी बना रहा है। पहले इसका नाम बीएनएस शेख हसीना था, लेकिन अब इसे बदल दिया गया है। ऐसे में बंगाल के हल्दिया का यह नया बेस चीन और बांग्लादेश के खिलाफ भारत की समुद्री निगरानी, तटीय सुरक्षा की क्षमताओं को और बढ़ाएगा। भारत-बांग्लादेश सीमा पर पानी के रास्ते से अवैध घुसपैठ बढ़ रही है। उथले पानी और घने समुद्री यातायात में तेज जहाज बहुत उपयोगी हैं।

देशभर में कई बेस

अभी भारतीय नौसेना के देशभर में कई बेस मौजूद हैं। मुख्य बेस मुंबई, गोवा, कारवार, कोच्चि, चेन्नई, विशाखापत्तनम, कोलकाता और पोर्ट ब्लेयर में हैं। भारतीय नौसेना ने पूर्वी तट पर पहले से ही विशाखापत्तनम (ईस्टर्न नेवल कमांड) और अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में बड़े बेस हैं। लेकिन उत्तरी बंगाल की खाड़ी में मजबूत मौजूदगी की जरूरत इसलिए है क्योंकि भारत से खराब होते संबंधों के बीच चीन और बांग्लादेश करीब जा रहे हैं।

कोलकाता के आई-पैक मामले में बढ़ी रार, बंगाल सीएम ने किया पलटवार

ईडी ने सुप्रीम कोर्ट का खटखटाया दरवाजा, ममता ने दायर की कैविएट

ईडी ने कहा- ममता ने रेड के दौरान अधिकारियों से छीने सबूत, बाधा डाली

बंगाल के बवाल पर अब दिल्ली में सवाल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार कोआई- पैक मामले में देश के सर्वोच्च न्यायलय में याचिका दाखिल कर दी है। ई डी ने सुप्रीम कोर्ट में दर्ज याचिका में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी पर एजेंसी की कार्रवाई में दखल देने का आरोप लगाया है. एजेंसी ने याचिका में कहा कि कोलकाता में आई-पैक के डायरेक्टर प्रतीक जैन के ठिकानों पर छापेमारी की कार्रवाई के दौरान मुख्यमंत्री ममता ने ईडी के अधिकारियों से जरूरी फाइलें, हार्ड डिस्क और मोबाइल फोन छीन लिए थे। ईडी ने इस मामले में शुक्रवार को पहले कोलकाता हाई कोर्ट में भी याचिका दाखिल की थी, जिस पर बुधवार को सुनवाई होगी। ईडी ने अदालत का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराया था कि उसकी जांच में जान- बूझकर बाधा बैदा की गई ताकि काम प्रभावित हो। ईडी की ओर से दायर याचिका में मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग की गई। साथ ही, एजेंसी ने अदालत में आवेदन दाखिल कर इस संबंध में केस दर्ज करने की भी अनुमति मांगी।

ममता बोलीं- राज्य सरकार का पक्ष सुने बिना कोई आदेश न दें

कैविएट इसलिए ताकि एकतरफा आदेश न हो

सुप्रीम कोर्ट

दूसरी तरफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के साथ जारी खींचतान के बीच पश्चिम बंगाल की ममता सरकार ने शनिवार को सुप्रीम कोर्ट में कैविएट एप्लीकेशन दाखिल कर दी है। कैविएट दाखिल कर पश्चिम बंगाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से स्पष्ट रूप से आग्रह किया है कि अगर इस मामले में कोई भी याचिका या अपील दायर की जाती है, तो राज्य सरकार का पक्ष सुने बिना कोई आदेश पारित न किया जाए। सरकार के इस कदम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अदालत किसी भी एकतरफा आदेश से पहले संबंधित पक्ष को सुनवाई का पूरा अवसर दे।

यह है पूरा मामला

दरअसल, ईडी ने गुरुवार को कोयला घोटाला मामले को लेकर राजनीतिक कंसलटेंसी फर्म आई-पैक के डायरेक्टर प्रतीक जैन के आवास और ऑफिस पर छापेमारी की थी। ईडी की कार्रवाई के बीच पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी राज्य प्रशासन और पुलिस के सीनियर अधिकारियों के साथ प्रतीक जैन के घर और फिर ऑफिस पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने कथित तौर पर कुछ फाइलें और इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज निकालकर अपनी गाड़ी में रखवाए थे।

कोयला घोटाला आरोप पर ममता को भेजा कानूनी नोटिस, 72 घंटे में सबूत दें

पश्चिम बंगाल की सियासत एक बार फिर उबाल पर है। इस बार मुद्दा है कोयला घोटाला, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई और मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी के गंभीर आरोप। राज्य के नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने ममता को कानूनी नोटिस भेजकर सीधा चुनौती दे दी है कि

वे 72 घंटे के भीतर अपने दावों के सबूत पेश करें, वरना उनके खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया जाएगा। यह पूरा विवाद उस बयान से भड़का है जिसमें ममता ने दावा किया था कि कोयला घोटाले का पैसा सुवेंदु अधिकारी के जरिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तक पहुंचाया जाता है।

मिसिसिपी शहर में फिर गोलीबारी, छह की मौत

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका में दिल दहलाने वाली घटना

अमेरिका में दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। यहां के मिसिसिपी शहर में हुई मास शूटिंग में छह लोगों की मौत हो गई है। न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक एक पागल इंसान ने अलग-अलग जगहों पर गोलियां बरसाकर इस घटना को अंजाम दिया।

क्ले काउंटी शेरिफ एडी स्कॉट ने फेसबुक पर घटना का विवरण दिया है। उन्होंने लिखा कि दुर्भाग्य की बात है कि हमारी कम्यूनिटी में एक दर्दनाक घटना हुई है। हिंसा के चलते कई निर्दोषों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। अमेरिकी पुलिस के मुताबिक घटनाएं, वेस्ट प्वॉइंट में तीन जगहों पर हुईं। घटना में शामिल व्यक्ति को पुलिस ने हिरासत में ले लिया गया है। नामीसा मिसिसिपी के उत्तरपूर्व में स्थित, क्ले काउंटी की जनसंख्या करीब 20,000 है।

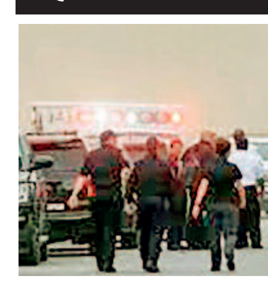

पहले भी हुई हैं घटनाएं

गौरतलब है कि पिछले साल अक्टूबर में भी मिसिसिपी में ऐसी ही कुछ घटनाएं हुई थीं। अक्टूबर महीने में हुई यह गोलीबारी की घटनाएं कथित रूप से हाई स्कूल फुटबॉल खेलों से जुड़ी थीं। मिसिसिपी के उत्तर-पश्चिमी शहर ली में एक ऐसी हमले में छह लोगों की हत्या कर दी गई और कम से कम 12 अन्य घायल हो गए थे।

पाक में फंसी सरबजीत कौर, विशेष परमिट रुका

एजेंसी ▶▶ अमृतसर

पाकिस्तान में फंसी पंजाब के कपूरथला जिले की सरबजीत कौर का भारत लौटना एक बार फिर अटक गया है।

लाहौर के शेल्टर होम भेजी गई, कानूनी प्रक्रिया जारी

पाकिस्तान के गृह मंत्रालय ने उनके लिए जरूरी विशेष यात्रा परमिट रोक दिया है, जिसके कारण उन्हें लाहौर के दारुल अमान शेल्टर होम में कड़ी सुरक्षा के बीच ट्रांसफर कर दिया गया है। सरबजीत को अटारी-वाघा बार्डर के रास्ते भारत भेजा जाना था, लेकिन अंतिम समय पर अनुमति रोक दी गई। पंजाब प्रांत के गृह विभाग ने पुष्टि की है कि जब तक आवश्यक परमिट जारी नहीं होता, तब तक सरबजीत को दारुल अमान में ही रखा जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि परमिट अगले सप्ताह जारी होने की संभावना है।

ये है मामला

सरबजीत कौर ने सुल्तानपुर लोधी स्थित गुरुद्वारा श्री बेर साहिब में अपना पासपोर्ट जमा कराया था, जहां से उन्हें श्रद्धालु के तौर पर वीजा लगाने हेतु भेजा गया। वह 4 नवंबर को 1932 श्रद्धालुओं के जत्थे के साथ श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के मौके पर पाकिस्तान गई थीं। दस दिनों का दौरा पूरा होने के बाद जब जत्था 13 नवंबर को लौटा तो 1923 की बजाय 1922 श्रद्धालु ही पहुंचे। जांच में सामने आया कि सरबजीत पाकिस्तान में ही रुक गई हैं और उनका नाम न तो पाकिस्तान के एग्जिट रिकॉर्ड में था और न भारत के एंट्री रिकॉर्ड में। बाद में उर्दू में लिखा उनका कथित निकाहनामा और एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें दावा किया गया कि उन्होंने इस्लाम धर्म अपनाते हुए शेखुपुरा निवासी नूर हुसैन से निकाह कर लिया है। वीडियो में सरबजीत ने प्रेम संबंध और तलाक की बात कही थी।

दुश्मन का मनोबल तोड़ने के लिए लड़ते हैं जंग: डोभाल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

'विकसित भारत युवा नेता संवाद' में एनएसए ने कहा

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा निर्धारित गति से भारत एक विकसित राष्ट्र बनेगा, भले ही यह प्रक्रिया स्वचालित रूप से ही क्यों न चले। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित 'विकासित भारत युवा नेता संवाद' में बोलते हुए, उन्होंने युवाओं से अपने निर्णय लेने के कौशल को मजबूत करने का आग्रह किया और कहा कि सभी क्षेत्रों में देश का नेतृत्व करने के लिए सशक्त और समयबद्ध निर्णय ही कुंजी हैं। इस दौरान उन्होंने कहा कि डोवाल ने कहा कि किसी राष्ट्र की सच्ची शक्ति उसकी इच्छाशक्ति होती है, और युद्ध हिंसा के लिए नहीं, बल्कि शत्रु का मनोबल तोड़ने के लिए लड़े जाते हैं। हम मनोरोगी नहीं हैं। उन्होंने पिछले दशक में दृढ़ प्रतिबद्धता, कड़ी मेहनत और समर्पण के माध्यम से देश को तीव्र प्रगति की ओर ले जाने के लिए भारत के नेतृत्व की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, 'आप अपनी इच्छाशक्ति बढ़ा सकते हैं। वही इच्छाशक्ति राष्ट्रीय शक्ति बन जाती है।

बंद गले का काला कोट आउट, रेलवे की पारंपरिक यूनिफॉर्म में बदलाव

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रेल मंत्री ने कहा- यह औपनिवेशिक सोच व गुलामी का प्रतीक

इन दिनों भारतीय रेलवे में कई बड़े बदलाव देखने को मिल रहे है। इसी कड़ी में अब रेल कर्मचारियों की पारंपरिक यूनिफॉर्म में बदलाव किया जाएगा। रेल मंत्री ने कहा कि अंग्रेजी शासन काल से चली आ रही बंद गले वाली काली जैकेट को हटाने का फैसला लिया गया है।

रेल मंत्री के मुताबिक, रेलवे से उन सभी चीजों को समाप्त किया जाएगा जो औपनिवेशिक सोच और गुलामी के प्रतीक के तौर पर देखी जाती हैं। रेल अधिकारियों और विभिन्न जोन को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित करने एक कार्यक्रम में रेल मंत्री ने कहा कि हमें अपनी सोच से भी गुलामी की मानसिकता को निकालना होगा। चाहे वह हमारे काम करने का तरीका हो या फिर हमारे पहनावे का तरीका, हमें हर जगह से इन पुरानी चीजों को हटाना होगा। आज मैं पहली घोषणा कर रहा हूं। हमारे जो बंद गले का काला सूट अंग्रेजों ने शुरू किया था, आज से यह रेलवे में फॉर्मल ड्रेस नहीं रहेगी।

'परीक्षा पे चर्चा-2026' ने तोड़ा अपना पिछला रिकॉर्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जल्द ही आयोजित किए जाने वाले बहुचर्चित 'परीक्षा पे चर्चा-2026' कार्यक्रम में भाग लेने के लिए इस बार छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के कुल 4 करोड़ से अधिक पंजीकरण हो चुके हैं। जिसके साथ ही इसने अपने पिछले साल-2025 के 3.56 करोड़ पंजीकरण के गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड को भी पार कर लिया है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि 4 करोड़ का यह आंकड़ा 8 जनवरी 2026 तक का है। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह कार्यक्रम अब महज एक वार्षिक संवाद से कहीं अधिक एक सच्चा राष्ट्रव्यापी आंदोलन में तब्दील हो गया है। जो शिक्षा, कल्याण और समग्र विकास पर सार्थक संवाद को बढ़ावा देता है। आयोजन का सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य देश के युवाओं के लिए तनावमुक्त वातावरण का निर्माण करना है।

प्रधान ने कहा- पीएम के नेतृत्व में यह आयोजन महज एक वार्षिक संवाद नहीं बल्कि राष्ट्रव्यापी आंदोलन में हुआ तब्दील

1 दिसंबर से शुरू हुए पंजीकरण

गौरतलब है कि परीक्षा पे चर्चा के लिए ऑनलाइन मायगॉव पोर्टल पर पंजीकरण पिछले साल 1 दिसंबर 2025 से शुरू हो गए थे। शिक्षा मंत्रालय की ये पहल एक बहुप्रतीक्षित मंच बन गई है। जो छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को प्रधानमंत्री से सीधे जुड़ने का अवसर प्रदान करती है। जैसे-जैसे परीक्षाओं का समय नजदीक आ रहा है। छात्रों को इस कार्यक्रम में भाग लेने, परीक्षा संबंधी तनाव को प्रबंधित करने और आत्मविश्वास के साथ सीखने को अपनाने के संबंध में पीएम के मार्गदर्शन से लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। मंत्रालय द्वारा जारी पंजीकरण की ये कवायद अभी भी जारी है, जिसके लिए छात्र **https://innovateindia1.mygov.in/** लिंक का प्रयोग कर सकते हैं।

तनाव घटाने का अहम मौका

केंद्रीय मंत्री प्रधान ने देशभर के छात्र-छात्राओं से परीक्षा पे चर्चा में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया। साथ ही ये भी कहा कि जैसे-जैसे परीक्षा का समय पास आ रहा है। छात्र, प्रधानमंत्री मोदी के आत्मविश्वास, एकाग्रता और स्वास्थ्य पर दिए गए व्याख्यान से अपने तनाव को कम कर सकते हैं। प्रधान ने 4 करोड़ से अधिक पंजीकरणों को एक ऐतिहासिक मील के पत्थर की संज्ञा दी और बताया कि कार्यक्रम की बढ़ती लोकप्रियता, छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के साथ-साथ परीक्षा को लेकर सकारात्मक, आत्मविश्वास-पूर्ण और तनावमुक्त दृष्टिकोण को बढ़ावा देने में इसकी निरंतर सफलता को दर्शाती है।

रायपुर
रविवार 11 जनवरी 2026
माघ कृष्ण पक्ष अष्टमी
वर्ष : 24, अंक : 172
पृष्ठ : 12+4+4 =20 मूल्य : 5.00**

मौसम
अधि. 25.8
न्यून. 11.9

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

9 सबालेंका ने मुचोवा को हराया, फाइनल...

विचार पेज
4 ट्रंप के बयानों से ग्रीनलैंड में बढ़ी

सटोरियों का खेल... दिन में कई बार बदल रहे चांदी के दाम, शेयर बाजार भी फेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अलग खबर

चांदी के दाम ने बीते साल नया रिकॉर्ड बनाया है। इसके पीछे बहुत बड़ा हाथ सटोरियों का है। अब तो नए साल में स्थिति यह हो गई है कि चांदी के दाम एक ही दिन में कई बार बदल रहे हैं। एक ही दिन में दस हजार रुपए तक दाम कम ज्यादा हो रहे हैं। इसके आगे शेयर बाजार फेल हो गया है। बीते साल तो बंद बाजार में भी सटोरियों ने चांदी के दाम ढाई लाख के पार पहुंचा दिए थे। नए साल में और बड़ा खेल हो रहा है। इसके कारण पहली बार वायदा कारोबारी भी परेशान हो गए हैं। अब तो फोन पर कोई भी बुकिंग नहीं हो रही है। जिस समय खरीदारी होनी है, उस समय जो ऑनलाइन दाम हैं, उसी दाम में चांदी बिक रही है। चांदी में सटोरियों के खेल के कारण बुलियन बाजार में भी हड़कंप मचा हुआ है।

चांदी में तो इस साल कमाल का ही खेल हो रहा है। कारोबारियों की मानें तो मिनट दर मिनट इसका दाम शेयर बाजार की तरह बदल रहे हैं। कारोबारियों को कई बार इसके दाम अपडेट करने पड़ रहे हैं। एक ही दिन में कई बार दाम बदल रहे हैं। एक दिन पहले की ही बात करें तो रात को साढ़े बजे जब दाम खुले तो उस समय ▶▶| शेष पेज 7 पर

दाम का ऐसा खेल पहले कभी नहीं देखा

रायपुर सराफा एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष हरख मालू ने बताया, पहली बार चांदी के दाम इस तरह से कम ज्यादा हो रहे हैं। पहले कभी भी दाम एक दिन में इतनी बार कम ज्यादा नहीं होते थे। आज दो मिनट दर मिनट दाम बदल रहे हैं। ऐसे में अब फोन पर भी बुकिंग बंद है। जब ग्राहक खरीदारी करने आते हैं, तभी उस समय के दाम देखकर ही सौदा किया जा रहा है।

सालभर में 1 लाख 45 हजार बढ़े दाम

2021 में चांदी जनवरी में 67520 रुपए
2022 में चांदी जनवरी में 60000 रुपए
2023 में चांदी जनवरी में 72000 रुपए
2024 में चांदी जनवरी में 76000 रुपए
2025 में चांदी जनवरी में 88500 रुपए
2026 में चांदी जनवरी में 234200 रुपए

धार्मिक नेतृत्व के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन, हजारों घायल

ईरान में विद्रोह, 400 शहरों में बगावत, अब तक 217 की मौत

ईरान में राजनीतिक संकट गहराता जा रहा है। महंगाई से शुरू हुआ आंदोलन अब धार्मिक नेतृत्व के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन में बदल गया है। देश के अलग-अलग हिस्सों में लगभग 400 जगहों पर यह प्रदर्शन हो रहा है। प्रदर्शन के दौरान हुईं झड़पों में अकेले तेहरान में अब तक 217 लोगों की मौत हो चुकी है। इनके साथ-साथ 14 सेना के जवान भी मारे गए हैं। पुलिस ने अब तक 2300 लोगों को हिरासत में भी लिया है।

एजेंसी ▶▶| दुबई

ईरान में इंटरनेट और टेलीफोन सेवा पर प्रतिबंध के बीच शनिवार को भी विरोध प्रदर्शन जारी रहे और देश का बाकी दुनिया से संपर्क लगभग कटा हुआ है। पाबंदियों के कारण वहां हो रहे प्रदर्शनों की सही जानकारी मिलना मुश्किल हो गया है, लेकिन अमेरिका में स्थित समाचार एजेंसी 'ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स' के अनुसार, इन प्रदर्शनों में अब तक कम से कम 217 लोगों की मौत हो चुकी है और 2,300 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया है। सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने अमेरिका की चेतावनियों के बावजूद प्रदर्शनकारियों पर सख्त कार्रवाई जारी रखने का संकेत ▶▶| शेष पेज 7 पर

- ***तेहरान में रातभर बवाल, सरकार ने इंटरनेट सेवाएं बंद की***
- ***2,300 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया***

ट्रंप को खुश करने के लिए देश बर्बाद न करें

ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई ने शनिवार को देशभर में प्रदर्शनों के बीच शुक्रवार को पहली बार राष्ट्र को संबोधित किया था। ईरान के सरकारी टीवी ने उनका भाषण प्रसारित किया।

खामेनेई ने कहा कि ईरान 'विदेशियों के लिए काम करने वाले भाड़े के लोगों' को बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने दावा किया कि प्रदर्शनों के पीछे विदेशी एजेंट हैं।

प्रदर्शनकारियों को मृत्युदंड की चेतावनी

ईरान के अटॉर्नी जनरल मोहम्मद मोवाहेदी आजाद ने चेतावनी दी कि विरोध-प्रदर्शनों में हिस्सा लेने वाले किसी भी व्यक्ति को 'अल्लाह का शत्रु' माना जाएगा, जो मृत्युदंड योग्य अपराध है। ये टिप्पणियां टेलीविजन के जरिए प्रसारित की गईं।

ट्रंप की चेतावनी, वहीं मारेंगे जहां सबसे ज्यादा दर्द होगा...

ईरान में भड़कते जनआंदोलन के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तेहरान को खुली चेतावनी दी है। ट्रंप ने कहा है कि अगर ईरान में प्रदर्शनकारियों की हत्या की गई तो अमेरिका सीधे तौर पर हस्तक्षेप करेगा और ऐसी जगह हमला करेगा, जहां सबसे ज्यादा दर्द होगा। उन्होंने साफ किया कि अमेरिका हालात पर बहुत करीब से नजर रखे हुए है।

विरोध का बना नया प्रतीक

खामेनेई की जलती तस्वीर से सुलगा रहीं सिगरेट जन विद्रोह के बीच एक नया ट्रेंड उभरकर सामने आया है। ईरानी महिलाओं के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की तस्वीरों से सिगरेट जलाने वाले विजुअल लगातार सोशल मीडिया पर सामने आ रहे हैं। यह ट्रेंड इस्लामिक देश में विरोध का प्रतीक बन गया है, जो महिलाओं पर सख्त पाबंदी के लिए जाना जाता है।

रूस के तेल का दिया विकल्प : अमेरिका कंट्रोल्ड नियमों के तहत यह होगी बिक्री

ट्रंप भारत को वेनेजुएला का तेल बेचने को तैयार, इस पर बात जारी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ कर दिया कि अब वेनेजुएला के तेल पर वेनेजुएला का कोई हक नहीं रह गया है। उन्होंने कहा कि तेल कंपनियां सीधे अमेरिका से डील करेंगी, वेनेजुएला से नहीं। उन्होंने कहा कि वह तय करेंगे कि कौन सी तेल कंपनियां वेनेजुएला जाएंगी। ट्रंप प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि व्हाइट हाउस ने संकेत दिया है कि वो अमेरिका कंट्रोल्ड नियमों के तहत भारत को वेनेजुएला से तेल खरीदने की अनुमति देने के लिए तैयार हैं, जिससे अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण ठप पड़े व्यापार के फिर से शुरू होने की संभावना बढ़ गई है। जब पूछा गया कि क्या अमेरिका वेनेजुएला की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को देखते हुए भारत को वेनेजुएला से कच्चे तेल की खरीद फिर से ▶▶| शेष पेज 7 पर

भारत भारी मात्रा में कच्चे तेल की खरीद करता था

अमेरिकी बैन से पहले भारत वेनेजुएला के सबसे बड़े तेल ग्राहकों में एक था, जो उसकी जटिल रिफाइनरियों को चलाने के लिए भारी मात्रा में कच्चे तेल की खरीद करता था। ये दोबारा शुरू होने से भारत को एनर्जी इंपोर्ट में विविधता लाने में मदद मिल सकती है, क्योंकि मांग लगातार बढ़ रही है। न्यूयॉर्क में एक एनर्जी कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए राइट ने कहा कि अमेरिका वर्तमान में वेनेजुएला के 30 से 50 मिलियन बैरल तेल को बेचने की योजना बना रहा है, जिसके बाद भविष्य के प्रोडक्शन की लगातार बिक्री होगी।

ट्रंप ने बड़ी तेल कंपनियों के साथ बैठक की

इस बीच, ट्रंप ने कहा कि वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सत्ता से हटाने के बाद हुए नए समझौते के तहत अमेरिका वेनेजुएला के 5 करोड़ बैरल तक कच्चे तेल की बिक्री करेगा। तेल कंपनियों के अधिकारियों के साथ एक बैठक में बोलते हुए ट्रंप ने इस कदम को आर्थिक अवसर बताया। उन्होंने कहा कि वेनेजुएला बहुत सफल होने जा रहा है। उन्होंने देश के तेल क्षेत्र का जिक्र करते हुए कहा कि हम वह वापस ले रहे हैं जो हमसे छीन लिया गया था।

अंतिम संस्कार पर विवाद

पुलिस की मौजूदगी में गांव से बाहर भेजा गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

कांकेर के ग्राम व्यासकोंगेरा में एक मतांतरित व्यक्ति की मृत्यु के बाद अंतिम संस्कार को लेकर विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई। गांव के ग्रामीणों ने मृतक के परिजनों को गांव की सीमा में अंतिम संस्कार करने से रोक दिया, जिससे गांव में तनाव का माहौल ▶▶| शेष पेज 7 पर

मान्यताओं का पालन कर रहे ग्रामीण

प्रशासनिक अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने का अधिकार नहीं है। ग्रामीणों का कहना है कि वे सामाजिक मान्यताओं का पालन कर रहे हैं, जबकि मृतक के परिजनों ने इसे अपने मौलिक अधिकारों का हनन बताया।

भाजपा मंत्री और विधायक टीएस से मिलने पहुंचे तो हतप्रभ रह गए कांग्रेसी

विधानसभा चुनाव में प्रतिद्वंदी थे सिंहदेव व अग्रवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

छत्तीसगढ़ भवन में शनिवार को कांग्रेस नेता, कार्यकर्ता उस वक्त हतप्रभ रह गए जब रूम नंबर एक में ठहरे कांग्रेस शासनकाल के पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव बाबा से मिलने प्रदेश भाजपा सरकार के पर्यटन ▶▶| शेष पेज 7 पर

अग्रवाल और सिंहदेव दोनों सरगुजा क्षेत्र से

मंत्री राजेश अग्रवाल और पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव दोनों ही सरगुजा एरिया से आते हैं और उनके बीच पुराने अच्छे संबंध रहे हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस से टीएस सिंहदेव और भाजपा से राजेश अग्रवाल एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी के रूप में चुनाव लड़े थे।

कश्मीर से अयोध्या पहुंचा था अहमद

राम मंदिर परिसर में नमाज पढ़ने की कोशिश, हिरासत में आरोपी

एजेंसी ▶▶| अयोध्या

अयोध्या के राम मंदिर परिसर में कथित तौर पर नमाज पढ़ने की कोशिश करने के आरोप में कश्मीर निवासी अहमद शेख को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को कश्मीर निवासी अहमद शेख को ▶▶| शेष पेज 7 पर

हो रही जांच

जांच और खुफिया एजेंसियां उस व्यक्ति से पूछताछ कर रही हैं ताकि उसके इरादे का पता लगाया जा सके और उसकी यात्रा संबंधी विवरणों की भी पुष्टि की जा सके। पुलिस उसके अयोध्या यात्रा का उद्देश्य और किसी अन्य व्यक्ति के शामिल होने की संभावना को लेकर भी छानबीन कर रही है।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में शामिल हुए पीएम मोदी

ज्योतिर्लिंग के दर्शन कर किया ओंकार मंत्र का जाप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गांधीनगर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को गुजरात के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल सोमनाथ मंदिर पहुंचे। यहां उनका जोरदार स्वागत किया गया, सड़क के दोनों तरफ बड़ी संख्या में खड़े लोग पीएम का अभिवादन करते नजर आए। प्रधानमंत्री ने सर्किट हाउस में सोमनाथ मंदिर ट्रस्ट की बैठक की अध्यक्षता की। शाम के वक्त प्रधानमंत्री सोमनाथ मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने भगवान शिव के ज्योतिर्लिंग के दर्शन किए और विधिवत पूजा-अर्चना की। इसके बाद पीएम मोदी ने ओंकार मंत्र का जाप किया, जिससे पूरा मंदिर परिसर आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी भावनाएं साझा कीं। ▶▶| शेष पेज 7 पर

शौर्य यात्रा में भाग लेंगे प्रधानमंत्री: प्रधानमंत्री मोदी तीन-दिवसीय गुजरात यात्रा के दौरान यहां 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' एवं राजकोट में 'वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन' सहित कई कार्यक्रमों में भाग लेंगे। रविवार को सुबह लगभग 9:45 बजे प्रधानमंत्री 'शौर्य यात्रा' में भाग लेंगे, जो सोमनाथ मंदिर की रक्षा करते हुए प्राणों की आहुति देने वालों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए आयोजित औपचारिक शोभा यात्रा है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि शौर्य यात्रा में 108 घोड़ों का प्रतीकात्मक जुलूस निकाला जाएगा, जो वीरता और बलिदान का प्रतीक होगा। इसके बाद, मोदी सुबह करीब 10:15 बजे सोमनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे और फिर सुबह 11 बजे 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' पर आयोजित एक सार्वजनिक कार्यक्रम में भाग लेंगे।

अरब सागर के तट पर भव्य ड्रोन शो

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के तहत सोमनाथ मंदिर परिसर में अरब सागर के तट पर भव्य ड्रोन शो का आयोजन किया गया। करीब 3,000 ड्रोन की मदद से आसमान में अद्भुत आकृतियां बनाई गईं, जो लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र रहीं। ड्रोन शो के दौरान त्रिशूल, ओम, भगवान शिव का तांडव, वीर हमीरजी, अहिल्याबाई होल्कर, सोमनाथ मंदिर पर हुए आक्रमण का दृश्य, सरदार वल्लभभाई पटेल, स्वाभिमान पर्व का लोगो और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आकृतियां दिखाई गईं।

खबर संक्षेप

युवती समेत तीन लोगों ने चाकू मारकर की युवक की हत्या, सुबह मिला शव

अंबिकापुर। शहर में एक युवक की चाकू मारकर हत्या किए जाने की घटना से सनसनी फैल गई है। युवक का शव गांधीनगर क्षेत्र में खून से लथपथ हालत में मिला है। बड़ी बात यह है कि चाकूबाजी की घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है जिसमें एक युवती के साथ ही दो युवक नजर आ रहे हैं लेकिन हत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। फिलहाल पुलिस ने इस मामले में संदेही युवती के साथ ही तीन लोगों को हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। वहीं शव को पीएम उपरान्त परिजन के सुपुर्द कर दिया गया है।
बता दें कि शनिवार की सुबह शहर के गांधीनगर डेयरी फार्म रोड पर सड़क किनारे एक व्यक्ति का शव स्थानीय लोगों ने देखा था। शव मिलने के बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक की पहचान सुभाष नगर निवासी 46 वर्षीय बबलू मंडल आ. तिवारी लाल मंडल के रूप में की गई। युवक की हत्या किए जाने की शंका पर पुलिस के साथ ही एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची और पंचनामा उपरान्त शव को पीएम के लिए भेजा। अब तक की जांच में यह बात सामने आई है कि मृतक बबलू मंडल के पेट में चाकू से वार किया गया है।

इंडिया इंटरनेशनल राइस समिट में मुख्यमंत्री ने की घोषणा

सीएम की चावल निर्यातकों को बड़ी सौगात, मंडी शुल्क में छूट एक साल बढ़ी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इंडिया इंटरनेशनल राइस समिट में चावल निर्यातकों को बड़ी सौगात दी है। मंडी शुल्क में छूट की अवधि एक साल बढ़ाई है। साथ ही कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के क्षेत्रीय कार्यालय का भी शुभारंभ किया। उन्होंने कहा, वर्तमान समय में ऑर्गेनिक उत्पादों की मांग तेजी से बढ़ रही है और दंतेवाड़ा में ऑर्गेनिक चावल की खेती हो रही है, जिसे और प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है।

- ऑर्गेनिक उत्पादों की मांग तेजी से बढ़ रही है- मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने कहा, इंडिया इंटरनेशनल राइस समिट का यह दूसरा संस्करण अत्यंत महत्वपूर्ण है। आयोजन में 12 देशों के बायर्स तथा 6 देशों के एम्बेसी प्रतिनिधिमंडल की उपस्थिति से छत्तीसगढ़ को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिलने में मदद मिलेगी। उन्होंने छत्तीसगढ़ की पावन धरती पर सभी विदेशी मेहमानों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने कहा, हमारे पूर्वजों ने छत्तीसगढ़ को सोच-समझकर "धान का कटोरा" कहा था और आज प्रदेश इस नाम की सार्थकता सिद्ध कर रहा है। चावल छत्तीसगढ़ के खानपान का अभिन्न हिस्सा रहा है और यहां हजारों किस्मों की धान की प्रजातियां उगाई जाती हैं। सरगुजा अंचल के सुगंधित जीराफूल और दुबराज जैसे चावलों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इनकी खुशबू दूर से ही पहचान में आ जाती है। छतीसगढ़ से चावल के एक्सपोर्ट को बढ़ावा मिलेगा। चावल निर्यातक लंबे समय से मंडी शुल्क में छूट की मांग कर रहे थे। पिछले साल भी सरकार ने दी थी, छूट दिसंबर 2025 में मंडी शुल्क में छूट की अवधि खत्म हो रही थी।

ये थे मौजूद : इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, एपिडा के चेयरमेन अभिषेक देव, छत्तीसगढ़ राइस मिलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष कांति लाल, राम गर्ग, देश भर से आये मिलर्स, चावल व्यवसायी एवं स्टेक होल्डर्स उपस्थित रहे।

चावल पर केन्द्रित प्रदर्शनी

इंडिया इंटरनेशनल राइस समिट के दौरान मुख्यमंत्री ने चावल पर केन्द्रित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने विभिन्न किस्मों के चावल, क्षेत्र विशेष में उत्पादित प्रजातियों, चावल उत्पादन में हो रहे नवाचारों तथा आधुनिक तकनीक के माध्यम से उत्पादकता बढ़ाने के प्रयासों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने शासकीय स्टालों का भी निरीक्षण कर चावल के उत्पादन और विपणन को बढ़ावा देने से जुड़े कार्यों की सराहना की।

छत्तीसगढ़ से 90 देशों को चावल का निर्यात

मुख्यमंत्री ने कहा, राज्य सरकार की नई औद्योगिक नीति के अंतर्गत लघु उद्योगों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे चावल के प्रसंस्करण और निर्यात को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ से वर्तमान में लगभग 90 देशों को करीब एक लाख टन चावल का निर्यात किया जा रहा है। सरकार निर्यातकों के सहयोग के लिए सदैव तत्पर है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में किसानों से 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी की जा रही है। पिछले वर्ष 149 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हुई थी और इस वर्ष भी खरीदी में वृद्धि की संभावना है।

जान जोखिम में डाल टाला भीषण अग्निकांड, सूझबूझ से बची करोड़ों की संपत्ति

बिलासपुर। आज शहर में एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जिसका पूरा श्रेय दो जांबाज सामाजिक कार्यकर्ताओं, शाहरुख अली और रोमी भास्कर को जाता है। अपनी मंजिल की ओर बढ़ रहे इन दो युवाओं ने न केवल इंसानियत का फर्ज निभाया, बल्कि अपनी त्वरित सूझबूझ और अदम्य साहस से एलआईसी ऑफिस के पास लगी भीषण आग को एक बड़ी त्रासदी में बदलने से रोक लिया। जानकारी के अनुसार शाहरुख अली और रोमी भास्कर अपने दैनिक कार्य करने क्षेत्र से गुजर रहे थे। तभी उनकी नजर एलआईसी ऑफिस के समीप अचानक भड़की भीषण लपटों पर पड़ी। आग इतनी विकराल थी कि देखते ही देखते उसने आस-पास के घेरे को अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया था। मूकदर्शक बनने के बजाय, शाहरुख और रोमी ने तुरंत मोर्चा संभाला। बिना अपनी सुरक्षा की परवाह किए, दोनों युवाओं ने पास में उपलब्ध बाल्टियों से आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू कर दिया। हालाँकि आग का तांडव इतना ज्यादा था कि अकेले बुझाना मुमकिन नहीं था, लेकिन उनके इस शुरुआती संघर्ष ने आग को फैलने की गति को धीमा कर दिया।

हाथी ने किया अधिकारियों की गाड़ी पर हमला

धमतरी। अधिकारियों का वाहन क्षतिग्रस्त करने के बाद घायल हाथी सीतानदी अभ्यारण्य क्षेत्र में पहुंच गया है। वन विभाग की टीम लगातार हाथी की निगरानी कर रहा है। घूमते हुए यह हाथी सड़क पर आ गया था, जो अब जंगल की ओर चला गया है। आडिशा से एक हाथी अपने दल से भटककर गरियाबंद के सिकासेर क्षेत्र में विचरण कर रहा था। यह हाथी बीमार था, जिसकी निगरानी करने के लिए वन विभाग की टीम पहुंची थी। धमतरी सीतानदी रेंज में हाथी की बीमार हालत को देखते हुए टीम ने दवा खिलाई। गुड़ के लड्डू में चिकित्सकों ने दवा मिलाकर हाथी जाने के संभावित रास्ते में रख दिया था। हाथी ने लड्डू खा भी लिया। इस दौरान हाथी ने निगरानी दल का पीछा किया और वहीं पर खड़े वन विभाग के निगरानी दल के जिप्सी वाहन पर हमला बोल दिया। हमले के वक्त जिप्सी में कोई नहीं था।

JHAIGO झाईगो 5+1 Cream
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं?
चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान हैं? या जले या चोट के निशान हैं?

वैदेही तुलसी कफ सीरप
नई एवं पुरानी खांसी, एलर्जी खांसी, श्वास, निमोनिया, कुकुरखांसी, टान्सिल, ब्रानकाटिस, सर्दी आदि में तेज असर कारक
2 वर्ष से बड़े बच्चों के लिए हानिरहित कफ सिरप
HMS देखकर खरीदें एक बार उपयोग कर देखें 94060-21769

अशोक अग्रवाल लगातार 7 वीं बार नागरिक सहकारी बैंक के अध्यक्ष निर्वाचित

बिलासपुर। बिलासपुर नागरिक सहकारी बैंक लिमिटेड के नवनिर्वाचित संचालक मण्डल में से अध्यक्ष ,उपाध्यक्ष एवं विभिन्न संस्थाओं को भेजे जाने वाले प्रतिनिधियों का चुनाव शनिवार को सम्पन्न हुआ। बैंक के वर्तमान अध्यक्ष अशोक अग्रवाल लगातार सातवीं बार अध्यक्ष चुने गए। वे तीस वर्षों से अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित तखतपुर विधायक धर्मजीत सिंह एवं संचालक मण्डल ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष का पुष्पहार से स्वागत कर अभिनंदन किया।

- संचालक मण्डल में से अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं विभिन्न संस्थाओं को भेजे जाने वाले प्रतिनिधियों का चुनाव हुआ

उपाध्यक्ष पद पर श्रीमति शशि धर्मजीत सिंह ठाकुर एवं चन्द्र प्रकाश जांगड़े निर्विरोध निर्वाचित घोषित हुए हैं। बिलासपुर नागरिक सहकारी बैंक लिमिटेड से विभिन्न संस्थाओं को भेजे जाने वाले प्रतिनिधियों में अशोक अग्रवाल, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्याादि बिलासपुर एवं छग शहरी सहकारी बैंक फेडरेशन रायपुर के लिए निर्विरोध प्रतिनिधि निर्वाचित घोषित किए गए तथा बैंक के वरिष्ठ संचालक मनोज भण्डारी, छग राज्य सहकारी बैंक रायपुर एवं जिला सहकारी संघ बिलासपुर के निर्विरोध प्रतिनिधि निर्वाचित घोषित किए गए।

25 दिनों में पूरी हुई चुनावी प्रक्रिया

ज्ञात हो कि बैंक की सम्पूर्ण चुनावी प्रक्रिया 25 दिनों में पूरी हुई। रिटर्निंग अधिकारी आर के गुप्ता एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारी अरुण शर्मा ने चुनाव परिणामों की घोषणा की। इससे पहले 4 जनवरी को 10 संचालकों का निर्विरोध निर्वाचन सम्पन्न हुआ था। इसमें अशोक अग्रवाल, नारायण आवटी, अनिल खंडेलवाल, मनोज भण्डारी, श्रीमति शशि धर्मजीत सिंह ठाकुर, सुश्री अल्का शर्मा, सोमनाथ यादव, चन्द्र प्रकाश जांगड़े, राजकुमार पमनानी एवं सीताराम जायसवाल निर्विरोध चुने गए थे।

प्रेमी ने दोस्तों संग मिलकर किया प्रेमिका के साथ गैंगरेप

कोरबा। प्रेमी ने अपने प्रेमिका को मिलने के बहाने बुलाया और अपने दोस्तों के साथ मिलकर गैंगरेप किया। प्रेमी ने पहले खुद प्रेमिका के साथ अनाचार किया, इसके बाद डायल 112 के चालक और उसे दोस्त के अलावा दो और नकाबपोश युवकों ने बारी बारी युवती के साथ सामूहिक बालात्कार किया। इस दौरान युवकों ने युवती को घटना की जानकारी देने पर जान से मारने की धमकी भी दी। हालांकि युवती किसी तरह उनके चंगुल से निकलकर पुलिस के पास पहुंची औरअपनी आपबीती सुनाई। पुलिस ने मामला दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, वहीं तीन फरार आरोपियों की सरगर्मी से तलाश शुरू कर दी है।

- फोन कर मिलने बुलाया था, वहां चार दोस्त भी पहुंचे

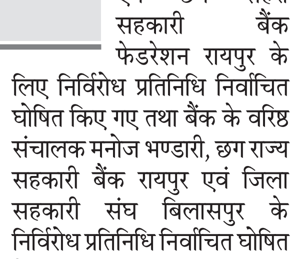

बांकीमोंगरा थाना क्षेत्र अंतर्गत निवासरत एक 18 वर्षीय युवती बर्तन दुकान में काम करती है। बांकीमोंगरा में ही निवासरत तरुण श्रीवास 21 वर्ष का उक्त बर्तन दुकान में आना-जाना था, इसी दौरान तरूण श्रीवास और युवती के बीच दोस्ती हो गई और धीरे-धीरे यह दोस्ती प्यार में बदल गई। पीड़िता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई , कि 8 व 9 जनवरी की दरमियानी रात उसके प्रेमी तरुण श्रीवास ने उसे फोन कर मिलने बुलाया और अपनी गाड़ी में बैठाकर गजरा कॉलोनी के एक मकान में ले गया। वहां शराब पीने के बाद तरूण ने उसके साथ दुष्कर्म किया। इस दौरान तरुण के चार दोस्त भी मौके पर पहुंच गए।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

OSTWAL HEART CARE
Dr. Kunal Ostwal MD, DM (Cardiology) Consultant and Interventional Cardiologist
Facilities : ECG ,2D-Echo,TMT
समस्त हृदय रोग, मधुमेह, कोलेस्ट्रोल एवं ब्लड प्रेशर के लिए परामर्श
डी.एम. प्लाजा, बैजनाथपारा, छोटापारा, रायपुर अपॉइंटमेंट के लिये संपर्क करें : 6264289296

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
सभी प्रकार की एलर्जी • जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
डेंटल सुविधा भी उपलब्ध
छाती रोग • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना • पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क : 8962566221, 07714916125, 7223065604

निवेद चेस्ट & आई केयर
उपलब्ध सुविधायें : एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयोथेरेपी, धुम्रपान नियंत्रण स्लिप स्ट्डी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधायें : मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनॉपेथी और मेडिकल रेटिना
डॉ. देवी ज्योति दास M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
डॉ. नमित नंदे MS Ophthalmology
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

सुधा सूरज फर्टिलिटी केयर
डॉ. सूरज कुमार चौधरी MD (Physician, Pathology)
डॉ.सुधा अग्रवाल चौधरी MBBS, MS (OBG) FRM स्त्री रोग विशेषज्ञ, इंफर्टिलिटी कंसल्टेंट
• पुरुष और महिला बांझपन परीक्षण • आईवीएफ, आईयूआई, पीसीओएस, सोनोग्राफी, • सभी पैथोलॉजी परीक्षण (रक्त, मूत्र, मल और वीर्य विश्लेषण) • गर्भवती महिला एवं गर्भाशय की सोनोग्राफी (टीवीएस, डॉपलर 3डी, 4डी)
C-81, VIP Estate, Opposite Ashoka Ratan Gate No.2, Shankar Nagar, Raipur, Mob. 63549 65797, 95120 44488

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311 Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411 www.makeoverraipur.com त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

मोतियाबिंद आयुष्मान कार्ड सुविधा
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल

उपलब्ध विशेषताएं • लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ईरोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलबध OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ध पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग » बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड » बच्चों एवं बडों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल 24/7 Emergency Services
पैथोलॉजी लैब, मेडिकल एवं 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
ओपीडी 50% छूट
0771-3133896 +91 6264070071, 9893299953
पुरानी बस्ती थाना के सामने, कंकाली पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) nirakarmaltispecialityhospital@gamil.com

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

पाइल्स क्षारसूत्र विशेषज्ञ
राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक वेलनेस सेंटर
25 वर्षों का अनुभव
11000 से ऊपर सफल चिकित्सा
फाफाडीह / पंडरी, रायपुर, मो. 9039050422

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

तैयारी से सफलता तक
ALLEN रायपुर आपके साथ
JEE (Adv.) Result Highlights
AIR 86
IIT, Bombay
JEE (Adv.) 2024
Bhagyansh Sahu
AIR 155
IIT, Delhi
JEE (Adv.) 2023
Akhilesh Agrawal
AIR 179
IIT, Delhi
JEE (Adv.) 2025
Kinshuk Kedia
AIR 214
PwBD AIR-1
IIT, Bombay
JEE (Adv.) 2025
Harshal Gupta
AIR 259
IIT, Delhi
JEE (Adv.) 2025
Harsh Kumar
AIR 459
IIT, Delhi
JEE (Adv.) 2023
Viraj V. Lilhare
and many more...
NEET (UG) Result Highlights
AIR 450
AIIMS, Raipur
NEET (UG) 2024
Nilay Suchak
AIR 824
AIIMS, Jodhpur
NEET(UG) 2023
Saransh Patel
AIR 1084
IMS, BHU
NEET(UG) 2023
Purvi Jain
AIR 1159
AIIMS, Raipur
NEET (UG) 2024
Raghav Agrawal
AIR 1272
AIIMS, Patna
NEET (UG) 2025
Rishabh Agrawal
AIR 1805
AIIMS, Raipur
NEET(UG) 2023
Om Pardhi
and many more...
ALLEN Raipur Olympiad Results
4 Selections in Orientation Cum Selection Camp in IJSO Since 2022
211 Selections in Regional Mathematics Olympiads (RMO) Since 2022
60 Selections in Indian National Mathematics Olympiads (INMO) Since 2022
94 Selections in Indian National Olympiads (INO) Since 2022
ADMISSIONS OPEN
NEET | JEE | OLYMPIADS | CLASS 8th TO 12th & 12th PASS
CLASS 11th
Nurture Course
NEET : 23 March '26
IIT-JEE : 23 March '26
CLASS 12th
Enthusiast Course
NEET : 08 Jan. '26
IIT-JEE : 03 April '26
For NEET-UG
Enthusiast Course
(Target: Complete NEET Syllabus)
CLASS 8th to 10th
Pre-Nurture & Career Foundation
26 March '26
SPECIAL COURSE
Targeting Exclusive
JEE Main + Class 12th CBSE Board
8 JANUARY 2026
*Subject to T&Cs of scholarship, rewards and other fee benefits.
ASAT
SCHOLARSHIP TEST
Get up to
90% Scholarships*
TEST DATES
11 & 18 JAN. 2026
FESTIVE OFFER
For limited period
ASAT AT JUST ₹99 ₹500
SCAN TO REGISTER
Don't Miss Your
Special Fee Benefit*
TALLENTEX or ASAT winner receive a dual advantage: Scholarship* + SFB*
VALID TILL 20 JAN. 2026
ALLEN RAIPUR
89513 95440 allen.ac.in/raipur
Regd. & Corporate Office ALLEN KOTA 86906 60111 allen.ac.in
Disclaimer: We provide an academic ecosystem and environment for the students to prepare for their target examinations. Studying at a coaching institute does not guarantee selection in the examinations. Selection also depends on other factors like preparation, available admission seats in the competitive exam, and the number of applicants appearing. All the students mentioned are part of paid and full time classroom course.

तीन जनवरी को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अगुवाई में अमेरिकी सेना ने स्पेशल ऑपरेशन चलाया और वेनेजुएला के प्रेसिडेंट निकोलस मादुरो को पकड़ लिया। मादुरो और उनकी पत्नी को काराकास से उठाकर अमेरिका ले गए। अमेरिका का कहना है कि वह नारको-टेररिज्म के खिलाफ था, क्योंकि वेनेजुएला से ड्रग्स और गैंग्स अमेरिका में आ रहे हैं, जो हजारों अमेरिकियों की जान ले रहे हैं। ट्रंप ने तो साफ-साफ कहा कि अब वेनेजुएला का तेल और दौलत अमेरिका को मिलेगी। वेनेजुएला ऑपरेशन के बाद अब बर्फीले ग्रीनलैंड का मुद्दा गर्म हो गया है। ट्रंप खुलकर कह चुके हैं कि राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से हमें ग्रीनलैंड की जरूरत है, लेकिन सवाल यह है कि क्या अमेरिका को वास्तव में ग्रीनलैंड खरीदने या उसे अपने कब्जे में लेने की आवश्यकता है, ताकि ट्रंप के सभी लक्ष्य पूरे हो सकें? इस मुद्दे पर एक तरफ़ कई देश अमेरिका की ओर से की गई कार्रवाई की घोर आलोचना कर रहे हैं तो वहीं एक पक्ष ऐसा है, जो इसका समर्थन भी कर रहा है। दूसरी तरफ इस मुद्दे पर भारत ने कहा कि सभी पक्षों को तमाम मुद्दों का शांतिपूर्ण समाधान करना चाहिए, ताकि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनी रहे। शांति की चाहत रखने वाली दुनिया को आखिरकार अमेरिकी मनमर्जी पर कहीं न कहीं रोक तो लगानी ही होगी। इसी मुद्दे का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

ट्रंप के बयानों से ग्रीनलैंड में बढ़ी गर्मी

विश्लेषण
सेंट्रल डेस्क

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वेनेजुएला ऑपरेशन के बाद अब बर्फीले ग्रीनलैंड का मुद्दा गर्म हो गया है। ग्रीनलैंड में डेनमार्क की डॉग-स्लेज टीमों का मजाक उड़ाने के बाद ट्रंप ने यहां घूम रहे रहस्यमय चीनी और रूसी जहाजों को लेकर भी तंज कसा है। वह इस विचार पर आगे बढ़ते हुए दिख रहे हैं कि अमेरिका को इस विशाल बर्फीले द्वीप पर नियंत्रण कर लेना चाहिए। एक अधिकारी का कहना है कि राष्ट्रपति इसे खरीदना चाहते हैं और दूसरे ने सुझाव दिया कि अमेरिका इसे जबरन कब्जा भी सकता है। ट्रंप खुलकर कह चुके हैं कि राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से हमें ग्रीनलैंड की जरूरत है, लेकिन सवाल यह है कि क्या अमेरिका को वास्तव में ग्रीनलैंड खरीदने या उसे अपने कब्जे में लेने की आवश्यकता है ताकि ट्रंप के सभी लक्ष्य पूरे हो सकें?

कोल्ड वॉर के समय हुए एक समझौते के तहत अमेरिका को पहले से ही ग्रीनलैंड में व्यापक सैन्य पहुंच हासिल है। अमेरिका के पास द्वीप के एक बहुत ही दूरदराज हिस्से में एक बेस है। यह समझौता उसे पूरे ग्रीनलैंड में सैन्य अड्डे स्थापित और संचालित करने, कर्मचारियों को ठहराने और जहाजों, विमानों तथा जलयान के लैंडिंग, टेक-ऑफ, एंकरिंग, मूवमेंट और संचालन को नियंत्रित करने का अधिकार देता है। डेनमार्क ने 300 वर्षों से अधिक समय पहले ग्रीनलैंड को उपनिवेश बनाया था और आज भी इसके कुछ मामलों पर नियंत्रण रखता है। डेनिश इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल स्टडीज, कोपेनहेगन के शोधकर्ता मिकेल रुंगे ओलेसेन कहते हैं कि अमेरिका को ग्रीनलैंड में इतनी छूट है कि वह लगभग हर वह काम कर सकता है जो वह चाहता है। ग्रीनलैंड को खरीदना ट्रंप की नई योजना है। यह अलग बात है ग्रीनलैंड बिकना नहीं चाहता. विशेषकर अमेरिका को तो बिल्कुल नहीं। डेनमार्क के पास इसे बेचने का अधिकार भी नहीं है। उनके अनुसार यह असंभव है। अतीत में फैसला डेनमार्क करता था। 1946 में उसने ट्रूमैन प्रशासन का 10 करोड़ डॉलर (सोने में) का प्रस्ताव ठुकरा दिया था।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप खुलकर कह चुके हैं कि राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से हमें ग्रीनलैंड की जरूरत है, लेकिन सवाल यह है कि क्या अमेरिका को वास्तव में ग्रीनलैंड खरीदने या उसे अपने कब्जे में लेने की आवश्यकता है ताकि ट्रंप के सभी लक्ष्य पूरे हो सकें? कोल्ड वॉर के समय हुए एक समझौते के तहत अमेरिका को पहले से ही ग्रीनलैंड में व्यापक सैन्य पहुंच हासिल है। अमेरिका के पास द्वीप के एक बहुत ही दूरदराज हिस्से में एक बेस है। यदि ट्रंप वास्तव में ग्रीनलैंड की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं तो वह अब भी समझौते के ढांचे का उपयोग कर सकते हैं।

जनमत संग्रह का हक

आज परिस्थितियां अलग हैं। ग्रीनलैंडवासियों के पास अब स्वतंत्रता पर जनमत संग्रह कराने का अधिकार है और डेनमार्क ने कहा है कि द्वीप के 57,000 निवासियों पर उनका भविष्य निर्भर करता है। पिछले वर्ष हुए एक सर्वेक्षण में 85% निवासियों ने अमेरिकी नियंत्रण के विचार का विरोध किया था। ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेंस-फ्रेडरिक नील्सन ने कहा कि हमारा देश बिक्री के लिए नहीं है। अमेरिका और डेनमार्क के बीच रक्षा समझौता 2004 में अपडेट किया गया, ताकि ग्रीनलैंड की अर्ध-स्वायत्त सरकार को भी उसमें शामिल किया जा सके और स्थानीय आबादी पर पड़ने वाले प्रभाव पर उसे राय देने का अधिकार मिले। इसकी जड़ें द्वितीय विश्व युद्ध के समय के सहयोग में हैं। तब डेनमार्क पर नाजियों का कब्जा था।

वाशिंगटन में उसके दूतावास ने कोपेनहेगन से संपर्क टूटने पर स्वयं ही अमेरिका के साथ ग्रीनलैंड के लिए रक्षा समझौता किया। डर था कि नाजी ग्रीनलैंड को अमेरिका पर हमला करने के लिए एक लॉन्चिंग पैड की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं। अंततः अमेरिकी सैनिकों ने उन्हें बाहर निकाला और वहां दर्जनों ठिकाने स्थापित किए, रनवे बनाए और हजारों सैनिक तैनात किए। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद भी अमेरिका कई बेस और शुरुआती चेतावनी रडार साइटें चलाता रहा। शीत युद्ध के अंत में उसने सभी को बंद कर दिया सिवाय एक के। अब इसे पिटुफिक स्पेस बेस कहा जाता है और यह उत्तरी ध्रुव के ऊपर से गुजरने वाली मिसाइलों पर नजर रखता है।

एक नजर

1721	डेनमार्क ने ग्रीनलैंड को उपनिवेश बनाया
1916	: अमेरिका ने यहां डेनमार्क की संप्रभुता को औपचारिक मंजूरी दी
1951	अमेरिका और डेनमार्क के बीच समझौता हुआ
1979	ग्रीनलैंड को स्वायत्त शासन की अनुमति मिली
2004	अमेरिका व डेनमार्क ने ग्रीनलैंड समझौते को संशोधित किया

क्या अगला कदम ग्रीनलैंड है?

पिछले सप्ताह अमेरिकी विशेष बलों द्वारा वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को उनके सुरक्षित ठिकाने से पकड़ने के बाद ट्रंप और भी उत्साहित दिख रहे हैं। उनके शीर्ष सलाहकार स्टीफन मिलर ने दावा किया कि ग्रीनलैंड संयुक्त राज्य का होना चाहिए और कोई भी अमेरिका से लड़ने नहीं आएगा। डेनमार्क और ग्रीनलैंड के नेताओं ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से मिलने का अनुरोध किया है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि यह बैठक कब होगी या नहीं भी होगी। ट्रंप और डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेते फ्रेडरिक्सन के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है। ट्रंप ग्रीनलैंड को पाने की बात करते रहते हैं और फ्रेडरिक्सन झुकने से इनकार कर रही हैं। कुछ दिन पहले फ्रेडरिक्सन ने 1951 के समझौते का हवाला देते हुए कहा कि हमारे पास पहले से ही एक रक्षा समझौता है, जो अमेरिका को ग्रीनलैंड में व्यापक पहुंच देता है। उन्होंने अमेरिका से धमकियां बंद करने का आग्रह किया और कहा कि ग्रीनलैंड पर अमेरिकी हमला अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का अंत होगा। अब यदि अमेरिका इस रक्षा समझौते का बहाना बनाकर भारी संख्या में सैनिक भेजने या ग्रीनलैंड पर कब्ज़ा करने की कोशिश करे तो वह भी गैरकानूनी होगा।

ग्रीनलैंड डेनिश का हिस्सा

2004 के संशोधन के अनुसार अमेरिका को ग्रीनलैंड में अपनी सैन्य गतिविधियों में किसी भी महत्वपूर्ण बदलाव से पहले डेनमार्क और ग्रीनलैंड से परामर्श करना होगा। तत्कालीन अमेरिकी विदेश मंत्री कॉलिन पॉवेल द्वारा हस्ताक्षरित यह समझौता ग्रीनलैंड को डेनमार्क के साम्राज्य का समान हिस्सा मानता है। डेनिश रक्षा विश्लेषक पीटर एर्स्टवेड रासमुसेन कहते हैं कि व्यावहारिक रूप से यदि अमेरिका उचित अनुरोध करता है तो उसे हमेशा हां ही मिलती है। यदि ट्रंप वास्तव में ग्रीनलैंड की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं तो वह अब भी समझौते के ढांचे का उपयोग कर सकते हैं।

ट्रंप की रुचि खनिजों में भी

ग्रीनलैंड की रणनीतिक स्थिति ही उन्हें आकर्षित नहीं कर रही। इस विशाल द्वीप का एक और बड़ा आकर्षण है महत्वपूर्ण खनिज, जो बर्फ के नीचे विशाल मात्रा में दबे हुए हैं। विश्लेषकों का कहना है कि इन्हें पाने के लिए भी अमेरिका को ग्रीनलैंड पर अधिकार करने की आवश्यकता नहीं है। ग्रीनलैंडवासियों ने कहा है कि वे कारोबार के लिए तैयार हैं।

अमेरिकी कार्रवाई पर भारत की चुप्पी क्यों

मुद्दा
रवि शंकर
स्वतंत्र पत्रकार

वेनेजुएला में राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी को लेकर अमेरिका की कार्रवाई ने वैश्विक राजनीति को दो ध्रुवों में बांट दिया है। एक तरफ़ कई देश ऐसे रहे, जो अमेरिका की ओर से की गई कार्रवाई की घोर आलोचना कर रहे हैं, तो वहीं एक पक्ष ऐसा है, जो इसका समर्थन कर रहा है। मगर भारत दोनों में से किसी खेमे में नहीं है। भारत ने वेनेजुएला के घटनाक्रम पर जरूर चिंता व्यक्त की है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा है कि भारत, वेनेजुएला की स्थिति पर पैनी नजर बनाए हुए है। भारत ने कहा है कि सभी पक्षों को तमाम मुद्दों का शांतिपूर्ण समाधान करना चाहिए ताकि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनी रहे। साफ है, भारत के बयान में किसी का विरोध या समर्थन जैसा भाव नहीं है। मलेशिया और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों ने हमले पर खुलकर वेनेजुएला के प्रति एकजुटता दिखाई और अमेरिकी कार्रवाई का कड़े शब्दों में विरोध किया। सवाल यह है कि ग्लोबल साउथ का नेतृत्व करने का दावा करने वाला भारत इस मुद्दे पर अब तक मुखर क्यों नहीं हुआ? इस बात की संभावना कम ही दिख रही है कि भारत खुलकर वेनेजुएला का विरोध करेगा, लेकिन सत्ता परिवर्तन के लिए सैन्य दबाव का भी समर्थन नहीं करेगा। यह वही संतुलन है जो भारत अभी तक रूस-यूक्रेन युद्ध, ईरान-अमेरिका तनाव, इजराइल-फिलस्तीन संघर्ष में अपनाता आया है। भारत के किसी एक गुट के साथ न दिखने की ये नीति हाल की नहीं है। भारत की तटस्थता की जड़ें उसकी गुटनिरपेक्ष नीति में हैं, जिसकी नींव जवाहरलाल नेहरू ने रखी थी। उसके बाद की जितनी सरकारें आईं, सबने इस नीति का पालन अपने-अपने हिसाब से किया है। नेहरू का मानना था कि निंदा से ज़्यादा ज़रूरी है संवाद और समाधान। यही कारण है कि 1956 के हंगरी संकट से लेकर 2003 के इराक़ युद्ध और 2022 के यूक्रेन युद्ध तक, भारत ने अक्सर सार्वजनिक निंदा से दूरी बनाए रखी। यह नीति भारत को उन स्थितियों में लचीलापन देती है, जहां उसके साझेदार आपस में टकराव में हों। वेनेजुएला के मामले में भी भारत उसी ऐतिहासिक निरंतरता का पालन करता दिख रहा है। हालांकि, भारत की चुप्पी की एक वजह और भी है। दरअसल, भारत और अमेरिका के बीच इस समय द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर बातचीत चल रही है। यह बातचीत ऐसे समय में हो रही है, जब डोनाल्ड ट्रंप का अमेरिका पहले ही भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा चुका है। इसमें रूस से तेल खरीदने को लेकर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त जुर्माना भी शामिल है। भारत का मानना है कि इस मामले में उसे अलग तरह से निशाना बनाया गया, क्योंकि चीन और यूरोप भी रूस से तेल खरीदते रहे हैं, लेकिन उन पर वैसी कार्रवाई नहीं हुई। ऐसे में वेनेजुएला मुद्दे पर भारत के लिए अमेरिका के खिलाफ खुलकर बोलना आसान नहीं है।

बहरहाल, लैटिन अमेरिका के देश वेनेजुएला में अमेरिका के हमलों ने सिर्फ़ क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक कूटनीति को भी चिंता में डाल दिया है। इस संकट का असर उन देशों पर भी पड़ेगा, जिनके वेनेजुएला से रणनीतिक रिश्ते रहे हैं। तेल और व्यापार इसमें अहम है। अब सवाल यह है कि अगर अमेरिका-वेनेजुएला टकराव लंबा और हिंसक होता है तो भारत-वेनेजुएला संबंधों पर इसका क्या असर पड़ेगा? आर्थिक नजरिए से देखें तो भारत और वेनेजुएला के रिश्ते अब बहुत बड़े नहीं रह गए हैं। हालांकि, एक समय ऐसा था जब वेनेजुएला भारत के लिए तेल का बड़ा स्रोत था। भारत लंबे समय तक वेनेजुएला से कच्चा तेल आयात करता रहा है। अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद भारत ने आधिकारिक रूप से तेल आयात काफी हद तक घटा दिया, लेकिन ऊर्जा साझेदारी पूरी तरह खत्म नहीं हुई। दरअसल, भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात से पूरा करता है। भारत और वेनेजुएला के राजनीतिक संबंधों का सबसे मजबूत दौर 2005 में देखा गया, जब राष्ट्रपति ह्यूगो शावेज भारत आए और तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से बातचीत हुई। इसके बाद 2012 में निकोलस मादुरो, तब वेनेजुएला के विदेश मंत्री के रूप में, भारत आए थे। शावेज के निधन के बाद भी भारत ने शोक संदेश दिया और उनके अंतिम संस्कार में प्रतिनिधि भेजा। संभावना यही है कि भारत जल्दबाजी में कोई प्रतिक्रिया जाहिर किए बिना सही समय पर कूटनीतिक भाषा में अपनी चिंता जाहिर करेगा, ताकि न तो अमेरिका के साथ रिश्ते बिगड़े और न ही सिद्धांतों के मोर्चे पर उसकी स्थिति कमजोर हो।

सवाल यह है कि ग्लोबल साउथ का नेतृत्व करने का दावा करने वाला भारत इस मुद्दे पर अब तक मुखर क्यों नहीं हुआ? इस बात की संभावना कम ही दिख रही है कि भारत खुलकर वेनेजुएला का विरोध करेगा, लेकिन सत्ता परिवर्तन के लिए सैन्य दबाव का भी समर्थन नहीं करेगा।

अमेरिकी मनमर्जी को रोकने के लिए विश्व एकजुट हो

रणनीति
उमेश चतुर्वेदी
स्वतंत्र पत्रकार

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप ने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा है, "सिर्फ मेरा दिमाग ही मुझे रोक सकता है। मेरी अपनी नैतिकता और अपना दिमाग। यहीवे चीजें हैं, जो मुझे रोक सकती हैं। मुझे अंतरराष्ट्रीय कानून की परवाह नहीं है और न ही इसकी ज़रूरत।" तीन जनवरी को वेनेजुएला में की गई अमेरिकी कार्रवाई के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में ट्रंप का इन शब्दों का प्रयोग करना दुनिया के लिए निश्चित तौर पर डरावना है। ट्रंप और उनकी सोच पारंपरिक लोकतांत्रिक मुखौटाबाज राजनीति से अलग है, लिहाजा वे खुलकर ऐसा कह रहे हैं। सुपर पावर के रूप में स्थापित होने के बाद से ही अमेरिका की सोच और कार्यशैली ऐसी रही है। अफगानिस्तान में अमेरिकी कार्रवाई हो, खाड़ी युद्ध हो, सूडान स्थित अमेरिकी दूतावास पर आतंकी हमले के बाद अमेरिकी कार्रवाई हो, वियतनाम का युद्ध हो, ईरान पर कार्रवाई हो, हर जगह अमेरिका अपने हितों की रक्षा के लिए कार्रवाई करता रहा है। बेशक उसे कई बार मुंह की खानी पड़ी है।

हाल ही में ट्रंप के पूर्व राष्ट्रपति रहे डेमोक्रेटिक पार्टी के जो बाइडन की सेनाएं अफगानिस्तान छोड़कर भाग खड़ी हुईं। वियतनाम का युद्ध लंबा चला था। इसे शुरू किया था डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी ने और जब अमेरिका वियतनाम युद्ध में फंसता नजर आया तो रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति रहे रिचर्ड निक्सन ने सेनाओं की वापसी कराई। कुवैत पर जब इराकी तानाशाह सद्दाम हुसैन ने हमला किया, तब जार्ज बुश सीनियर राष्ट्रपति थे। अमेरिका में एक धारणा रही है कि कुवैत पर कब्जे की कार्रवाई इराकी राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन ने अमेरिकी इशारे पर ही की थी। लेकिन जब मामला उल्टा पड़ गया तो जॉर्ज बुश सीनियर ने संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्तावों की आड़ में ब्रिटेन, फ्रांस जैसे देशों के साथ गठबंधन करके सैनिक कार्रवाई शुरू की। 1990 में अमेरिकी कार्रवाई के चलते इराकी गार्ड को कुवैत को खाली करना पड़ा। इसके बाद इराक अमेरिका का कट्टर दुश्मन बन गया। लंबे समय तक चले ईरान-इराक युद्ध के पीछे भी अमेरिकी हित काम कर रहे थे। तब दुनिया दो ध्रुवीय थी। एक तरफ सोवियत संघ की अगुआई में विश्व का एक बड़ा हिस्सा काम कर रहा था तो दूसरी ओर अमेरिकी के साथ नाटो देश सक्रिय थे।

इस संदर्भ में देखें तो अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का यह कहना कि उनकी अपनी नैतिकता ही उन्हें किसी भी कार्रवाई से रोक सकती है। ट्रंप ने यहां तक कहा है कि जहां उन्हें लगेगा कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय कानून मानना चाहिए, वहां तो उसे वे मान लेंगे और जहां नहीं लगेगा, वहां नहीं मानेंगे। अमेरिकी दादागिरी के इतिहास में ट्रंप का यह बयान दुनिया की सोच से आगे है। चीन, ब्राजील और भारत के खिलाफ वे टैरिफ युद्ध चला ही रहे हैं, रूस से तेल खरीदने के आरोप की आड़ में वे तीनों देशों पर अब 25 प्रतिशत की बजाय पांच सौ प्रतिशत टैरिफ थोपने की धमकी दे रहे हैं। ट्रंप की फितरत को देखते हुए उनसे कोई सकारात्मक उम्मीद रखना बेमानी ही है। भारत-पाकिस्तान संघर्ष को रुकवाने को लेकर उनका कल्पित दावा हो या फिर ग्रीनलैंड, कोलंबिया, ईरान, मैक्सिको और क्यूबा को लेकर दी गई धमकी, सभी अमेरिकी दादागिरी का ही उदाहरण हैं। ट्रंप पहले ही कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की बात कर चुके हैं और इस तरह अपने पड़ोसियों और यूरोप के अपने पारंपरिक सहयोगियो को ना सिर्फ आशंकित, बल्कि नाराज भी कर चुके हैं। अमेरिकी दादागिरी पूरी दुनिया देखती और समझती रही है। एक साथ इतने मोर्चे खोल देने की ट्रंप की नीति के खिलाफ अमेरिका में ही आवाजें उठने लगी हैं। ट्रंप की मनमानी नहीं रुकी, अमेरिकी दादागिरी का ऐसा ही दौर उन्होंने जारी रखा तो आने वाले दिन दुनिया के लिए भले ही चुनौतीपूर्ण होंगे,अमेरिका भी कई तरह की चुनौतियों और वैश्विक प्रतिरोध को झेलने के लिए अभिशप्त हो जाएगा। शांति की चाहत रखने वाली दुनिया को अमेरिकी मनमर्जी पर कहीं न कहीं रोक तो लगानी ही होगी।

ट्रंप का यह कहना कि उनकी अपनी नैतिकता ही उन्हें किसी भी कार्वाई से रोक सकती है। जहां उन्हें लगेगा कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय कानून मानना चाहिए, वहां उसे वे मान लेंगे और जहां नहीं लगेगा, वहां नहीं मानेंगे।

वेनेजुएला मामले में रूस-चीन की सिर्फ बातें, कोई एक्शन नहीं

कूटनीति
विवेक शुक्ला
वरिष्ठ स्तंभकार

बीती 3 जनवरी को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अगुवाई में अमेरिकी सेना ने एक स्पेशल ऑपरेशन चलाया और वेनेजुएला के प्रेसिडेंट निकोलस मादुरो को पकड़ लिया। मादुरो और उनकी पत्नी को काराकस से उठाकर अमेरिका ले गए। अमेरिका का कहना है कि वह नारको-टेररिज्म के खिलाफ था, क्योंकि वेनेजुएला से ड्रग्स और गैंग्स अमेरिका में आ रहे हैं, जो हजारों अमेरिकियों की जान ले रहे हैं। ट्रंप ने तो साफ-साफ कहा कि अब वेनेजुएला का तेल और दौलत अमेरिका को मिलेगी। ये एक तरह से सैन्य हमला था, जिसमें कुछ मौतें भी हुईं, और अब अमेरिका वहां तेल टैंकरों पर कब्जा कर रहा है। पूरी दुनिया में हंगामा मच गया, लेकिन रूस और चीन ने बस सांकेतिक निंदा की। ज्यादा कुछ किया नहीं। अब सवाल ये है कि इतने बड़े मसले पर ये दोनों सुपरपावर इतने हल्के क्यों रहे? इसके पीछे क्या कारण हो सकते हैं? सबसे पहले तो ये समझ लें कि रूस और चीन, दोनों ही वेनेजुएला के पुराने दोस्त हैं। मादुरो की सरकार को उन्होंने हमेशा सपोर्ट किया है। रूस ने तो वेनेजुएला में अरबों डॉलर का निवेश किया है, खासकर तेल और हथियारों में। चीन का भी वहां बड़ा खेल है। उसने उसे करीब 10-12 बिलियन डॉलर का कर्ज दिया है, और उससे तेल आयात करता है। जब अमेरिका ने हमला किया तो रूस ने यूएन सिक्योरिटी काउंसिल में कहा कि ये अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है, आक्रामकता है। चीन ने भी कहा कि वो सदमे में हैं। चीन ने मादुरो को फौरन रिलीज करने की मांग भी की। ईरान, क्यूबा, साउथ अफ्रीका जैसे देशों ने भी निंदा की। नोटिस करें, ये सब बस बातें हैं – कोई सैन्य मदद नहीं, कोई बड़ा एक्शन नहीं, कोई जंग की धमकी नहीं। असली कारण क्या हैं? चलो, एक-एक करके देखते हैं।

रूस और चीन के लिए ये एक मौका है दुनिया को दिखाने का कि अमेरिका हाइपोक्राइट है। वेनेजुएला का मामला दिखाता है कि दुनिया बदल रही है, लेकिन अमेरिका अभी भी बॉस है।

कमजोरियां और व्यस्तताएं : रूस तो अभी यूक्रेन युद्ध में फंसा हुआ है। जंग 2022 से चल रही है। जंग के कारण रूस की अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव है। अगर वो वेनेजुएला में कूदता, तो अमेरिका के साथ सीधा टकराव होने का खतरा है। वो अपना यूरोपियन फ्रंट संभाल रहा है, जहां यूक्रेन के जरिए नाटो से लड़ रहा है। वेनेजुएला दूर है, लॉजिस्टिक्स मुश्किल है। वहीं, चीन साउथ चाइना सी और ताइवान पर फोकस्ड है। अमेरिका के साथ ट्रेड वॉर चल रहा है, इकोनॉमी स्लो हो रही है। विश्लेषकों का कहना है कि चीन अपने को कूटनीतिक विरोध जताने तक ही सीमित रखेगा।

आर्थिक हित : दोनों देशों के पास वेनेजुएला में निवेश हैं। चीन का तेल आयात वेनेजुएला से है, लेकिन वो सऊदी अरब, रूस और अन्य जगहों से भी लेता है। अगर अमेरिका वेनेजुएला का तेल कंट्रोल करता है, तो चीन को नुकसान होगा, लेकिन वो नए विकल्प ढूंढ लेगा। रूस भी वेनेजुएला को हथियार बेचता है, लेकिन उसकी मुख्य कमाई यूरोप और एशिया से है। अब अगर वो ज्यादा विरोध करता है,तो अमेरिका उनके निवेशों को टारगेट कर सकता था।

वैश्विक रणनीति : दोनों देश अमेरिका को चैलेंज करना चाहते हैं स्मार्ट तरीके से। वो अमेरिका की डॉलर डोमिनेंस को कम करना चाहते हैं,लेकिन सीधी जंग से नहीं। अगर एक्शन लेते हैं, तो तीसरे विश्व युद्ध का खतरा बढ़ सकता है। रूस और चीन जानते हैं कि अमेरिका की आर्मी अभी सबसे मजबूत है

इंटरनेशनल लॉ : यूएन में निंदा करके वो दिखा रहे हैं कि अमेरिका बिगडैल देश है, अंतरराष्ट्रीय कानून तोड़ रहा है। रूस और चीन के लिए ये एक मौका है दुनिया को दिखाने का कि अमेरिका हाइपोक्राइट है। वेनेजुएला का मामला दिखाता है कि दुनिया बदल रही है, लेकिन अमेरिका अभी भी बॉस है। अब देखना ये है कि आगे क्या होता है – क्या मादुरो रिलीज होगा, या अमेरिका वहां स्थायी अड्डा बना लेगा?

अकूत तेल की अतृप्त ललक में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

दृष्टिकोण
प्रभात कुमार रॉय
विदेशी मामलों के जानकार

विश्व पटल पर यक्ष प्रश्न उभर कर आया है कि आखिरकार अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर वेनेजुएला पर सैन्य आक्रमण अंजाम देने और उसके राष्ट्रपति निकोलस मादुरो का अपहरण करने के पीछे वास्तविक मकसद क्या है? क्या वास्तव में ड्रग तस्करों के सरगना होने के संगीन इल्जाम में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो का अमेरिका द्वारा अपहरण किया गया है? अथवा इसके पीछे क्या अन्य विशिष्ट कारण विद्यमान रहे हैं? तकरीबन साढ़े तीन करोड़ आबादी वाले वेनेजुएला में भारी तेल के अकूत भंडार मौजूद हैं। तेल संपदा के अतिरिक्त रेयर मिनरल्स का भी विराट भंडार वेनेजुएला में विद्यमान है, जिसमें कॉपर, चांदी, सोना, आदि शामिल हैं। वेनेजुएला का तेल वस्तुत भारी किस्म का तेल माना जाता है। अमेरिका की सरजमीं में जो तेल विद्यमान है, वह तो बहुत हल्के किस्म का तेल है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अंतरराष्ट्रीय कानून का घनघोर उल्लंघन करते हुए एक संप्रभु राष्ट्र वेनेजुएला के निर्वाचित राष्ट्रपति निकोलस मादुरो का आक्रामक तौर पर अपहरण अंजाम दिया गया।

वेनेजुएला में अमेरिकन तेल कंपनियों ने बड़े पैमाने पर पूंजी निवेश किया और वेनेजुएला के तेल भंडारों से तेल का बड़ी मात्रा में दोहन भी किया। 1976 को कार्लोस आंद्रेस पेरेज नामक राष्ट्रपति वेनेजुएला में सत्तानशीन हुआ, जिसके द्वारा तेल उद्योग का राष्ट्रीयकरण कर दिया गया। इसके बावजूद अनेक अमेरिकन तेल कंपनियां वेनेजुएला में तेल का दोहन निरंतर करती रहीं। 1999 ह्यूगो शावेज नामक एक साम्यवादी फितरत का राष्ट्रपति वेनेजुएला की राजसत्ता पर आसीन हुआ और उसके द्वारा अमेरिकन तेल कंपनियां को वेनेजुएला से निकाल बाहर किया गया। राष्ट्रपति ह्यूगो शावेज की अत्यधिक निकटता साम्यवादी क्यूबा और चीन जैसे वामपंथी मुल्कों के साथ अत्यंत घनिष्ठता के साथ स्थापित हो गई। 2013 में ह्यूगो शावेज की मृत्यु हो गई और उसके उत्तराधिकारी के तौर पर निकोलस मादुरो वेनेजुएला के राष्ट्रपति पद पर आसीन हुए। राष्ट्रपति निकोलस मादुरो द्वारा भी ह्यूगो शावेज की कठोर वामपंथी नीतियों का बाकायदा अनुसरण जारी रखा गया। साम्यवादी क्यूबा की तरह वेनेजुएला भी अमेरिका की आंखों का विकट कांटा बन गया और वेनेजुएला पर भी अमेरिकन हुकूमत द्वारा कड़े आर्थिक प्रतिबंध आयद कर दिए गए। अमेरिका व्यावहारिक तौर पर समस्त लैटिन अमेरिका को अपने प्रभाव क्षेत्र वाला गलियारा मानता है। आज के दौर में राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा वेनेजुएला में सैन्य दखल दोते हुए साम्राज्यवाद विरोधी मुनरो डॉक्ट्रिन का हवाला दिया जाना, वस्तुत नव- साम्राज्यवादी व्यवहार करते हुए एक विद्रुपता के अलावा कुछ भी नहीं है। वेनेजुएला पर आक्रमण के पीछे वस्तुतः एक टायकून बिजनेसमैन की पृष्ठभूमि से दूसरी दफा अमेरिका के राष्ट्रपति पद पर आसीन हुए डोनाल्ड ट्रंप का वास्तविक मकसद वेनेजुएला के अकूत तेल भंडार को सैन्य शक्ति के बल पर हथियाना है। राष्ट्रपति ट्रंप की सोच समझ में दूरदर्शी राजनीति निहित नहीं है ना ही कुशल कूटनीति निहित है, डोनाल्ड ट्रंप की नीति और नियत में अमेरिका के लिए केवल दौलत का लोभ लालच निहित रहता है। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा बुलंद किए गए अमेरिका ग्रेट अगेन निर्मित करने के मकसद के पीछे केवल अमेरिका को और अधिक दौलतमंद बनाना है।

राष्ट्रपति ट्रंप की सोच में दूरदर्शी राजनीति या कूटनीति निहित नहीं है, उनकी नीति और नियत में अमेरिका के लिए केवल दौलत का लोभ लालच निहित रहता है।

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के अपहरण के पश्चात उपराष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज वेनेजुएला के राष्ट्रपति पद की शपथ ली है। वेनेजुएला की संसद में डेल्सी रोड्रिगेज ने कहा है कि हम ऊर्जा क्षेत्र की महाशक्ति हैं। इसी कारण से हमको बहुत सारी समस्याओं का सामना करना है। सारी दुनिया जानती है कि अमेरिका का ऊर्जा लालच हमारे देश के संसाधनों पर कब्जा करना चाहता है। वेनेजुएला की हुकूमत पर मादक पदार्थ तस्करी और लोकतंत्र मानव अधिकार से जुड़े हुए सभी झूठे दावों का उन्होंने खंडन किया। वेनेजुएला ऐसे तमाम ऊर्जा संबंधों के लिए खुला है, जहां सभी पक्षों को फायदा हो और यही हमारे ऊर्जा संबंधों की विविधता भी है।

डोनाल्ड ट्रंप का आर्थिक लोभ लालच आखिरकार अमेरिका के लिए खतरनाक भी सिद्ध हो सकता है। डोनाल्ड ट्रंप ने जब कोलंबिया के वामपंथी राष्ट्रपति गुस्ताव पेट्रो को भी परिणाम भुगतने की चेतावनी दी तो फिर गुस्ताव पेट्रो ने पलटवार करते हुए कहा कि अमेरिकन राष्ट्रपति को जान लेना चाहिए कि लैटिन अमेरिका साम्राज्यवाद के विरुद्ध बहुत लंबी लड़ाई लड़कर आजाद हुआ है। लैटिन अमेरिकन देश अमेरिकन नव साम्राज्यवाद के विरुद्ध भी छापामार युद्ध के लिए मजबूर हो जाएंगे।

सत्यमेव जयते
गुजरात सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री भूपेन्द्रभाई पटेल
माननीय मुख्यमंत्री, गुजरात

Vibrant GUJARAT REGIONAL CONFERENCES
Regional Aspirations, Global Ambitions

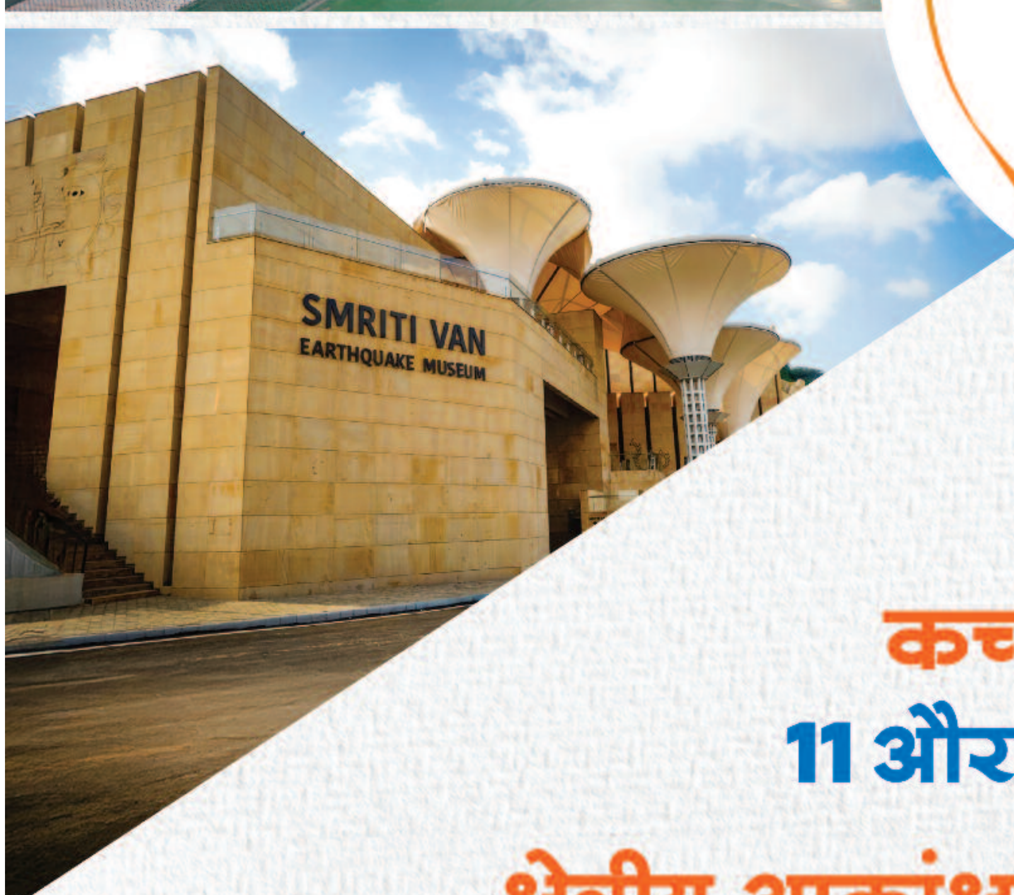

कच्छ और सौराष्ट्र

11 और 12 जनवरी, 2026

क्षेत्रीय आकांक्षाएँ, वैश्विक महत्वाकांक्षाएँ

प्रमुख क्षेत्र

- सिरेमिक्स
- MSMEs
- इंजीनियरिंग
- स्टार्टअप्स
- मिनरल्स
- पेट्रोकेमिकल्स
- फ़िशरीज़
- टेक्सटाइल
- पोर्ट्स और लॉजिस्टिक्स
- कौशल विकास
- पर्यटन और संस्कृति
- कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण
- ग्रीन एनर्जी इकोसिस्टम
- मशिनरी और इक्विपमेन्ट
- ब्लू इकोनॉमी

सम्मेलन की मुख्य विशेषताएँ

- उद्घाटन समारोह
- क्षेत्र-विशिष्ट सेमिनार
- कंट्री सेमिनार
- पैनल डिस्कशन्स
- सीईओ राउन्ड टेबल सम्मेलन
- स्टार्टअप सम्मान समारोह
- B2B / B2G मीटिंग्स
- विशेष दौरे
- औद्योगिक दौरे
- क्षेत्रीय MSME सम्मेलन
- क्षेत्रीय पुरस्कार (MSMEs/आर्टिज़न)
- ट्रेड शो/प्रदर्शनी
- रिवर्स बायर-सेलर मीटिंग
- उद्यमी मेला
- विक्रेता विकास कार्यक्रम
- सांस्कृतिक कार्यक्रम
- समापन सत्र

वाइब्रेंट गुजरात रीजनल एक्ज़ीबिशन

11 से 15 जनवरी, 2026 | सुबह 10:00 बजे से शाम 5:30 बजे तक

माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
द्वारा शुभारंभ

गरिमामय उपस्थिति
श्री भूपेन्द्रभाई पटेल
माननीय मुख्यमंत्री, गुजरात
श्री हर्ष संघवी
माननीय उपमुख्यमंत्री, गुजरात

11 जनवरी, 2026, रविवार | 12:30 बजे | मारवाड़ी युनिवर्सिटी, राजकोट, गुजरात

"वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस से गुजरात के औद्योगिक उत्कर्ष की नई दिशा खुलेगी।"
- श्री हर्ष संघवी, माननीय उपमुख्यमंत्री, गुजरात

भागीदार देश: Japan, Rwanda, South Korea, Ukraine

सीधा प्रसारण: CMOGuj CMOGuj CMOGujarat CMOGujarat vibrantgujarat vibrantgujarat vibrant_gujarat vibrantgujarat

वेबसाइट के लिए स्कैन करें
कार्यक्रम स्थल तक पहुँचने के लिए स्कैन करें

भागीदार संस्थाएँ: icbc Indo Canadian Business Chamber, JETRO Japan External Trade Organization, US-INDIA, U.S.-India Business Council, THE WORLD BANK IBRD · IDA | WORLD BANK GROUP, ACMA, IACC Indo-American Chamber of Commerce, UIBC, kotra Korea Trade-Investment Promotion Agency, FEBI, AMCHAM INDIA

पिछला साल भारतीय कला, साहित्य व संस्कृति के लिए बहुत महत्वपूर्ण और उत्साहवर्धक रहा। साल के शुरुआत में यूनेस्को ने भारत के दो प्राचीन ग्रंथों 'श्रीमद्भगवद्गीता' और 'नाट्यशास्त्र' को मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल किया, जोकि भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को वैश्विक पहचान व मान्यता देता है। वहीं साल के अंतिम महीने में यूनेस्को ने भारत के प्रमुख पर्व दीपावली को अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल किया। ये उपलब्धियां भारत की कला, आध्यात्मिक व सांस्कृतिक विरासत को विश्व में एक विशेष स्थान व मान्यता प्रदान करती हैं। कला-संस्कृति से जुड़े दिग्गज, बता रहे हैं वे इस उपलब्धि को किस तरह देखते हैं?

भारतीय सांस्कृतिक विरासत को मिली वैश्विक पहचान

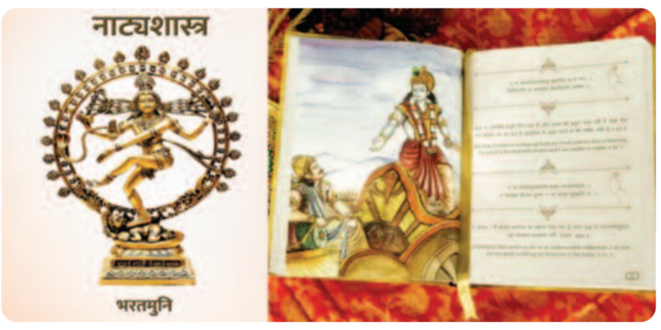

{ आवरण कथा }

यह देश के लिए सांस्कृतिक पुनर्जागरण का ऐतिहासिक क्षण है

डॉ. संध्या पुरेचा अध्यक्ष-संगीत नाटक अकादमी

यूनेस्को द्वारा प्राचीन ग्रंथों 'नाट्यशास्त्र' और 'श्रीमद्भगवद्गीता' का पंजीकरण तथा दीपावली का भारत की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में घोषित होना, भारत के लिए अत्यंत गौरव, आत्म-सम्मान के साथ ही सांस्कृतिक पुनर्जागरण का ऐतिहासिक क्षण है। यह केवल अंतरराष्ट्रीय मान्यता नहीं बल्कि भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा, दार्शनिक दृष्टि और जीवन मूल्यों की वैश्विक स्वीकृति है।

'नाट्यशास्त्र' भारतीय कलाओं की आत्मा है। यह रंगमंच, नृत्य और संगीत का शास्त्र होने के साथ-साथ मानव भावनाओं, रस अभिव्यक्ति और सौंदर्यबोध का वैज्ञानिक और सार्वकालिक ग्रंथ है। वहीं 'श्रीमद्भगवद्गीता' कर्म, धर्म, भक्ति और ज्ञान के माध्यम से मानव जीवन के लिए एक सार्वभौमिक दर्शन प्रस्तुत करती है। इन दोनों ग्रंथों को यूनेस्को में स्थान मिलना यह सिद्ध करता है कि भारतीय ज्ञान परंपरा आज भी संपूर्ण मानवता के लिए प्रासंगिक और मार्गदर्शक है। दीपावली का अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में मान्यता पाना भारत की लोक-आस्थाओं और सांस्कृतिक चेतना की वैश्विक स्वीकृति है। यह पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि सामाजिक एकता, नैतिक मूल्यों, आशा और सद्भाव का उत्सव है, जो संपूर्ण राष्ट्र को एक सूत्र में बांधता है और मानवता को सकारात्मक ऊर्जा का संदेश देता है। इन उपलब्धियों का भारत की सांस्कृतिक कूटनीति, कला, शिक्षा, अनुसंधान, पर्यटन तथा परंपरागत ज्ञान के संरक्षण और संवर्धन पर दूरगामी प्रभाव होगा। इससे हमारी युवा पीढ़ी अपनी जड़ों से जुड़ने के साथ-साथ भारतीय संस्कृति के वैश्विक महत्व को भी समझ सकेगी। संगीत नाटक अकादमी भी इस दिशा में सतत प्रयास करेगी कि हमारी परंपराएं जीवंत बनी रहें, अगली पीढ़ियों तक पहुंचे और वैश्विक मंच पर गरिमापूर्ण ढंग से प्रस्तुत हों। *

भारतवासियों के लिए विश्वस्तर की यह बड़ी उपलब्धि है

रोहित त्रिपाठी अभिनेता-निर्देशक, अध्यक्ष-अपस्टेज आर्ट ग्रुप

नाट्यशास्त्र को यूनेस्को मेमोरी ऑफ वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल करना दर्शाता है कि हमारा नाट्यशास्त्र प्राचीन नाट्यमंच पद्धति है। पूरे विश्व में यह स्वीकारोक्ति हुई है कि नाट्यशास्त्र वह ग्रंथ है, जिसमें हमें मंच पर प्रस्तुत करने की सारी विधाएं प्राचीन काल से बताई गई हैं। इसे अब यानी लंबे इंतजार के बाद वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल किया गया, जबकि यह काम बहुत पहले हो जाना चाहिए था। विश्व की यह स्वीकारोक्ति हमें बताती है कि विश्व के जितने भी महान रंगकर्मी हुए, उन्होंने कहीं न कहीं हमारे नाट्यशास्त्र से गहन अध्ययन किया और अपनी एक थ्योरी बनाकर प्रकाशित की। यह बहुत खुशी की बात है कि अभी हाल ही में दीपावली को अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के रूप में शामिल किया गया। इससे प्रतीत होता है कि हमारी सनातन परंपरा और उसके उत्सव विश्व को आगे ले जाने में कितनी मदद करते हैं। यह हम रंगकर्मियों के लिए भारतवासियों के लिए विश्वस्तर की एक बड़ी उपलब्धि है। स्वामी विवेकानंद ने इसीलिए कहा था कि समस्त विश्व के लोग हमारे भाई-बहन हैं। हम विश्व के कल्याण के लिए काम करते हैं। यह हम सभी रंगकर्मियों के लिए गर्व की बात है कि हमारे पास नाट्यशास्त्र है। बस उसे सरलतम बनाकर प्रस्तुत करने के लिए हमारे देश के विद्वानों को आगे आना चाहिए ताकि हर रंगकर्मी तक वह उनकी सरल भाषा में पहुंच सके। वे उसे समझकर अपना ज्ञानवर्धन कर सकें। *

ये उपलब्धियां हासिल होना हर भारतीय के लिए गौरव का पल है

पद्मश्री डॉ. भरत गुप्त
कार्यकारी उपाध्यक्ष-एनएसडी

'श्रीमद्भगवद्गीता' व 'नाट्यशास्त्र' को यूनेस्को द्वारा मेमोरी ऑफ वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल किया जाना, हर भारतीय के लिए गौरव का पल है। 'श्रीमद्भगवद्गीता' एक प्राचीन ग्रंथ है, जिसे सदियों से खूब पढ़ा जा रहा है। 'नाट्यशास्त्र' को लेकर मुझे विशेष प्रसन्नता है, क्योंकि पश्चिम के लोग अभी भी इस बात को नहीं जानते कि 'नाट्यशास्त्र' रंगमंच की व्याख्या है और इतनी व्यापक व्याख्या और कहीं नहीं है। बेशक कुछ पश्चिम के लोग नाट्यशास्त्र के विषय में जानते हैं लेकिन अब और विदेशी इसे पढ़ेंगे। दोनों ग्रंथों को मेमोरी ऑफ वर्ल्ड रजिस्टर में रखवाने में आईजीएनसीए की बड़ी भूमिका रही। मैं आईजीएनसीए में ट्रस्टी हूं, हमारी पूरी टीम इस काम में लगी थी।

'श्रीमद्भगवद्गीता' दर्शन का ग्रंथ है, जिसमें कर्म, योग, ज्ञान और भक्ति की व्याख्या है। जीवन में क्या करना है, जीवन कैसे, किन मूल्य को लेकर जीना है, आप कैसे कर्म करेंगे? यह हमें गीता सिखाती है। इस तरह 'श्रीमद्भगवद्गीता' एक योद्धा की किताब है। उस योद्धा की मानसिकता की मनोदशा, हम सभी की जिंदगी में कभी न कभी किसी न किसी रूप में आती रहती है। गीता हमें सिखाती है कि श्रेष्ठ जीवन कैसा हो? जीवन जैसा भी है, अच्छा, बुरा, कुछ ऊंचे पात्र, कुछ नीचे, नायक, खलनायक इन सबको दिखाने वाला ग्रंथ 'नाट्यशास्त्र' है। गीता के संदेश को हम बच्चे से लेकर बुजुर्गों तक नाटक के माध्यम से पहुंचा सकते हैं। इन ग्रंथों को जनता तक पहुंचाना बहुत जरूरी है।

दीपावली के संदर्भ में यही कहूंगा कि यूनेस्को ने इसे सांस्कृतिक धरोहर माना है। यह गर्व की बात है लेकिन अब हमें देखना होगा कि क्या हम दीपावली को उसके मूल स्वरूप में मना रहे हैं? साथ ही विजया दशमी के महत्व को समझें, तभी दीपावली का सही अर्थ समझ आएगा। *

हम सांस्कृतिक पुनर्जागरण का युग देख रहे हैं

डॉ. सच्चिदानंद जोशी सदस्य सचिव-इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र

हम सांस्कृतिक पुनर्जागरण का युग देख रहे हैं। स्वतंत्रता से पूर्व हम गुलाम मानसिकता में जीते रहे इसलिए हमें हमारी सांस्कृतिक विरासत व वैभव का अहसास नहीं हुआ। हमारी अस्मिता बोध को जगाने का काम इस समय हो रहा है। यह निरंतर प्रक्रिया चल रही है। विरासत भी विकास भी, का मंत्र लेकर हम आगे बढ़ रहे हैं। इस दृष्टि से देखें तो पिछला एक साल उसी निरंतर किए जा रहे कार्यों का गौरवशाली साल रहा। पहले हमने 'नाट्यशास्त्र' व 'श्रीमद्भगवदगीता' को यूनेस्को मेमोरी ऑफ वर्ल्ड रजिस्टर में दर्ज कराया। यह इस बात को रेखांकित करता है कि हमारी परंपराएं कितनी पुरानी हैं, हमारी सांस्कृतिक जड़ें कितनी गहरी हैं। श्रीमद्भगवद्गीता को काफी पहले से ही विश्वभर में बहुत आदर, सम्मान के साथ पढ़ा जाता रहा है। अब जब हमारा नाट्यशास्त्र वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल होता है तो हमें पूरे विश्व को यह बताने का अवसर मिलता है कि ऐसा शास्त्र हमारे यहां दो हजार साल पूर्व लिखा गया। तब जबकि विश्व की अधिकांश सभ्यताएं इस पूरे शास्त्र के बारे में जानती भी नहीं थीं। इस दृष्टि से यह बहुत महत्वपूर्ण है। दीपावली का अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर में शामिल होना, हमें विश्व को यह बताने का अवसर देता है कि हमारे देश में पर्व मनाने की निरंतरता कितनी बड़ी है। साथ ही यह भी कि हमारे पर्व किस तरह से सर्वसमावेशी हैं। हमने किस तरह अपनी पुरातन परंपराओं को मान्यताओं को बचाकर रखा है और आगे तक बचाने का संकल्प किया है। इस तरह विश्वस्तर पर ये तीनों उपलब्धियां हमारे लिए बहुत मायने रखती हैं। *

प्रस्तुतिः रेनू खंतवाल

विशेषः राष्ट्रीय युवा दिवस, 12 जनवरी

स्वामी विवेकानंद ने न केवल भारत की सांस्कृतिक श्रेष्ठता को संपूर्ण विश्व में प्रतिष्ठित किया, यहां की धार्मिक चेतना का पुनर्जागरण करने में भी भूमिका निभाई। यही नहीं लगभग सवा सदी से अधिक समय गुजरने के बाद भी स्वामी विवेकानंद, देश के युवाओं के लिए आदर्श और अद्वितीय मार्गदर्शक बने हुए हैं।

स्वामी विवेकानंद आज भी हैं युवाओं के आदर्श-मार्गदर्शक

{ प्रेरक व्यक्तित्व }
शिखर चंद जैन

ब्रिटिश शासनकाल के समय पश्चिमी देश, भारत की उपेक्षा किया करते थे। दरअसल, वे हमारे देश की अद्वितीय सनातन संस्कृति और गौरवमयी सभ्यता से परिचित ही नहीं थे। ऐसे समय में 12 जनवरी 1863 को जन्मे स्वामी विवेकानंद (बचपन का नाम नरेंद्र) ने युवावस्था में ही दुनिया में भारतवर्ष का मान बढ़ाने में अभूतपूर्व भूमिका निभाई।

भारतीय संस्कृति को दिलाया मानः स्वामी विवेकानंद, भारत के पहले युवा संत थे, जिन्होंने सनातन धर्म का संदेश विश्व भर में फैलाया और इसकी महत्ता पूरे विश्व को समझाई। उन्होंने विश्व में सनातन मूल्यों, धर्म और भारतीय संस्कृति की श्रेष्ठता को स्थापित किया और इसका मान बढ़ाया। 11 सितंबर, 1893 को अमेरिका स्थित शिकागो में आयोजित विश्व धर्म संसद में उनके भाषण ने दुनिया भर के धार्मिक और आध्यात्मिक संतों पर एक अमिट छाप छोड़ी। उन्होंने अपने उद्बोधन की शुरुआत जब 'मेरे प्यारे अमेरिकी बहनों और भाइयों' से की तो पूरा हाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इस पर उन्होंने कहा, 'जिस गर्मजोशी और सौहार्दपूर्ण माहौल में मेरा स्वागत किया है, उससे मेरा हृदय गद-गद है। भारत भूमि के सभी समुदायों, वर्गों, लाखों-करोड़ों भारतीयों की तरफ से मैं आपको कोटि-कोटि धन्यवाद देता हूं।' उन्होंने यह भी कहा, 'मुझे उस धर्म व राष्ट्र से संबंध रखने पर गर्व है, जिसने दुनिया को सहिष्णुता और सार्वभौमिकता का पाठ सिखाया। हम न केवल सार्वभौमिक सहनशीलता में विश्वास रखते हैं बल्कि सभी धर्मों को सत्य के रूप में स्वीकार करते हैं। मुझे भारतीय होने पर गर्व है, जिसने विभिन्न राष्ट्रों के पीड़ितों और शरणार्थियों को आश्रय दिया है।'

धार्मिक सहिष्णुता के पक्षधरः भारतीय संस्कृति के मूल भाव धर्मनिरपेक्षता को वे बहुत महत्वपूर्ण मानते थे। उन्होंने सदैव सार्वजनिक संस्कृति के रूप में धार्मिक सहिष्णुता का समर्थन किया, क्योंकि वे सद्भाव और शांति के पक्षधर थे। स्वामीजी, जाति या धर्म के आधार पर बिना किसी भेदभाव के लोगों की सेवा करने को सर्वश्रेष्ठ मानव धर्म मानते थे। उनके विचारों में धर्मनिरपेक्षता के संबंध में तुष्टिकरण के लिए कोई स्थान नहीं था। 1893 में विश्व धर्म संसद में ऐतिहासिक व्याख्यान देने के बाद उन्होंने यूरोप का भी दौरा किया। स्वामी विवेकानंद ने देश की महान आध्यात्मिक विरासत को आगे बढ़ाते हुए एकता की भावना को प्रसारित किया।

मातृभूमि के प्रति अगाध श्रद्धाः स्वामीजी जब अमेरिका और ब्रिटेन की यात्रा कर चार साल बाद भारत लौटे तो उन्होंने यहां की पवित्र भूमि को साष्टांग दंडवत कर नमन किया। उनके मन में मातृभूमि के प्रति अपार श्रद्धा और प्रेम था। वे कहते थे कि मातृभूमि का कण-कण पवित्र और प्रेरक होता है, इसलिए इस धूलि में रमा हुआ हूं।

परम विद्वान-विनम्र व्यक्तित्वः स्वामी विवेकानंद के बारे में नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने लिखा है, 'स्वामीजी इसलिए महान हैं कि उन्होंने पूर्व और पश्चिम, धर्म और विज्ञान, अतीत और वर्तमान में सामंजस्य स्थापित किया, देशवासियों ने उनकी शिक्षाओं से अभूतपूर्व आत्म-सम्मान, आत्मनिर्भरता और आत्म-विश्वास आत्मसात किया है।' इसी ऐतिहासिक संबोधन से प्रभावित होकर प्रख्यात ब्रिटिश इतिहासकार ए.एल. बाशम ने कहा था, 'स्वामी विवेकानंद जी को भविष्य में आधुनिक दुनिया के प्रमुख निर्माता के रूप में हमेशा याद किया जाएगा।'

युवाओं के प्रेरणास्रोतः स्वामी विवेकानंद मानते थे कि युवाशक्ति ही देश, समाज और दुनिया को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ा सकती है। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा था 'उठो, जागो और तब तक मत रुको, जब तक मंजिल प्राप्त न हो जाए।' वे युवाओं से भरपूर आशा और उम्मीद रखते थे। उनके लिए युवा पीढ़ी ही परिवर्तन की अग्रदूत हो सकती है। वे चाहते थे कि युवाओं में विशाल हृदय के साथ मातृभूमि और जनता की सेवा करने की दृढ़ इच्छा शक्ति हो। वे युवाओं का आह्वान करते हुए कहते थे, 'देश में जहां भी प्लेग या अकाल का प्रकोप है, या जहां भी लोग संकट में हैं, आप वहां जाएं और उनके दुःखों को दूर करें। आप पर देश के भविष्य की उम्मीदें टिकी हुई हैं।'

स्वामी विवेकानंद, आधुनिक भारत के उन महानतम आध्यात्मिक गुरुओं और विचारकों में से एक थे, जिन्होंने न केवल भारतीय संस्कृति का विश्व भर में गौरव बढ़ाया, बल्कि युवाओं को ऊर्जा, आत्मविश्वास और चरित्र-निर्माण का एक नया मार्ग भी दिखाया। स्वामी जी का दर्शन और आदर्श भारतीय युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत आज भी बना हुआ है। स्वामी विवेकानंद के सुझाए रास्ते पर चलकर ही एक भारत-श्रेष्ठ भारत, आत्म-निर्भर भारत और भारत को विश्व गुरु बनाने का सपना साकार किया जा सकता है। *

{ कविता }
अवतार सिंह अक्षरजीवी

आगाह

ऐसा नहीं है कि आकर्षण नहीं है
मेरी आंखों में किसी के लिए,
ऐसा भी नहीं है कि मैं कह दूं कि
मेरी भावनाएं मुझे शून्य मानती हैं,
बहुत प्रेम कर लेने के बाद
प्रेम करने का जी नहीं करता
मेरा मन इस तरह का उदार भी नहीं है,
फिर क्या सत्य है?
जो प्राप्त है, उसे पाने के बाद से
लगातार खोते चले जाना
भव्यता से खंडहर हो जाना
भरी-पूरी झील से कीचड़ हो जाना
सुर मिलना, अंत में एकाकी रह जाना
मुझे प्रेम के प्रति आगाह करता है-
प्रेम को पा लेना
प्रेम के समापन की लंबी यात्रा है,
प्रेम को न पाना
प्रेम करते चले जाने की निष्क्रियता है।

{ व्यंग्य }
भूपेंद्र भारतीय

जैसे चुनावों के समय कुछ कार्यकर्ता निःस्वार्थ भाव से दल की सेवा करते हैं और चुनाव जीतने के बाद मेवा किसी और के हाथ लगता है। उसी तरह आखिर में मंगल जैसों की थाली में सिर्फ पतला तरीनुमा पानी रह जाता है।

तपेली में तरी ही बची

मंगल के साथ पिछले दिनों बड़ा धोखा हो गया। धोखा क्या कहूं, मंगल की भाषा में यह एक तरह से 'सेवा का शिकार' होने जैसा है। या कहें, ये वही धोखा था, जो एक आम राजनीतिक कार्यकर्ता के साथ चुनाव के बाद जीतने वाला दल करता है। वैसे ही जैसे बड़े बाबू, चपरासी और कार्यालय के अन्य छोटे बाबुओं के साथ करते हैं, रिश्वत में आया अधिकांश माल बड़े बाबू निगल लेते हैं और अन्य के पास सिर्फ पतली तरी बचती है। सिर्फ दाल का पानी ही पानी, फिर उस तपेली में चम्मच हिलाते रहो। ऐसा ही पिछले दिनों मंगल के साथ हुआ। वह पिछले दिनों अपनी जाति के प्रतिभा सम्मान आयोजन में गया था, जिसे बड़ी होशियारी से समाजवादी ढंग में सामाजिक आयोजन कहा गया था। पहले आयोजन में सामाजिक नेताओं के द्वारा भाषणबाज प्रतिभाओं को जैसे जबरन पकड़कर सम्मानित किया गया हो। उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए जातिगत नेताओं द्वारा दो शब्द कहे गए। वे दो शब्द स्वयं की प्रशंसा में ज्यादा थे।

मंगल इस आयोजन में कार्यकर्ता की भूमिका में था। उसे किसी ने बोला नहीं था। ना ही चुनावी उम्मीदवारों की सूची जैसी किसी सूची में उसका नाम था और ना ही इसके लिए उसने कोई याचिका लगाई थी। वह भावुकता में चला गया। उसे सेवा करने का भी कुछ मन हुआ था। जैसे आजकल सब तरफ सेवा के लिए लोग जाते हैं। नेतागण देश की सेवा के लिए पागल हो रहे हैं। युवा अलग तरह से सेवा करना चाहता है। जैसे राष्ट्रीय स्तर पर इस देश का युवा 'देश सेवा' के लिए गलाकाट प्रतियोगी परीक्षा पास करता है और फिर कुछ ही वर्षों में सेवा के नाम पर भ्रष्टाचार के मामलों से देश के अखबारों में बड़ी-बड़ी हेडलाइन बनाता है। वहीं संसदीय और विधायी समितियों में जनप्रतिनिधि देश सेवा व नवाचार के नाम पर चार-पांच देशों की यात्रा करते हैं और जनप्रतिनिधि होने का कर्त्तव्य निभाते हैं। वैसे ही मंगल भी उस आयोजन में सेवा के लिए चला गया। जैसे युवा शुरू-शुरू में राजनीतिक-सामाजिक आंदोलनों में जाता है और भीड़ का शिकार हो या तो भावुकता में अपने हाथ-पैर तुड़वा लेता है या फिर पुलिस थाने के रजिस्टर में अपना नाम दर्ज कराकर राजनीति का स्थाई खिलाड़ी बन जाता है।

मंगल को भी लगा कि बड़े आयोजन में उसके हाथ कुछ तो आएगा। उसके जीवन में भी कुछ मंगल हो जाएगा। जैसे कर्मठ कार्यकर्ताओं की सेवा से मंत्रीजी जनसेवा करते हैं। उसे भी नेतृत्व की अग्रिम पंक्ति में आने का रोग चढ़ा। उसे भी लगा, समाज सेवा करने पर गाढ़ी तरी व साग दोनों का आनंद मिलेगा। वह भी अब नया कुर्ता-पायजामा पहनकर समाज सेवा की तपेली में अपनी सेवा रूपी चम्मच हिलाने गया था। उसने पढ़ा था, इस सेवा के लिए आजादी से पूर्व और उसके बाद बड़े-बड़े लोग, अपनी जमी-जमाई वकालत, व्यापार, जागीरदारी आदि छोड़कर इस सेवा में कूद पड़े थे। तो भला मंगल अपने समाज के आयोजन में टाट-पट्टी बिछाने से लेकर भोजन परोसने तक का काम क्यों नहीं कर सकता? आगे मंच और माइक भी मिलेगा। पूर्व में तो उसके जैसे कार्यकर्ताओं द्वारा समाज सेवा के लिए प्राण तक न्यौछावर कर दिए। क्या उन्होंने कम तरी-साग का आनंद उठाया? कैसे मालामाल हो गए! जैसे वे इस सेवा के लिए ही बने हों।

मंगल की मानें तो उस आयोजन में वह समाज सेवा के भाव से गया था। लेकिन उसका भाव वही था, जो अधिकांश सामाजिक संगठनों का रहता है। समाज में दबे-कुचले लोगों की सेवा के नाम पर सरकार से अनुदान की तरी-साग दोनों का आनंद उठाते हैं। मंगल सबको साग-तरी परोसता है। उसने सोचा यह सब मुझे भी मिलेगा। उसे भी दूसरे कार्यकर्ता तरी वाली साग परोसने आएंगे। जैसे मतदाता पांच साल में एक बार मतदान करने जाता है तो उसे लगता है कि देश अब उसके मत से चलेगा। लेकिन परिणाम देखकर कुछ दिनों में उसका मत बदल जाता है। और देश की राजनीति अपने मद में चलने लगती है। सत्ता के हाथी की चाल में उसकी आवाज दब जाती है। कहां तो वह दबे-कुचलों की आवाज उठाने आया था और चुनाव बाद वह स्वयं दबा-कुचला-सा हो जाता है।

धीरे-धीरे वह तरी-साग की सच्चाई जानने लगता है। कौन तरी खा रहा है और किसके हिस्से साग आता है? और अंत में बड़ी जनसंख्या को सिर्फ साग के पतले पानी से ही संतुष्ट होना पड़ता है। जैसे उस दिन मंगल ने बहुत मेहनत की थी। भाग-भाग कर सबको भोजन कराया। आयोजन को सफल बनाने में निःस्वार्थ भाव से सेवा की। जैसे चुनावों के समय कुछ कार्यकर्ता निःस्वार्थ भाव से दल की सेवा करते हैं और चुनाव जीतने के बाद मेवा किसी और के हाथ लगता है। उसी तरह आखिर में मंगल जैसों की थाली में सिर्फ पतला तरीनुमा पानी रह जाता है। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

काव्यात्मक गद्य में लेखिका के मनोभाव

वर्तमान हिंदी कविता परिदृश्य में नीलेश रघुवंशी एक प्रतिष्ठित नाम हैं। कविता से इतर उनके द्वारा रचित दो उपन्यासों को भी बहुत पसंद किया गया है। अब हाल में प्रकाशित होकर आई पुस्तक 'गद्य का पानी' में उनके काव्यात्मक गद्य की रवानगी देखते ही बनती है। यह किसी एक विधा की सीमाओं में बंधी किताब नहीं है। यहां कई विधाओं का ऐसा मनोरम कोलाज नजर आता है, जो हमें लेखिका के भावजगत में उतरने, उनकी रचनात्मकता को बिल्कुल करीब से महसूसने और उनकी महीन संवेदनाओं को स्पर्श करने का रास्ता मुहैया कराता है। चार खंडों में बंटी इस किताब में नीलेश अपने अतीत से लेकर वर्तमान में आवाजाही करती नजर आती हैं। 'मन की चिट्ठी' खंड में वे मन, जीवन और समाज के विभिन्न तलों में उतरकर सृजन के रहस्य तलाशती हैं तो 'गद्य का पानी' खंड में अपने कुछ प्रिय रचनाकारों के सृजन जगत से गुजरते हुए, उत्पन्न विचारों को भी संजोती चलती हैं। उनके कुछ संस्मरणों और यात्रा संस्मरणों को 'आवारगी' खंड में पढ़ सकते हैं। अंतिम खंड 'जनरल बोगी' में संकलित उनके कुछ वक्तव्य और टिप्पणियां, हमें रचनाकार की अबूझ-अनदेखी सी सृजन भूमि में झांकने का झरोखा उपलब्ध कराती हैं। कहना चाहिए कि यह पुस्तक, पाठक को कई विधाओं से तैयार किश्ती के जरिए लेखिका के काव्यात्मक गद्य के अप्रतिम प्रवाह का आनंद लेने का अवसर प्रदान करती है। *

पुस्तकः गद्य का पानी,
लेखिकाः नीलेश रघुवंशी,
मूल्यः 399 रुपए,
प्रकाशकः राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

तरकश

-संजय के. दीक्षित

छत्तीसगढ़ के दो पैर वाले पेटू चूहे

पिछले साल झारखंड की एक खबर बेहद चर्चा में रही...चूहे 800 बोतल शराब गटक डाले तो एक करोड़ का गांजा पीकर मदमस्त हो गए। मगर छत्तीसगढ़ के चूहे उनसे आगे निकल गए। बल्कि पेटू भी। राजधानी रायपुर से 100 किलोमीटर दूर कवर्धा में चूहे सात करोड़ के धान खा गए। स्टॉक के मिलान में खुलासा हुआ कि 26 हजार क्विंटल धान गायब है। अकेले चारभाटा केंद्र से ही 22 हजार क्विंटल। अफसरों ने कहा, चूहे खा गए। 22 हजार क्विंटल धान करीब सात करोड़ के होते हैं। याने कवर्धा के चूहे सात करोड़ के धान खा गए। अब आप कहेंगे के ये असंभव है...बेचारे, छोटे मूसक 26 हजार क्विंटल धान कैसे खा सकते हैं? तो आपको याद करना होगा...चूहे दो पैर वाले भी होते हैं। मगर छत्तीसगढ़ के इन पैर वाले चूहों ने कमाल कर दिया है। पिछले साल ऐसे ही दो पैर वाले बेईमान चूहों की वजह से धान खरीदी में 8000 करोड़ का नुकसान हुआ था। इन पेटू चूहों के चलते स्थिति ये आ गई है कि दो-एक साल बाद सरकार धान खरीदने की स्थिति में नहीं रहेगी। 38 हजार करोड़ मार्कफेड पर लोन हो गया है। इन चूहों के बड़े पेट का ही नतीजा है कि चूहे में धान का रकबा लगभग उतना ही है, मगर खरीदी नौ गुना बढ़ गई। 2002-03 में 18 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हुई थी, पिछले साल यह 149 लाख मीट्रिक टन पहुंच गया। छत्तीसगढ़ के ये चूहे धान खा-खाकर इतने स्ट्रांग हो गए हैं कि ईडी भी ज्यादा कुछ नहीं कर पा रही। राईस मिलों के चूहे तो और भी खतरनाक हैं...ये सिर्फ धान को रिसाइक्लिंग कर नहीं खाते बल्कि नॉन मी रिसाइक्लिंग कर लेते हैं। सिस्टम से सौदा कर अकाउंट में लेकर कैश में वापसी करने का मसला आखिर ईडी की जांच में आया ही था मगर फिर बात वहीं पर...चूहे बहुत मजबूत हैं। लास्ट ईयर 10 हजार करोड़ के धान दो पैर वाले चूहे खा गए। तो समझ सकते हैं, 25 साल में कितने हजार करोड़ के धान खाकर ये कितने बड़े माफिया बन गए होंगे।

किधर हैं कलेक्टर?

धान खरीदी के फर्जीवाड़े पर अंकुश लगाने इस बार सरकार ने बड़ी तैयारी की थी। कलेक्टरों को कई बार चेताया भी गया था। कलेक्टर कांफ्रेंस में भी आगाह किया गया। दावे किए गए इस बार ऐसी टेक्नालॉजी का इस्तेमाल किया जा रहा कि धान खरीदी में परिंदा पर नहीं मार सकता। ठीक है, परिंदा तो नहीं मार पा रहा पर चूहे जरूर माल हजम कर गए। और इसमें हुआ क्या? चूहों के जरिये सात करोड़ के धान चट करवाने वाले डीएमओ को नोटिस दी गई है। डीएमओ को यह कहना भी गौरतलब है कि हमारे जिले की स्थिति काफी अच्छी है। याने बाकी जिलों की अगर जांच हो जाए तो फिर कमाल हो जाएगा। बहरहाल, जब तक दो-चार बड़े कौवे को मारकर नहीं लटकाया जाएगा, तब तक सरकार के लिए फर्जी धान खरीदी रोकना मुमकिन नहीं होगा। चीफ सिकरेट्री विकास शील खुद भी सिकरेट्री फूड रह चुके हैं। कलेक्टरों को तलब कर उनसे टू द प्वाइंट बात करनी चाहिए। कलेक्टर अगर ठान ले तो विभागों के खटराल अधिकारियों की क्या मजाल।

कमिश्नर की रेटिंग डाउन

छत्तीसगढ़ सरकार ने पोलिसिंग में बड़ा रिफार्म करते हुए पुलिस कमिश्नर सिस्टम लागू करने का फैसला लिया मगर कमिश्नरेट के एरिया में कैंची चल जाने की वजह से इस पद की रेटिंग डाउन हो गई है। पुलिस कमिश्नर के दायरे में चार सिर्फ फर्स्ट पुलिस कमिश्नर बनने तक रह गया है। बाकी तो सिटी एसपी जैसा ही मामला रहेगा। पुलिस कमिश्नर के बाद दूसरे नंबर का पद ज्वाइंट कमिश्नर का होता है। इस पर डीआईजी लेवल के अधिकारी की पोस्टिंग की जाएगी। मगर सवाल यह है कि डीआईजी रैंक के जो एसपी बड़े जिले संभाल रहे हैं, वे रायपुर कमिश्नरेट में एडिशनल एसपी टाईप काम करना क्यों चाहेंगे। अगर ऐसा हुआ तो ये उनका डिमोशन ही तो होगा। कुल मिलाकर कमिश्नरेट को लेकर पुलिस महकमे में कोई उत्सुकता नहीं है।

ओएसडी की नियुक्ति

जैसा कि विदित है, रायपुर में पुलिस कमिश्नर सिस्टम 23 जनवरी से प्रारंभ हो जाएगा। कमिश्नरेट में उस दिन एक बड़ा जलसा होगा। मुख्यमंत्री समेत सारे मंत्री इस मौके पर मौजूद रहेंगे। उससे पहले कमिश्नरेट की तैयारियों के लिए दो-एक दिन में पुलिस कमिश्नर की नियुक्ति कर दी जाएगी। हालांकि, अभी उनका पदनाम ओएसडी होगा। ठीक उसी तरह जैसे नए जिले बनते हैं तो कलेक्टर, एसपी को पहले ओएसडी बनाकर भेजा जाता है। ताकि, वे तैयारी वगैरह करा लें। फिर जिस दिन से जिला बनता है, उस रोज उन्हें कलेक्टर, एसपी नियुक्त कर दिया जाता है। उसी तरह रायपुर पुलिस कमिश्नरेट में भी ओएसडी की नियुक्ति होने वाली है।

फर्स्ट पुलिस कमिश्नर?

जाहिर तौर पर आईजी रैंक के आईपीएस अधिकारी को रायपुर का फर्स्ट पुलिस कमिश्नर बनाया जाएगा। इससे पहले ओएसडी की नियुक्ति होगी। इसके लिए दुर्ग आईजी रामगोपाल गर्ग और बिलासपुर आईजी संजीव शुक्ला का नाम प्रमुख तौर पर चर्चा में है। रामगोपाल साफ-सुथरी छबि के आईपीएस हैं। सीबीआई में सात साल डेपुटेशन पर रह चुके हैं। नियम-कायदे, कानून के जानकार भी हैं। संजीव शुक्ला की छबि भी अच्छी है। वे रायपुर के एसपी रह चुके हैं और छत्तीसगढ़ पुलिस की दृष्टि से काफी अनुभवी हैं। लोकल होने की वजह से उनके अपने कंटेक्ट हैं। उनके माइनस प्वाइंट है कि अगले साल जनवरी में रिटायरमेंट है। याने पोस्टिंग के बाद सिर्फ 11 महीने बचेगा। रामगोपाल गर्ग के साथ एक हुई बैक है कि रायपुर के लिए नए होंगे। रामगोपाल अगर पुलिस कमिश्नर बनते हैं तो रायपुर को समझाने वाले किसी ठीकठाक डीआईजी को ज्वाइंट कमिश्नर बनाया जा सकता है। वो या तो अजातशत्रु हो सकते हैं या फिर शशिमोहन सिंह। या रजनेश सिंह या विजय अग्रवाल। मगर प्रश्न है दसेक साल पहले ये एसपी रहे अफसर रायपुर में एडिशनल एसपी रह चुके हैं फिर डीआईजी बनने के बाद एडिशनल एसपीगिरी करने यहां क्यों आएंगे? बहरहाल, बात ओएसडी और नए पुलिस कमिश्नर की तो सरकार में इस पर मंथन चल रहा है कि रामगोपाल और संजीव शुक्ला में से कौन बेहतर रहेगा।

IG यथावत! SSP चेंज

आईपीएस अफसरों की पेंडिंग डीपीसी सोमवार को कंप्लीट हो जाएगी। उसके दो-एक दिन बाद आदेश भी निकल जाएगा। प्रमोशन के बाद नई पोस्टिंग होगी, फिर दुर्ग या बिलासपुर में से कोई आईजी अगर पुलिस कमिश्नर बना तो फिर वहां नए आईजी की नियुक्ति करनी होगी। इसके लिए जल्द ही आईपीएस की एक लिस्ट निकलेगी। इसमें कई जिलों के एसपी भी होंगे। खासकर, जिनका दो साल हो गया है। सबसे अधिक उत्सुकता रायपुर रेंज को लेकर है। पुलिस कमिश्नर बनने के बाद अमरेश मिश्रा आईजी बने रहेंगे। सिर्फ शहर के 21 थाना उनके कार्यक्षेत्र से कम हो जाएंगे। शंकर नगर स्थित रायपुर आईजी ऑफिस भी यथावत रहेगा और उनकी कुर्सी भी। रही बात, रायपुर एसएसपी लाल उमेद सिंह की, तो 22 जनवरी को विदाई के बाद उन्हें अच्छी पोस्टिंग मिलने की चर्चा है...ट्रांसपोर्ट को लेकर भी कुछ सुनने में आ रहा है।

मोदीजी की चूक!

केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू का नाम न होने की वजह से बीते सोमवार को बिलासपुर में आयोजित नगरीय निकाय का कार्यक्रम निरस्त हो गया। वो भी ऐसे वक्त पर जब पब्लिक आनी शुरू हो गई थी। इस्यू यह रहा कि बिलासपुर के सांसद होने के नाते तोखन साहू का नाम अतिथियों में शामिल नहीं था। बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल भी गोल थे। कुछ दिन पहले बिलासपुर में आयोजित युवा महोत्सव में भी तोखन साहू का नाम प्रोटोकॉल के अनुसार नहीं लिखा गया, इसको लेकर भी तोखन खेमे में बेचैनी थी। असल में, चूक मोदी जी से हुई, जिन्होंने तोखन साहू को अपने मंत्रिमंडल में शामिल कर लिया। अब डिप्टी सीएम अरुण साव और तोखन साहू एक ही विधानसभा क्षेत्र से हैं। दोनों साहू। एक ही स्कूल के सहपाठी भी। मोदीजी ने अरुण साव को अध्यक्ष से चुनाव होने के बाद भी उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनाया, उपर से तोखन साहू को प्रोटोकॉल में उपर कर दिया। उधर, बिलासपुर के अफसर भी मजे लेने में कम नहीं...नेहरू चौक पर घर अलॉट कर दिया अगल-बगल। याने सुबह उठने के साथ फुल तनाव। जाहिर है, दोनों में से कोई एक ही साहू आगे जाएगा। केंद्रीय राज्य मंत्री प्रोटोकॉल में राज्य के मंत्री से उपर होता है। अरुण साव भले ही डिप्टी सीएम हैं मगर नेशनल प्रोटोकॉल में डिप्टी सीएम का कोई जिक्र नहीं है। डिप्टी सीएम को मंत्री मानते हुए केंद्रीय मंत्री को उपर रखा जाता है। ऐसे में, अगर तोखन साहू किसी कार्यक्रम में पहुंचेंगे तो उनका नाम सबसे उपर लिखा जाएगा। अरुण को यह नागवार गुजरेगा ही। जाहिर है, मोदीजी की इस चूक के कारण बिलासपुर के अधिकारी पिस रहे हैं। अमर, धरम, अरुण और तोखन को अगर टेंशन होगा तो गुस्सा अफसरों पर ही निकलेगा ना।

कांक्लेव पर सस्पेंस

चीफ सिकरेट्री विकास शील काम धाम में जितना अनुशासित और कड़क हैं उतने ही अच्छे सिंगर भी हैं। किशोर कुमार उनके फेवरेट हैं और उन्हीं के गाने गाते हैं। आईएएस कांक्लेव में उन्होंने दो गाने गाकर अफसरों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मगर पता नहीं क्यों, उनके अफसरों ने आईएएस कांक्लेव को गोपनीय बनाने में पूरी ताकत लगा दी। आखिर इतना खौफ क्यों? अफसर भी आखिर इंसान हैं, उन्हें भी जीवन जीने, इंज्वाय करने का अधिकार है। फिर ऐसे कार्यक्रम से टीम स्पिरिट आती है। सीनियर-जूनियर अफसरों में इंटरेक्शन होता है। इस बार का कांक्लेव इस मायने में भी खास था कि पीएम अवार्ड की तरह सीएम अवार्ड समारोह भी इसमें शामिल था। फिर देश के सर्वोच्च सर्विस में हैं तो उनके प्रति आम आदमी की उत्सुकता भी रहेगी ही। अच्छे काम करने वाले अधिकारियों की मीडिया में सबसे सराहना मिलती है। और ऐसा भी नहीं कि छत्तीसगढ़ के सारे आईएएस ईडी, सीबीआई, एसीबी वाले हैं। अच्छे अधिकारियों की संख्या कहीं अधिक है, फिर भी कांक्लेव पर अगर सस्पेंस बरता गया तो फिर क्या ही कहा जा सकता है।

एक और अफसर डेपुटेशन पर

बलौदा बाजार कलेक्टर दीपक सोनी को भारत सरकार के हेल्थ डिपार्टमेंट में डायरेक्टर की पोस्टिंग मिल गई है। इस महीने के लास्ट तक वे यहां से रिलीव हो जाएंगे। दीपक को उस समय बलौदा बाजार के कलेक्टर का दायित्व सौंपा गया था, जब जिला मुख्यालय हिंसा की चपेट में था। उस भीड़ ने कलेक्टर, एसपी ऑफिस समेत न्यायिक कार्यालयों को फूंक दिया था। उस कठिन परिस्थितियों में दीपक को बलौदा बाजार भेजा गया। और प्रशासनिक सूझबूझ से वे बेकाबू स्थिति को हैंडिल करने में कामयाब रहे। बहरहाल, दीपक सोनी के बाद अब जगदलपुर कलेक्टर एस० हरीश भी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाने वाले हैं।

डबल पोस्टिंग

रिटायर आईएएस अधिकारी उमेश अग्रवाल को सरकार ने सूचना आयुक्त बनाया है। जून 2022 में रिटायर होने वाले उमेश को सरकार ने पहले पुलिस जवाबदेही प्राधिकरण में मेंबर बनाया था वहां 62 साल उम्र है, सो वहां से हटने के बाद अब उन्हें सूचना आयुक्त की पोस्टिंग मिल गई। जून 2027 में वे 65 साल के हो जाएंगे, सो डेढ़ साल का उनका कार्यकाल रहेगा। याने सरकार को अगले साल फिर सूचना आयुक्त का विज्ञापन निकालना होगा। अवधड़ स्वभाव के उमेश अग्रवाल तेज और समझ वाले माने अफसर माने जाते हैं। वैसा अफसर रिटायरमेंट के बाद भी सूचना आयुक्त की पोस्टिंग ग्रहण कर लेगा, इस पर आश्चर्य व्यक्त किया जा रहा है। परिजनों के साथ जंगल में नेचर के बीच बढ़िया जीवन गुजारते, कहां वे माया-मोह के चक्कर में पड़ गए सो मीडिया में है। बहरहाल, सूचना आयोग की नियुक्तियों में नौकरशाही भारी पड़ी। तीन में से सीआईसी और सूचना आयुक्त के दो पद उनके खाते में आए।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. छत्तीसगढ़ के मंत्रीजी लोग अपने खटराल पीए को बदल रहे, क्या नितिन नबीन के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनने का ये इफेक्ट है?

2. आलाकमान के बरदहस्त के बाद भी दीपक बैज भूपेश बघेल को डोमिनेट कर पार्टी का फेस क्यों नहीं बन पा रहे?

जैकेट के शेष

युक्तियुक्तरण के बाद स्कूलों में ...

स्थानांतरित शिक्षकों को कई बार नोटिस और पत्र जारी कर पदस्थापना स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए, लेकिन इसके बावजूद 37 एलबी शिक्षक और 1 प्रधानपाठक एलबी ने आदेशों का पालन नहीं किया। लगातार अवहेलना को गंभीर अनुशासनहीनता मानते हुए उच्च अधिकारियों के निर्देश पर जिला शिक्षा अधिकारी रमेश निषाद ने सभी संबंधित शिक्षकों और प्रधानपाठक को निलंबित करने का आदेश जारी किया। निलंबन के साथ ही सभी को अलग-अलग मुख्यालयों में संलग्न किया गया है।

विकासखंड चारामा के निलंबित होने...

भैंसकट्टा में पदस्थ नीलम कुमार औंधिया, प्राशा कुरूटोला में पदरस्थ खूबचंद महिलकर, शाप्राशा रतेसरा में पदस्थ खिलेश कुमार सिन्हा, शाप्राशा शीतलापारा गितपहर में परदस्थ ममता सेवता, आदिवासी बालक आश्रम चंदेली में पदस्थ किरण कोर्राम, शाप्राशा भाटापारा चारामा में पदस्थ युवरात गावड़े शामिल है।

पेपर सेट करने वाली प्रधानपाठक ...

से बवाल हो गया था। इस मामले की शिकायत होने पर जिला शिक्षा अधिकारी हिमांशु भारतीय ने मामले की जांच के लिए पांच सदस्यीय समिति का गठन किया था। समिति ने अपनी रिपोर्ट सौंपी, जिसके आधार पर यह कार्रवाई की गई है। शिक्षा सत्र 2025-26 में आयोजित अर्धवार्षिक परीक्षा के कक्षा 4थी के अंग्रेजी प्रश्नपत्र में मोना के कुत्ते का नाम क्या है? उत्तर के रूप में चार विकल्प दिए गए, जिसमें शेरू के साथ राम नाम का विकल्प भी था। इस पर काफी बवाल हुआ और एनएसयूआई सहित विभिन्न छात्र संगठनों ने धार्मिक भावना को आहत पहुंचाने वाला कृत्य बताते हुए दोषियों पर कार्रवाई की मांग की थी। जांच समिति ने पाया था कि ग्राम नकटी प्राथमिक शाला की प्रधान पाठक शिखा सोनी ने पेपर सेट करने के दौरान लापरवाही बरती थी। इसकी पुनः जांच के दौरान भी उनके द्वारा इस गंभीर भूल की तरफ ध्यान नहीं दिया गया था। इसी तरह सहायक शिक्षक नम्रता वर्मा जो पेपर मॉडरेटर थी, उसने भी पेपर की जांच में लापरवाही बरती थी।

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में आज होगा...

की चर्चित कृति 'बुत मरते नहीं' का दूसरा भाग है। इससे पहले ब्रह्मवीर सिंह नक्सलवाद पर केंद्रित उपन्यास 'दंड का अरण्य' साहित्यिक जगत में चर्चा का विषय रहा है। उपन्यास पर अनेकों शोधकार्य हुए हैं, वहीं 'बुत मरते नहीं' जातिवाद के भेद से उठकर मित्रता के चरम की कहानी है। इस तरह 'दंड का अरण्य', 'बुत मरते नहीं' और 'प्रत्याघात' लेखक की नियमित सशक्त रचनात्मक यात्रा के रूप में देखे जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि श्री ब्रह्मवीर सिंह ढाई दशकों से पत्रकारिता में सक्रिय हैं। वर्तमान में हरिभूमि समाचार पत्र में संपादक, समन्वय के दायित्व का निर्वहन कर रहे हैं। उन्होंने कई कहानियां भी लिखी हैं, जिनमें 'उधार की दुल्हन', 'लहंगे वाला लड़का' दशरथ का वनवास और 'प्यार का लास्ट स्टेज' बेहद चर्चित हैं। प्रभात प्रकाशन द्वारा प्रकाशित 'प्रत्याघात' को लेकर साहित्यिक जगत में विशेष उत्सुकता देखी जा रही है।

सीएम की दो टूक-गुड गवर्नेंस कागजों ...

शिक्षा विभाग का "विद्या समीक्षा केंद्र" डेटा-आधारित शिक्षा शासन का एक मजबूत स्तंभ बनकर उभरा है। कार्यक्रम में श्री साय ने कहा, गुड गवर्नेंस कागजों पर नहीं, बल्कि जनता के जीवन में सकारात्मक बदलाव और अधिकारियों के काम-काज में दिखना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा, गुड गवर्नेंस का उद्देश्य यह है कि समाज के अंतिम व्यक्ति को बुनियादी सेवाओं के लिए भटकना न पड़े। पंचायतों में शुरू किए गए अटल डिजिटल सेवा केंद्रों के माध्यम से ग्रामीणों को आधार, पेंशन, बैंकिंग और बिल भुगतान जैसी सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध हो रही हैं। सरकार ने तकनीकी नवाचारों के माध्यम से नागरिकों तक सुशासन की प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करने के लिए अनेक पहल की हैं। इसी क्रम में आज ई-प्रगति पोर्टल का शुभारंभ किया गया है, जिसका उद्देश्य राज्य की वृहद परियोजनाओं एवं योजनाओं के क्रियान्वयन को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और समयबद्ध बनाना है। सभी विभागों, जिला प्रशासन तथा मुख्यमंत्री कार्यालय के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा।

शिक्षा, उद्योग और आबकारी सहित 5 विभाग ...

वन विभाग की एफडीएस 2.0–ई-कुबेर डिजिटल भुगतान प्रणाली ने मैनुअल चेक आधारित प्रक्रियाओं को समाप्त कर पूर्णतः कैशलेस, आरबीआई एकीकृत भुगतान व्यवस्था लागू की। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा मनरेगा अंतर्गत लागू क्यूआर कोड आधारित सूचना स्वप्रकटीकरण व्यवस्था ने नागरिक-केंद्रित शासन को नई मजबूती दी।

दो पड़ोसी, दो मर्डर.. एक ही कहानी ...

के खिलाफ हिंसा बढ़ती जा रही है। हिंसक विरोध प्रदर्शनों और राजनीतिक अस्थिरता के बीच हिंदुओं पर हमले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। बीते 18 दिनों में 7 हिंदू पुरुषों की हत्या ने देश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ताजा मामला 8 जनवरी का है, जब सुनामगंज जिले के दिराई उपजिला के भंगदोहोर गांव में रहने वाले जॉय महापात्रो नामक एक हिंदू युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई।

पेज एक के शेष

सटोरियों का खेल... दिन में...

चांदी के दाम ढाई लाख रुपए किलो थे। दो घंटे बाद इसके 6200 बढ़ गए और रात को 9.30 बजे दाम 256200 रुपए हो गए। इसी तरह से दो दिन पहले रात को 7.30 बजे दाम 238000 हजार थे, दो घंटे बाद दाम अचानक से 9500 रुपए बढ़ गए। ऐसा ही रोज हो रहा है। सुबह को जो दाम रहते हैं शाम को उससे दाम दस हजार तक कम ज्यादा हो रहे हैं।

सालभर में एक लाख 45 हजार बढ़े दाम : चांदी के दाम कुछ साल पहले तक सीमित ही बढ़ते थे, लेकिन बीते साल में चांदी के दाम में भारी इजाफा हुआ। पांच साल पहले 2021 में चांदी के दाम जनवरी में 67520 रुपए थे। ये दाम कम होकर जनवरी 2022 में 60 हजार रुपए हो गए। इसके बाद एक साल में दाम 12 हजार ही बढ़े और जनवरी 2023 में 72 हजार रुपए हुए। इसके बाद एक साल में दाम महज चार हजार बढ़े और जनवरी में 2024 में दाम 76 हजार रुपए हुए। एक साल में फिर से दाम 12500 रुपए ही बढ़े और बीते साल के प्रारंभ में इसके दाम 88500 हो गए। इस साल दाम ने ऐसा कमाल किया है कि इसके दाम अब ढाई लाख के पार हो गए। लेकिन सटोरियों के कारण साल के अंत में एक सप्ताह के बंद बाजार में दाम कम ज्यादा होते रहे और साल के अंतिम दिन दाम 234200 रुपए रहे। इस तरह से साल भर में दाम इसके दाम में 1 लाख 45 हजार सात सौ रुपए का इजाफा हुआ।

ईरान में विद्रोह, 400 शहरों में बगावत...

दिया है। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने शनिवार को 'एक्स' पर लिखा, ईरान के बहादुर लोगों का अमेरिका समर्थन करता है। वहीं अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने अलग से चेतावनी देते हुए कहा, राष्ट्रपति ट्रंप के साथ खेल मत खेलिये, जब वह कुछ कहते हैं तो कर गुजरते हैं। ईरान के सरकारी टीवी पर प्रसारित एक वीडियो में सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चेतावनी को दरकिनार करते हुए कहा कि अमेरिका के हाथ ईरानियों के खून से सने हैं।

ट्रंप भारत को वेनेजुएला ...

शुरू करने की अनुमति देने के लिए तैयार है, तो जवाब स्पष्ट था। प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया हां, साथ ही इस बात पर जोर दिया कि इस पर अभी काम चल रहा है। अमेरिकी ऊर्जा सचिव क्रिस्टोफर राइट की हालिया टिप्पणियों का अधिकारी ने जिक्र किया, जिसमें कहा गया था कि वॉशिंगटन लगभग सभी देशों को वेनेजुएला का तेल बेचने के लिए तैयार होगा। राइट ने कहा कि अमेरिका वेनेजुएला से तेल निकालने की फिर से अनुमति दे रहा है, लेकिन केवल सख्त नियमों के तहत ही ऐसा होगा।

पुलिस की मौजूदगी में ...

बन गया। ग्रामीणों का कहना था कि मृतक और उसका परिवार पहले ही मतांतरण कर चुका है, इसलिए गांव की परंपराओं और सामाजिक नियमों के तहत उन्हें गांव में अंतिम संस्कार की अनुमति नहीं दी जा सकती। ग्रामीणों ने परिजनों के सामने दो विकल्प रखे या तो मूल धर्म में वापसी की घोषणा की जाए या फिर शव को गांव से बाहर ले जाकर अंतिम संस्कार किया जाए। जानकारी मिलते ही कांकेर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की टीम मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने दोनों पक्षों से बातचीत कर तनाव कम करने का प्रयास किया। दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद प्रशासन ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से शव को गांव से बाहर भेजने का निर्णय लिया। पुलिस की निगरानी में शव को जिले से बाहर अंतिम संस्कार के लिए रवाना किया गया।

भाजपा मंत्री और ...

मंत्री राजेश अग्रवाल और बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला पहुंचे। उनके बीच स्वस्थ्य वातावरण में कुछ देर खड़े-खड़े ही बात हुई उसके बाद भाजपा के मंत्री और विधायक वहां से निकलकर अपने-अपने गाड़ी में बैठकर रवाना हो गए। आज के दौर में जहां एक-दूसरे के कपड़ा फाड़ने वाली राजनीति चल रही है। ऐसे में सत्तापक्ष और विपक्ष के नेताओं के बीच इस तरह की मेल-मिलाप से एक अच्छा संदेश गया है।

राम मंदिर परिसर ...

हिरासत में ले लिया गया, जिसने कथित तौर पर उच्च सुरक्षा वाले राम मंदिर परिसर के अंदर नमाज पढ़ने का प्रयास किया और रोके जाने पर नारे लगाए।

ज्योतिर्लिंग के दर्शन .

प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, सोमनाथ में आकर धन्य महसूस कर रहा हूं, जो हमारी सभ्यतागत साहस का गौरवशाली प्रतीक है। यह यात्रा सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के दौरान हो रही है, जब पूरा देश 1026 में सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले हमले के 1000 वर्ष पूरे होने पर एकजुट हुआ है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ओएचई का प्रावधान/संशोधन हेतु ई-निविदा सूचना

निविदा संख्या : टीआरडी-बीएसपी-296-2025-26. दिनांकः 01/01/2026.
कार्य : बिलासपुर डिवीजन में इंजीनियरिंग कार्य अर्थात टीआरआर, टीआरआर(पी), टीआरआर(एस), टीएसआर(पी), टीटीआर और सीटीआर(एस) के संबंध में ओएचई का प्रावधान/संशोधन।
निविदा मूल्य : ₹ 2,38,69,655.99/-।
बयाना राशि : ₹ 2,69,400.00/-
निविदा जमा करने की तिथि व समय :- दिनांक 28.01.2026 के 15:00 बजे तक।
पात्रता के मापदंड तथा अन्य विस्तृत जानकारी के लिए कृपया हमारे वेबसाइट www.ireps.gov.in पर पधारें। निविदा सूचना को वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियंता (क.वि.), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर (छ.ग.) के कार्यालय के नोटिस बोर्ड से भी देखे जा सकते हैं।

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (क.वि.)
सीपीआर/10/586 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

कार्यालय- नगर पंचायत गण्डई,
जिला - खैरागढ़-छुईखदान - गण्डई (छ.ग.),

क्रमांक/4047/ लो.नि./ न.पं. / 2025-26 गण्डई, दिनांक 09/01/2026

ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा आमंत्रण सूचना
Main Portal:http//eproc.cgstate.gov.in

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत फर्म / संस्था / ठेकेदारों से नीचे उल्लेखित कार्यों हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती हैः-

क्र.	टेण्डर सिस्टम नम्बर	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)	निविदा डाउन लोड करने की अंतिम तिथि
1	183542	वार्ड क्र.14 में पाईप लाईन विस्तारी करण कार्य।	41.07	29.01.2026
2	183622	वार्ड क्र. 14 में पानी टंकी निर्माण कार्य।	36.06	30.01.2026

उपरोक्त निर्माण कार्य हेतु निविदा शर्ते धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टलं Main Portal: http//eproc.cgstate.gov.in वेबसाईट से डाउनलोड की जा सकती है। साथ ही यह जानकारी विभागीय वेबसाईड www.uad.cg.gov.in पर देखी जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत गण्डई

।। कार्यालय, जिला परिषद्, दुमका ।।
E-mail- z.pdumka2014@gmail.com

अल्पकालीन ई0-निविदा आमंत्रण सूचना संख्या- ZP-DUM-03/2026

1.कार्य का नाम :- जिला परिशदों को विभिन्न भवनों, परिसम्पत्तियों का निर्माण, मरम्मती एवं नवीकरण मद् अन्तर्गत में प्राप्त आवंटन से ली जानेवाली योजनाओं की निविदा सूची।

क्र0	कार्य का नाम	प्रा0 राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि	अभ्युक्ति
1	नेशनल स्कूल के सामने जिला परिषद् की जमीन पर विशाल मार्केट कॉम्पलैक्स का निर्माण।	4,99,00,000.00	9,98,000.00	10000.00	18 माह	

2.	वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि	दिनांक :- 24.01.2026
3.	ई-निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	दिनांक :- 13.02.2026 (अपराह्न 3:00 बजे तक)।
4.	निविदा खुलने की तिथि एवं समय	दिनांक :- 17.02.2026 (समय 2:00 बजे अपराह्न)
5.	निविदा खोलने का स्थान	जिला परिषद् कार्यालय, दुमका।
6.	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता	श्री रबीन कुमार मंडल, जिला अभियंता, जिला परिषद् दुमका।
7.	ई-निविदा प्रकोष्ठ का मोबाईल नंबर	9308098056
8.	निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल ऑन-लाईन मोड द्वारा ही स्वीकार्य होगा।	
9.	निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई0-भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो सारी जवाबदेही आपकी होगी।	

नोट :- उक्त निविदा में जिला परिशद्, दुमका के निबंधित संवेदक ही भाग ले सकते हैं।
निविदा द्वि-लिफाफा पद्धति के माध्यम से किया जायेगा।
बिना कोई कारण बताये निविदा को रद्द करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित रहेगा।
SBD के सभी शर्त इस ई0-निविदा में लागू रहेंगे।
विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

जिला अभियंता,
जिला परिषद्, दुमका

PR 370512 (District)25-26*D

homefirst We'll take you home

Home First Finance Company India Limited
CIN: L65990MH2010PLC240703,
Website: homefirstindia.com Phone No.: 18003008425 Email ID: loanfirst@homefirstindia.com

परिशिष्ट-IV-A [नियम 8 (6) का प्रावधान देखें]

अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए बिक्री सूचना

वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 (6) के प्रावधान के सह पठित के अंतर्गत अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए ई-नीलामी बिक्री सूचना

आम जनता को तथा विशेष रूप से ऋणी (ओं) और सह-ऋणी (ओं) को स्तंभ (ii) के अनुसार सूचित किया जाता है कि स्तंभ (iii) के अनुसार नीचे वर्णित अचल संपत्तियां सुरक्षित ऋणदाता के पास बंधक/प्रभारित हैं, जिनका भौतिक कब्जा होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा इसके बकाया तथा ब्याज की वसूली के लिए लिया गया है, जैसा कि नीचे विस्तृत रूप से बताया गया है तथा बकाया राशि का भुगतान करने में विफल रहने के परिणामस्वरूप, धारा 12 के तहत प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए नीचे हस्ताक्षरकर्ता उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के तहत उक्त संपत्ति/संपत्तियों की बिक्री से बकाया राशि वसूलने का प्रस्ताव है और इसे "जहां है, जैसा है", "जो है, जैसा है" और "जो कुछभी है" के आधार पर बेचा जाएगा, जैसा कि नीचे वर्णित है। होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड को देय कॉलम (i) के अनुसार उधारकर्ता (ओं) और सह-उधारकर्ताओं (ओं) से देय राशि की वसूली के लिए नीलामी "ऑन लाइन" आयोजित की जाएगी।

क्र. सं.	ऋणधारक (ओं) एवं सह ऋणधारक (ओं) के नाम	संपति का पता	मांग सूचना की तिथि	मांग सूचना की राशि	कब्जा की तिथि	आरक्षित मूल्य	ईएमडी राशि	नीलामी की तिथि व समय	ईएमडी व दस्तावेजों के प्रस्तुति की तिथि एवं समय	प्राधिकृत अधिकारी का नंबर
1.	चंदन देवांगन, बिटावन	प्लॉट-नया खसरा नं.-269/337 प.ह.नं.- 86, ख.नं. 269/3 का भाग, जिसका पुनः क्रमांक 269/337 है, क्षेत्रफल 1000 वर्ग फुट या 0.0093 हेक्टेयर। संपति स्थिति - रावाभाटा, लाल बहादुर शास्त्री वार्ड, वार्ड नंबर 12, प.ह.नं. 100/28/86, रा.नि.मं. रायपुर-21- रावाभाटा, तहसील धार, रायपुर, छत्तीसगढ़-492003 चौहद्दी : उत्तर-पटेल के स्वामित्व वाली भूमि, दक्षिण-बालाजी पॉलीप्लास्ट एवं अग्रवाल के स्वामित्व वाली भूमि, पूर्व-खसरा नं. 269 का भाग, पश्चिम- खसरा नं. 308 का भाग।	03-10-2025	22,19,937	08-12-2025	28,60,000	2,86,000	11-02-2026 (11 am-2pm)	09-02-2026 (up to 5pm)	8197388148

ई-नीलामी सेवा प्रदाता	ई-नीलामी वेबसाइट/ विवरण, अन्य नियम एवं शर्तों हेतु	खाता संख्या: ईमडी/अन्य राशि जमा करने हेतु	शाखा आईएफएससी कोड	लाभार्थी का नाम
कंपनी का नाम : ई-प्रोक्योरमेंट टेक्नोलॉजीस लि. (आक्शन टाईगर) हेल्प लाईन नंबर: 079-35022160/149/182 संपर्क व्यक्ति : राम शर्मा-8000023297 e-Mail id : ramprasad@auctiontiger.net and support@auctiontiger.net.	http://www.homefirstindia.com https://homefirst.auctiontiger.net	912020036268117 होम फर्स्ट फायनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड एक्सिस बैंक लि. एमआईडीसी, अंधेरी पूर्व	UTIB0000395	अधिकृत अधिकारी, होम फर्स्ट फायनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड

बोली वृद्धि राशि - रु. 10,000/- । बिक्री वेब पोर्टल (https://homefirst.auctiontiger.net) पर उपलब्ध ई-नीलामी प्लेटफॉर्म के माध्यम से नीचे हस्ताक्षरकर्ता द्वारा की जाएगी। ई-नीलामी निविदा दस्तावेज जिसमें ऑनलाइन ई-नीलामी बोली फॉर्म, घोषणा, ऑनलाइन नीलामी बिक्री के सामान्य नियम और शर्तें शामिल हैं, पोर्टल साइट पर उपलब्ध है। प्राधिकृत अधिकारी के सर्वोत्तम ज्ञान और जानकारी के अनुसार, संपत्तियों पर कोई भार नहीं है। हालांकि, इच्छुक बोलीदाताओं को अपनी बोली जमा करने से पहले भार, नीलामी में रखी गई संपत्ति/संपत्तियों के शीर्षक और संपत्ति को प्रभावित करने वाले दावों/अधिकारों/बकाया के बारे में अपनी स्वतंत्र जांच करनी चाहिए। ई-नीलामी विज्ञापन होम फर्स्ट की किसी भी प्रतिबद्धता या किसी भी प्रतिनिधित्व का गठन नहीं करता है और न ही इसे माना जाएगा। संपत्ति को सभी मौजूदा और भविष्य के भारों के साथ बेचा जा रहा है बिक्री वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत निर्धारित नियमों/शर्तों के अधीन होगी। **किसी प्रकार की अस्पष्टता के मामले में नोटिस का अंग्रेजी संस्करण प्रामाणिक माना जायेगा।**

सरफेसी अधिनियम, 2002 के अंतर्गत वैधानिक 30 दिन की बिक्री सूचना

ऋणधारक/जमानतदार को ई-नीलामी की तिथि से पहले मांग सूचना में उल्लिखित राशि के साथ-साथ वर्तमान ब्याज और सहायक व्यय का भुगतान करने के लिए अधिसूचित किया जाता है, अन्यथा संपत्ति की नीलामी/बिक्री की जाएगी और बकाया राशि, यदि कोई हो, ब्याज और लागत के साथ वसूल की जाएगी।

दिनांक: 11-01-2026
स्थान: रायपुर

द्वारा हस्ताक्षरित, प्राधिकृत अधिकारी,
होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड

शब्द पहेली - 6105

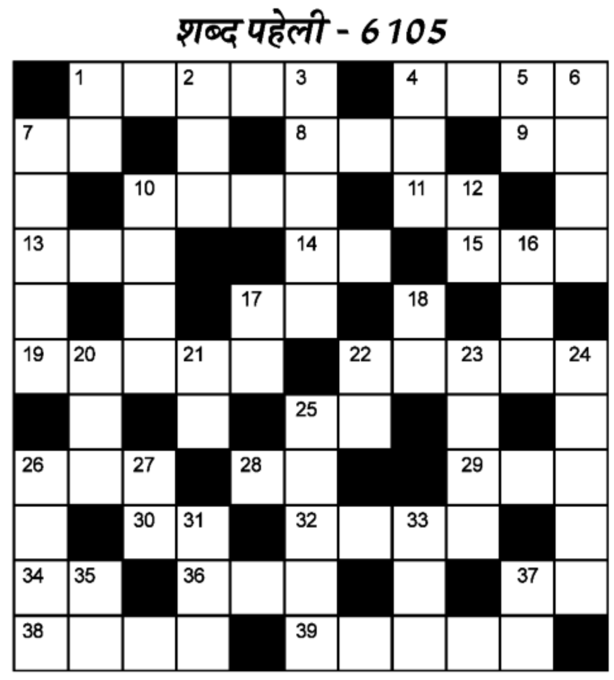

बाएँ से दाएँ
1.सहयोग की भावना-5
4.अकस्मात,एकाएक-4
7.पराजय-2
8.नाव चलाने वाला-3
9.भीगा हुआ-2
10.अनुवाद-4
11.बेल-2
13.योग्य,सही-3
14.घोड़ा गाड़ी-2
15.काव्य,गजल-3
17.अद्वैतभाव,कुर्बान-2
19.नामकरण-2,3
22.राजा का महल-5
25.प्रेम,ममता-2
26.कपड़े की दीवार-3
28.रास्ता,मार्ग-2
29.सिर,खोपड़ी-3
30.माप-2
32.गुस्सा करना-4
34.व्यंग,चुटीली बात-2
36.नायक,नेता-3
37.एक आंख वाला-2
38.रचनाकार-4
39.कृष्ण का एक नाम-3,2

ऊपर से नीचे
1.महोदय (अंग्रेजी-2)
2.डरपोक,भीरू-3
3.व्यंग कसना -5
4.बुद्धि-3
5.झुका हुआ-2
6.कर देने वाला-4
7.चोरी करना,छीनना (मु.-2,3)
10.तहखाना-4
12.एकटक देखना-2
16.वियोग,जुदाई-3
17.आमिर,काजोल की नई फिल्म-2
18.खुजली-2
20.घोटना,मंथन करना-3
21.पत्र,चिट्ठी-2
22.रास्ता-2
23.सुगंधित होना-4
24.बिजली का कौंधना-5
25.कुलीन स्त्री,देवी (उर्दू-5)
26.भगवान,ईश्वर-4
27.पेड़ का मध्य भाग-2
31.पटाखे की बाती,-3
33.अभिव्यक्ति-3
35.नृत्य,डांस-2
37.छोटी सवारी गाड़ी-2

शब्द पहेली- 6104 का हल

सूडोकु नवताल- 6115

★☆☆☆☆ सरल

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

■ MANGAL SENACHA, BANGALORE

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 6114 का हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

सिबिल स्कोर अच्छा होने के बावजूद क्रेडिट कार्ड क्यों हो जाता है रिजेक्ट

सुझाव | बिजनेस डेस्क

आज के समय में क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल जीवन का एक अहम हिस्सा बन चुका है। लोग ऑनलाइन शॉपिंग, बिल पेमेंट, ट्रैवल और कैशलेस ट्रांजेक्शन के लिए क्रेडिट कार्ड का सहारा लेते हैं। आम धारणा यह है कि अगर आपका सिबिल स्कोर अच्छा है तो बैंक आसानी से आपका क्रेडिट कार्ड अप्रूव कर देगा, लेकिन वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसा हमेशा जरूरी नहीं है। कई बार सिबिल स्कोर मजबूत होने के बावजूद भी बैंक क्रेडिट कार्ड रिजेक्ट कर देते हैं।

कार्ड की कैटेगरी व इनकम का मेल जरूरी

जानकारों का कहना है कि क्रेडिट कार्ड रिजेक्शन का सबसे बड़ा कारण कार्ड की कैटेगरी और आवेदक की इनकम होती है। उन्होंने कहा, "जिस क्रेडिट कार्ड के लिए आप आवेदन कर रहे हैं, क्या आपकी सैलरी उस कार्ड के लिए तय मानकों के अनुरूप है?" कई बार लोग प्रीमियम या हाई-कैटेगरी कार्ड के लिए आवेदन कर देते हैं, जबकि उनकी इनकम उस स्तर के कार्ड के लिए पर्याप्त नहीं होती। ऐसे मामलों में बैंक अप्रूवल देने से बचता है।

नौकरी की स्थिरता की अहम भूमिका

क्रेडिट कार्ड अप्रूवल में नौकरी की प्रकृति भी महत्वपूर्ण होती है। स्थायी नौकरी करने वाले कर्मचारियों को बैंक अपेक्षाकृत सुरक्षित मानते हैं। वहीं, कॉन्ट्रैक्ट या अस्थायी नौकरी करने वालों के प्रोफाइल को बैंक ज्यादा जोखिम भरा मान सकते हैं, जिससे कार्ड रिजेक्ट होने की संभावना बढ़ती है।

बार-बार आवेदन नुकसानदेह

कम समय में कई बैंकों से क्रेडिट कार्ड के लिए आवेदन करना भी नेगेटिव सिग्नल माना जाता है। बार-बार आवेदन करने से क्रेडिट प्रोफाइल प्रभावित होती है और बैंक इसे वित्तीय दबाव का संकेत मान सकते हैं।

मौजूदा लोन व ईएमआई भी देखता है बैंक

अगर किसी व्यक्ति पर पहले से कई लोन या भारी ईएमआई का बोझ है, तो बैंक नए क्रेडिट कार्ड के लिए मंजूरी देने में हिचकिचाता है। बैंक यह सुनिश्चित करना चाहता है कि ग्राहक की आय और खर्चों में संतुलन बना हुआ हो।

खाते वाले बैंक से कार्ड लेना फायदेमंद

विशेषज्ञों की सलाह है कि क्रेडिट कार्ड के लिए सबसे पहले अपने मौजूदा बैंक को प्राथमिकता दें।
जिस बैंक में आपका सेविंग अकाउंट है, वह आपके ट्रांजैक्शन पैटर्न और फाइनेंशियल बिहेवियर को बेहतर तरीके से समझता है, जिससे अप्रूवल के चांस बढ़ जाते हैं।

कम क्रेडिट कार्ड, ज्यादा भरोसेमंद प्रोफाइल

- अंत में विशेषज्ञों का कहना है कि एक व्यक्ति को एक या दो क्रेडिट कार्ड तक ही सीमित रहना चाहिए।
- ज्यादा क्रेडिट कार्ड होने पर बैंक आपके प्रोफाइल को जोखिम भरा मान सकता है, जिससे नए आवेदन रिजेक्ट होने की आशंका बढ़ जाती है।

क्या है सिबिल स्कोर

सिबिल स्कोर एक 3-डिजिट का नंबर होता है जो आपकी क्रेडिट हिस्ट्री को दर्शाता है। यह नंबर 300 से 900 के बीच होता है, और यह आपकी क्रेडिटवर्थीनेस को मापता है। सिबिल स्कोर आपके लायन, क्रेडिट कार्ड, और अन्य क्रेडिट प्रोडक्ट्स के भुगतान इतिहास, क्रेडिट उपयोग, और अन्य कारकों के आधार पर गणना किया जाता है।

बिजनेस साइट

जैन चुस्की चाय का लक्की ड्रा में कईयों ने जीते आईफोन चांदी के सिक्के और स्मार्ट टीवी

रायपुर। छत्तीसगढ़ समेत मध्य भारत के लोकप्रिय चाय उत्पाद जैन चुस्की चाय के चलाए जा रहे लक्की ड्रा ऑफर का समापन ग्राम बेंद्री रायपुर में गरिमामई समारोह में ग्रामवासियों के समक्ष में किया गया। इस आयोजन में उन ग्राहकों को पुरस्कार प्राप्त हुए, जिन्होंने जैन चुस्की चाय खरीद कर लकी कूपन भरा था। इसमें उन भाग्यशाली ग्राहकों को पांच आईफोन, 10 सैमसंग एंड्राइड फोन, 5 वोल्टास एसी 1.5 टन, 5 फ्रिज, 100 सिक्के 50 ग्राम और 100 सिक्के 25 ग्राम चांदी के सिक्के के साथ 5 54 इंच एमआई स्मार्ट टीवी के इनाम प्रदान करने के लिए बहुप्रतिक्षित लक्की ड्रॉ ग्राम पंचायत बेंद्री में समस्त ग्रामवासियों के गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर जैन चुस्की चाय के मैनेजिंग डायरेक्टर यशवंत जैन,डायरेक्टर नमन जैन, भारी संख्या में ग्राहक,व्यापारी और बेंद्री के ग्रामीण उपस्थित थे। इनमें पूर्व सरपंच विमल साहू, साहू समाज के अध्यक्ष संतुराम साहू, पुष्पेन्द्र साहू, होरीलाल यादव, कृपा देवांगन, खुमेश साहू आदि की उपस्थित रहे। जैन ट्रेडर्स के संचालक यशवंत जैन ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग करने के लिए समस्त ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया।
इसके अलावा चांदी के सैकड़ों सिक्के एवं 5 स्मार्ट टीवी के विजेताओं के कूपन भी निकाले गए। इस संबंध में जानकारी देते हुए यशवंत जैन ने बताया कि जैन ट्रेडर्स, जो कि जैन चुस्की चाय के निर्माता है वे हमेशा अपने सम्माननीय ग्राहकों को श्रेष्ठ क्वालिटी के स्वादिष्ट चाय उपलब्ध करवाने के लिए संकल्पित है। हमारी हमेशा से कोशिश रहती है कि चाय के साथ उनको यादगार उपहार भी मिलता रहे। इसी कड़ी में हम अपने कस्टमर्स के लिए लगातार लक्की ड्रॉ का आयोजन कर उनको यादगार उपहार भी उपलब्ध करवाते हैं। इससे कि हमारा सीधा संपर्क अपने ग्राहकों से बना रहे।

निवेशक सोने और चांदी की तरफ कर रहे रुख, पोर्टफोलियो में बनाएं विविधता

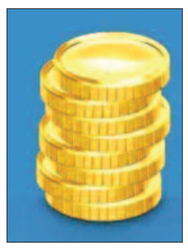

अस्थिरता के दौर में गोल्ड या सिल्वर ईटीएफ?

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

- पोर्टफोलियो में थोड़ी मात्रा में चांदी जोड़कर विविधता लाएं

सोना और चांदी दोनों की कीमतें डॉलर में तय होती हैं, इसलिए उनकी वैल्यू डॉलर की मजबूती पर निर्भर करती है। मजबूत डॉलर धातुओं को अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के लिए महंगा कर देता है, जिससे मांग घट सकती है, जबकि कमजोर डॉलर का प्रभाव उलटा होता है। हालांकि कुछ मैक्रो परिस्थितियों जैसे उच्च मुद्रास्फीति के समय, डॉलर और सोना दोनों एक साथ भी बढ़ सकते हैं।

अमेरिका–वेनेजुएला संघर्ष और बढ़ती भू-राजनीतिक अनिश्चितता के बीच, निवेशक तेजी से सोना और चांदी जैसे पारंपरिक सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं। म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए मुख्य सवाल अब यह है कि क्या उन्हें गोल्ड ईटीएफ, सिल्वर ईटीएफ या दोनों का मिश्रण चुनना चाहिए? बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि मौजूदा भू-राजनीतिक तनाव के दौरान पोर्टफोलियो में गोल्ड ईटीएफ की भूमिका अधिक होनी चाहिए। क्योंकि सोना अधिक स्थिरता प्रदान करता है और एक भरोसेमंद हेज का काम करता है। सिल्वर ईटीएफ को कम अनुपात में रखा जा सकता है क्योंकि इनमें अधिक उतार-चढ़ाव होता है और इनकी मांग काफी हद तक औद्योगिक उपयोग पर निर्भर है।

अलग-अलग भूमिका है दोनों धातुओं की

दोनों धातुएं पारंपरिक रूप से अलग-अलग भूमिकाएं निभाती हैं। पोर्टफोलियो पोजिशनिंग के दृष्टिकोण से अधिकांश निवेशकों को दोनों में संतुलित निवेश रखना चाहिए। सोना प्राथमिक सुरक्षित-निवेश एंकर बना रहना चाहिए, जबकि चांदी पूरक भूमिका निभाते हुए कुछ चरणों में अधिक रिटर्न दे सकती है। निवेशक यह कभी न भूलें कि कोई भी एसेट क्लास हर समय नहीं जीतता। इसलिए इक्विटी और डेट सहित मल्टी-एसेट पोर्टफोलियो बनाना जरूरी है।

मौजूदा समय में पोर्टफोलियो में गोल्ड ईटीएफ की भूमिका अधिक होनी चाहिए
■
सोना अधिक स्थिरता प्रदान करता है और एक भरोसेमंद हेज का काम करता है
■
निवेशक ध्यान रखें कोई भी एसेट क्लास हर समय नहीं जीतता

नए निवेशक क्या करें?

इस सप्ताह सोना और चांदी मजबूत बढ़त के साथ खुले और बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों के बीच एक सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। अनिश्चितता के इस दौर में यह सवाल भी उभरता है कि पहली बार निवेश करने वालों के लिए फोकस कहां होना चाहिए? ऐतिहासिक रूप से भू-राजनीतिक तनाव के समय सोना मजबूत सुरक्षित-निवेश माना गया है और केंद्रीय बैंकों की अधिक भागीदारी, व्यापक वैश्विक स्वीकार्यता और गहरी लिक्विडिटी के कारण सोना आमतौर पर संकट के समय बेहतर प्रदर्शन करता है। पहली बार निवेश करने वालों को सोने के ईटीएफ में मुख्य सुरक्षित-निवेश करना चाहिए, लेकिन पोर्टफोलियो में थोड़ी मात्रा में चांदी भी जोड़कर विविधता लाई जा सकती है।

मुद्रा विनिमय दर का भी होता है असर

मुद्रा विनिमय दरों का उतार-चढ़ाव भी सोना और चांदी ईटीएफ से मिलने वाले रिटर्न को प्रभावित करता है। सोना एक कीमती धातु के रूप में, आम तौर पर डॉलर और ब्याज दरों में बदलाव के प्रति अधिक संवेदनशील होता है, जबकि चांदी मुद्रा उतार-चढ़ाव के अलावा वैश्विक वृद्धि की उम्मीदों पर भी प्रतिक्रिया करती है। अमेरिका–वेनेजुएला संघर्ष ने तेल की कीमतों और मुद्रास्फीति को लेकर चिंताएं भी बढ़ा दी हैं। बढ़ती तेल कीमतें मुद्रास्फीति को ऊपर धकेल सकती हैं, जिससे आम तौर पर कीमती धातुओं को समर्थन मिलता है क्योंकि निवेशक बढ़ती लागत के खिलाफ हेज की तलाश करते हैं।

डॉलर की कीमत कैसे करेगी प्रभावित?

वेनेजुएला ऑपरेशन के बाद दिए गए बयान में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अब हम वेनेजुएला को चलाने जा रहे हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिका अन्य देशों को वेनेजुएला का काफी तेल बेचेगा।इन हालात में निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण सवाल यह भी है कि डॉलर की मजबूती और मुद्रा-विनिमय उतार-चढ़ाव सोना और चांदी की कीमतों को कैसे प्रभावित करते हैं? असल में सोना और चांदी दोनों ही आम तौर पर डॉलर के विपरीत दिशा में चलते हैं। मजबूत डॉलर कीमतों पर दबाव डालता है, जबकि कमजोर डॉलर उन्हें सपोर्ट करता है। सोना मुद्रा और ब्याज-दर के उतार-चढ़ाव के प्रति अधिक संवेदनशील है, जबकि चांदी पर आर्थिक और औद्योगिक गतिविधि का भी प्रभाव होता है।सोना और चांदी दोनों की कीमतें डॉलर में तय होती हैं, इसलिए उनकी वैल्यू डॉलर की मजबूती पर निर्भर करती है। मजबूत डॉलर धातुओं को अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के लिए महंगा कर देता है, जिससे मांग घट सकती है, जबकि कमजोर डॉलर का प्रभाव उलटा होता है। हालांकि कुछ मैक्रो परिस्थितियों जैसे उच्च मुद्रास्फीति के समय, डॉलर और सोना दोनों एक साथ भी बढ़ सकते हैं। इसके अलावा, चांदी के औद्योगिक उपयोग के कारण कमजोर डॉलर अक्सर इस कीमती धातु में तेज बढ़त को ट्रिगर करता है क्योंकि विदेशी विनिर्माण मांग बढ़ जाती है।

आक्रामक रणनीति नहीं रीबैलेंसिंग करें

एक सवाल यह भी है कि निवेशकों के लिए मौजूदा परिस्थिति में क्या यह समय एक्सपोजर बढ़ाने का है या सिर्फ मौजूदा गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ पोर्टफोलियो को रीबैलेंस करने का? दूसरी बात क्या बढ़ती मुद्रास्फीति या तेल कीमतें गोल्ड बनाम सिल्वर के दृष्टिकोण को प्रभावित कर सकती हैं? ऐसे में मल्टी-एसेट पोर्टफोलियो बनाना जरूरी है, क्योंकि कोई भी एसेट हमेशा नहीं जीतता। इसके बावजूद मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए कीमती धातुएं अब भी पोर्टफोलियो की सुरक्षा और विविधता के लिए आकर्षक विकल्प हैं। साथ ही निवेशक आक्रामक रूप से एक्सपोजर बढ़ाने के बजाय मौजूदा होल्डिंग्स को रीबैलेंस करें और बढ़ती मुद्रास्फीति और तेल कीमतें आम तौर पर सोने को समर्थन देती ही हैं।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment आवश्यकता

सुरक्षागार्ड

अतिशीघ्र आवश्यकता है- कंप्यूटर ऑपरेटर 2 टेंडर कार्य, 20000 मार्केटिंग ऑफिसर 3, 40000 योग्यता MA/ MBA सुपरवाइजर 15, 15000 फील्ड अधिकारी 5, सुरक्षा गार्ड 66, 13000, 10000 वेतन योग्यतानुसार **संपर्क:- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालय:- 06-जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ीनाका रायपुर 7747000016, 7746000016, 7746000019.** (RO-348)

ड्रायवर

आवश्यकता है- ड्राइवर चाहिए (घर शॉप के लिए) अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता। समय: सुबह 10 बजे से रात 9 बजे तक। वेतन: 15,000–20,000 रविवार अवकाश। **संपर्क करें: 7222929111.**(RO-0321)

आवश्यकता है- पहाड़ी चौक गुढ़ियारी स्थित गोडाउन में D I चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है। कार्य समय 9 से 7 बजे। **क्लासिक स्पार्कलर्स फाफाडीह चौक रायपुर 9329425583.** (RO-90)

नर्सिंग स्टाफ/ऑपरेटर

आवश्यकता है- हॉस्पिटल में कार्य करने हेतु प्रशिक्षित व अनुभवी नर्सिंग स्टाफ, वार्ड बॉय एवं महिला कंप्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है, **श्री कृष्ण हॉस्पिटल मेन रोड न्यू राजेंद्र नगर रायपुर संपर्क करें:- 9691631006, 9617952445.**(RO-6528)

हरिभूमि क्लासीफाईड
छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

पेट्रोल पंप कर्मी

आवश्यकता है- पेट्रोल पम्प में कार्य करने हेतु युवक/युवतियो की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता। इच्छुक व्यक्ति बायोडाटा सहित **सम्पर्क करें डागा पेट्रोल पम्प फाफाडीह चौक स्टेशन रोड रायपुर मो 8109135400, 9179380728.**(RO-91)

बिलिंग/ऑपरेटर

आवश्यकता है- थोक कपड़ा दुकान में स्टाफ की आवश्यकता है कम्प्युटर पर बिलिंग, कम्प्युटर ऑपरेटर, माल पैकिंग तथा दुकान कार्य हेतु 10 से 15 लड़के चाहिए। मिलने का समय: दोपहर 3 से 6 बजे तक चुन्नीलाल केसरीमल बरलोटा शॉप नंबर डी 29- 30 **प्रथम गेट टेक्सटाइल मार्केट पंडरी रायपुर संपर्क: 9425506658, 9424200658, 9977252503.**(RO-7267)

होलशॉप कार्य

आवश्यकता है- आटो एसेसरीज होल शॉप में कार्य हेतु स्मार्ट एंव लड़के लड़कियों की आवश्यकता है । **संपर्क - श्री राम आटो एसेसरीज एम.जी. रोड रायपुर:- 9300627327.** (RO-6531)

इंचार्ज/ऑपरेटर

आवश्यकता है- स्टोर इंचार्ज, गोदाम इंचार्ज, कंप्यूटर ऑपरेटर, ड्राइवर + हेल्पर, सेल्स बॉय, सेल्स गर्ल एवं पैकिंग लड़कों की आवश्यकता है। **पता : गोकुल सुपर बाजार (पंडरी) मोबाइल : 9243097900, 9329483500.**(RO-2648)

सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- सेल्स गर्ल्स, लड़कियों की आवश्यकता है एवं रिपेरिंग के लिए सोनार की आवश्यकता है **संपर्क करें :-ओम ज्वैलर्स इंदिरा मार्केट शॉप नंबर 64 b प्रिया सिंगर सदन के सामने दुर्ग** |(आरो न.-4131)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य एवं टेलीकॉलिंग हेतु अविवाहित उत्साही लड़को की आवश्यकता है, उम्र 18-28, वेतन 10,000/- +कमीशन +बोनस, ट्रेनिंग के पश्चात कमाये 15-20 हजार प्रतिमाह, रहना फ्री **संपर्क:- 7870192397, 7796880121.**(RO-455)

आवश्यकता है- शहर से बाहर ऑफिस कार्य हेतु 18 से 28 तक अविवाहित युवकों की अतिशीघ्र आवश्यकता है, जो देवास इंदौर भोपाल रीवा में रहकर कार्य करे योग्यता, 10वी, 12वी, स्नातक, वेतन - 12000 +कमीशन+बोनस रहना खाना फ्री , ट्रैवल फ्री, कोई भी फीस नहीं ली जाएगी , कमाए 20 से 25 हजार महीना कमाने के लिए शीघ्र **संपर्क करें... 8085952611, 7880133552.**(RO-525)

रूम सर्विस कार्य

आवश्यकता है- उत्कल लॉज में रूम सर्विस कार्य हेतु लड़के/लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार बाहर से आने वाले को रहना/ खाना फ्री शीघ्र **संपर्क करें:- शॉप नं.- 31 रविशंकर शुक्ला मार्केट बस स्टैंड पावर हाउस भिलाई मो.- 9039136944, 6266152977.**(आरो न.-210)

सेल्समैन

आवश्यकता है- रायपुर एवं आसपास के इलाके में डिटर्जेंट पाउडर,टॉयलेट सोप,टॉयलेट क्लीनर,सभी प्रकार के क्लीनिंग प्रोडक्ट की मार्केटिंग के लिए सेल्समैन की आवश्यकता है केवल **FMCG लाइन में काम किए हुए अनुभवी ही संपर्क करे । मोबाइल 9111880555.** (RO-446)

हरिभूमि क्लासीफाईड
छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

टेक्नीशियन/नर्स

शीघ्र आवश्यकता है- 1. दो OT टेक्नीशियन (Male) 2. एक स्टाफ नर्स (Female) स्किनरूट्स स्किन और हेयर ट्रांसप्लांट क्लिनिक मैन रोड शंकर नगर रायपुर **नैवेद्य मिठाई दुकान के ऊपर दूसरी मंजिल । मो. नं. 8700353466/ 9977488878.** (RO-6529)

कारीगर

आवश्यकता है- राजनांदगाव में हाथ से पापड़ बनाने के लिए 2 महिला एवं 1 पुरुष कारीगर की आवश्यकता है,जिनको पापड़ बनाने का अनुभव हो **संपर्क करें..9826850000.**(RO-449)

ऑफिसर/कस्टमर केयर

आवश्यकता है- शिवाय & रूद्र कार्पोरेशन को सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए सर्वे & वेरीफिकेशन ऑफिसर, कस्टमर केयर एक्जीक्यूटिव की आवश्यकता हैं, योग्यता- ग्रेजुएशन, 12th, +बाइक +लैपटॉप या कंप्यूटर +फोन नंबर (मोबाइल के साथ) वेतन 20,000 प्रतिमाह **संपर्क:- 6262607764, 6262607765.** (RO-459)

आवश्यकता

आवश्यकता है- रायपुर में एक बूढ़े व्यक्ति के रोज के कामों में मदद करने के लिए लड़के की आवश्यकता है। रहने और खाने की व्यवस्था है। आधार और अपना फोन होना चाहिए। **संपर्क करें 9752540608.** (RO-445)

मेडिकल स्टोर्स

आवश्यकता है- PHARMACY STORE में कार्य करने हेतु युवक/ युवती की तत्काल आवश्यकता है योग्यता - 12वीं (Bio)/B.Sc/D.Phrma वेतन योग्यतानुसार अनुभवी को प्राथमिकता **मो - 9340109886.**(आरो न.-209)

क्लासीफाईड

नर्स

आवश्यकता है- NICU/PICU फीमेल नर्स की 12 घंटे की डे शिफ्ट व 12 घंटे की नाईट शिफ्ट हेतु अलग अलग 2 नर्स की सिविल लाइंस रायपुर स्थित घर में नवजात शिशु हेतु आवश्यकता है, नर्स की उम्र न्यूनतम 30 वर्ष हो, तथा जो तुरंत जॉइन कर सके वही संपर्क करें। जिस भी हॉस्पिटल मे NICU/PICU विभाग में कार्य किया है वहाँ का अनुभव प्रमाण पत्र आवश्यक है। सैलरी 30000- 35000/- प्रतिमाह। **संपर्क:- 96447-20222.** (RO-21)

मैनेजर

आवश्यकता है- बर्जर पेंट शॉप में कार्य हेतु लड़कों की,वेतन 10 से 12,000, एवं जनरल मैनेजर(m/f) ग्रेजुएट वेतन 15,000 से 20,000 अमृत सेल्स , स्टेशन रोड ,रायपुर । **मोबाइल 9827174205.** (RO-450)

Education शिक्षण

प्रवेश प्रारंभ- फेल विद्यार्थी समय बचाए पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी पास करे:- B.A, B.COM, B.Sc, BCA, MCA, BBA, M.A, M.COM, M.SC, MBA, MSW, B.LIB, M.LIB, DCA, PGDCA, POLYTECHNIC, B.Tech,(अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करे) सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा **संपर्क Bharti Education Academy Sector-6 Bhilai 9826196515, 9826896515.**(आरो न.-4129)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

Property प्रापर्टी

मकान

मकान बेचना है- विक्रय हेतु नया 2 BHK मकान भाठागांव, रायपुर – वॉलफोर्ट सिटी के पास। 936 वर्गफुट प्लॉट पर निर्मित, नया व तुरंत रहने योग्य। कीमत 45,00,000/- **संपर्क: 8770154998.**(RO-6530)

प्लाट

FOR SALE- Near Gayatri Palace, Chikhli, commercial diverted plots available for sale, 1000 & 3000 Sq.Ft. Contact: **70498 11111.** (आरो नं.-SPD/0018)

फ्लैट

फ्लैट बेचना है- भिलाई में सर्वसुविधायुक्त 3BHK फ्लैट 1700 वर्गफुट खेत्रफल, शुभकामना अपार्टमेंट, आशीष नगर पश्चिम, बेचना है। 24 घंटा पानी, चौकीदार, लिफ्ट की सुविधा भी है। सोसायटी सरकार **संपर्क करें -मो.- 9407981060.** (आरो न.-700)

For Rent किराया

किराये से देना है- हॉस्पिटल संचालन हेतु 12,000 स्क्वायर फीट बना, 6000 स्क्वायर फीट की बेसमेंट पार्किंग, विशाल जगह उपलब्ध। पता- क्रोमा शोरूम के पीछे, रिंगरोड नं.1 से लगा हुआ, भाठागांव, रायपुर। **संपर्क करें:- 9893123911, 7000861063.** (RO-464)

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

Finance फायनेंस

फाइनेंस - बसुधा फाइनेंस द्वारा सभी प्रकार लोन उपलब्ध बिजनेस, पर्सनल, कृषि महिला समूह, मकान, दुकान, लघु उद्योग, पर्सनल लोन, आधार कार्ड, पैन कार्ड प्रति उपलब्ध (2% ब्याज) (30% छूट) **संपर्क:- 9438611337.** (RO-461)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पुर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Healthcare
छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी,धातु का पतलापन,शुगर,बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

सबालेंका ने मुचोवा को हराया, फाइनल में बनाई जगह

ब्रिस्बेन इंटरनेशनल

एजेंसी ▸▸ ब्रिसबेन

विश्व नंबर एक एरीना सबालेंका ने ब्रिसबेन इंटरनेशनल के सेमीफाइनल में कैरोलिना मुचोवा को 6-3, 6-4 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। मौजूदा चैंपियन सबालेंका ने पैट राफ्टर एरिना में खेले गए मुकाबले में चौथे मैच प्वाइंट पर जीत दर्ज की। सबालेंका के सामने रविवार को होने वाले फाइनल में मार्ता कोस्तयुक की चुनौती होगी। मार्ता ने चौथी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को 6-0, 6-3 से हराकर रैंकिंग में शीर्ष 10 में शामिल खिलाड़ी के खिलाफ लगातार तीसरी जीत दर्ज की। इससे पहले शुक्रवार को सबालेंका ने मैडिसन कीज़ को 6-3, 6-3 से मात दी थी। कीज ने पिछले साल मेलबर्न पार्क में खेले गए ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल में सबालेंका को हराकर अपना पहला ग्रैंड स्लैम महिला एकल खिताब जीता था। ब्रिसबेन में चल रहे पुरुष वर्ग के टूर्नामेंट में अमेरिका के दो खिलाड़ियों के बीच हुए सेमीफाइनल में ब्रैंडन नकाशिमा ने एलेक्जेंडर कोवासेविच को 7-6 , 6-4 से हराया।

एलिना स्वितोलिना की फाइनल में एंट्री, अब शिंजु से मुकाबला

ऑकलैंड टूर्नामेंट

एजेंसी ▸▸ ऑकलैंड

शीर्ष वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना ने अमेरिकी युवा इवा जोविक को 7-6 (5), 6-2 से हराकर दूसरी बार ऑकलैंड डब्ल्यूटीए टूर टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। विश्व रैंकिंग में 13वें स्थान पर काबिज स्वितोलिना इससे पहले 2024 में भी इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची थीं, जिसमें उन्हें अमेरिकी स्टार कोको गॉफ से हार का सामना करना पड़ा था। अब रविवार को होने वाले फाइनल में स्वितोलिना का मुकाबला चीन की सातवीं वरीयता प्राप्त वांग शिंजु से होगा। वांग ने दूसरे सेमीफाइनल में फिलीपींस की चौथी वरीय एलेक्जेंड्रा ईला को 5-7, 7-5, 6-4 से हराया।

बेलिंडा का शानदार प्रदर्शन, पहली बार फाइनल में स्विट्जरलैंड

यूनाइटेड कप

एजेंसी ▸▸ सिडनी

बेलिंडा बेनसिच ने सप्ताह का अपना आठवां मुकाबला जीतते हुए निर्णायक मिश्रित युगल में याकूब पॉल के साथ मिलकर बेल्जियम की एलिस मर्टेंस और जिजू बर्ग्स की जोड़ी को 6-3, 0-6, 10-5 से हराकर स्विट्जरलैंड को यूनाइटेड कप के फाइनल में पहुंचा दिया। इस टीम स्पर्धा में बेनसिच ने इस सप्ताह अपने चारों एकल मुकाबले और चारों मिश्रित युगल मैच जीतकर शानदार प्रदर्शन किया है। बेनसिच ने इससे पहले मर्टेंस को 6-3, 4-6, 7-6 से हराकर सत्र की अपनी अपराजेय एकल जीत का सिलसिला बरकरार रखा और स्विट्जरलैंड को 1-0 की बढ़त दिलाई। सत्र के अंत में संन्यास लेने जा रहे स्टान वावरिंका को बर्ग्स ने 6-3, 6-7 (4), 6-3 से हराकर मुकाबला मिश्रित युगल तक पहुंचा दिया। रविवार को खेले जाने वाले फाइनल में स्विट्जरलैंड के सामने अमेरिका और पोलैंड के बीच खेले जा रहे सेमीफाइनल के विजेता की चुनौती होगी।

खबर संक्षेप

मुंबई इंडियंस ने दिल्ली कैपिटल्स को हराया

नवी मुंबई। महिला प्रीमियम लीग के अपने दूसरे मुकाबले में मुंबई इंडियंस की टीम ने दिल्ली कैपिटल्स की टीम को 50 रनों से हरा दिया। इस मैच में मुंबई की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कमाल का खेल दिखाया और टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका अदा की। मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 195 रन बनाए। इसके बाद दिल्ली कैपिटल्स की टीम 145 रनों पर सिमट गई। नेट सेवियर ब्रंट और हरमनप्रीत कौर ने दमदार अर्धशतक लगाए। इन दोनों प्लेयर्स ने मिलकर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। ब्रंट ने 46 गेंदों में कुल 70 रन बनाए, जिसमें 13 चौके शामिल रहे। हरमनप्रीत ने 42 गेंदों में कुल 74 रन बनाए, जिसमें 8 चौके और तीन छक्के शामिल रहे।

रो-को से बड़ी पारी की आस, आज से न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज

न्यूजीलैंड टीम में नए और युवा खिलाड़ियों की भरमार

एजेंसी ▸▸ वडोदरा

न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में रविवार 11 जनवरी को खेले जाने वाले शुरुआती मैच में भारतीय टीम विराट कोहली और रोहित शर्मा की शानदार लय के साथ आगे बढ़ने की उम्मीद करेगी। न्यूजीलैंड की टीम नए और युवा खिलाड़ियों की भरमार है लेकिन पूरी ताकत के साथ उतर रही भारतीय टीम के लिए रोहित और कोहली के नजरिए से श्रृंखला अहम है। अगले महीने वाली टी20 विश्व कप के कारण वनडे श्रृंखला की अहमियत थोड़ी कम है लेकिन अगले सात दिनों में होने वाले तीन वनडे मैचों में कोहली और रोहित आकर्षण का केंद्र रहेंगे। दोनों दिग्गजों को हाल ही में विजय हजारे ट्रॉफी के लीग चरण में अच्छा मैच अभ्यास मिला है। उन्होंने इस घरेलू टूर्नामेंट में बड़े स्कोर बनाकर यह जता दिया कि उनका दौर अभी खत्म नहीं हुआ है। ऋषभ पंत न्यूजीलैंड के खलिाफ वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। वडोदरा में सीरीज के ओपनिंग मैच से पहले पंत को शनिवार को नेट्स सेशन के दौरान चोट लगी थी।

जडेजा ने किया पूरे दमखम के साथ अभ्यास

रविंद्र जडेजा ने पूरे दमखम के साथ अभ्यास किया, जिससे उनकी उपलब्धता के संकेत मिले। जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या को टी20 प्रतिबद्धताओं के मद्देनजर एकदिवसीय श्रृंखला से आराम दिया गया है। ऐसे में तेज गेंदबाजी का दारोमदार मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा पर रहेगा। कुलदीप यादव, वॉशिंगटन सुंदर और जडेजा स्पिन विभाग संभालेंगे। शाम की ओस और सपाट पिचों की प्रकृति को देखते हुए इस प्रारुप में आक्रामक विकेट लेने की बजाय रन रोकने पर अधिक जोर रहेगा यह पहला मौका होगा जब कोटाम्बी स्थित बड़ौदा क्रिकेट संघ के नए स्टेडियम में पुरुषों का कोई अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला जाएगा। इससे पहले यह मैदान भारत और वेस्टइंडीज के बीच महिला वनडे श्रृंखला की मेजबानी कर चुका है।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, रोहित शर्मा, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रविंद्र जडेजा, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा।

न्यूजीलैंड: माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), डेवोन कॉन्वे , मिचेल हे (विकेटकीपर), निक केली, हेनरी निकोल्स, विल यंग, जोश क्लार्कसन, जैक फॉल्क्स, डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, आदित्य अशोक, क्रिस्टियन क्लर्क, काइल जैमीसन, जेडन लेनॉक्स, माइकल रे।

वैभव ने 192 की स्ट्राइक रेट से जड़े 96 रन

नई दिल्ली। वैभव सूर्यवंशी का अंडर 19 वर्ल्ड कप से पहले जबरदस्त खेल जारी है। उन्होंने टीम इंडिया के पहले वॉर्म अप मुकाबले में स्कॉटलैंड के खिलाफ 96 रन की आतिशी पारी खेली। वैभव सूर्यवंशी ने ओपन करते हुए 50 गेंद का सामना किया और नौ चौके व सात छक्के उड़ाए। उनकी स्ट्राइक रेट 192 की रही।

DELHI PUBLIC SCHOOL
(Under the aegis of the Delhi Public School Society, Delhi)
RISALI SECTOR, BHILAI (C.G.) 490 006
(Co-Educational, English Medium, CBSE Affiliation No.3330009)
ADMISSION NOTICE
CLASSES NURSERY, IX & XI (2026-'27)
Online Registration for admission to classes IX & XI is OPEN NOW.
Limited seats. Hostel facilities available.
Online registration for admission to class NURSERY:
25 to 30 January 2026.
For more details visit our website www.dpsbhilai.in
Principal

यूको बैंक UCO BANK
सम्मान आपके विश्वास का Honours Your Trust
यूको बैंक : अंचल कार्यालय
पता : छत्तीसगढ़ नेत्र चिकित्सालय परिसर, तेलीबांधा, रायपुर
फोन नं. 0771-4233116, 4233115, ईमेल: zoraipur.rec@uco.bank.in

परिशिष्ट IV देखें, [नियम 8 (1)] के तहत

कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति के लिए)

अधोहस्ताक्षरकर्ता ने **यूको बैंक** का प्राधिकृत अधिकारी होते हुए वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम 2002 (2002 का 54) के अधीन और धारा 13(12) और सपठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 3 के अधीन तहत प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में मांग सूचना जारी की थी तथा ऋणी को मांग सूचना में उल्लिखित धनराशि जिसका विवरण नीचे दिया गया है का भुगतान सूचना प्राप्ति के 60 दिनों भीतर करने को कहा गया था। ऋणी के यह राशि लौटाने में विफल होने पर ऋणी/बंधककर्ता और सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उक्त अधिनियम की धारा 13 उपधारा (4) सपठित उक्त नियम 8 के तहत उसको प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में एतस्मिन नीचे वर्णित सम्पत्तियों का आधिपत्य (कब्जा) नीचे वर्णित दिनांक को ग्रहण कर लिया है तथा जिसका विवरण अधोवर्णित है।

क्र. सं.	शाखा	ऋणी का नाम	संपत्ति का विवरण	मांग सूचना की तिथि / सांकेतिक कब्जा सूचना की तिथि / बकाया राशि
01	धमतरी शाखा	ऋणी - श्री बाबूलाल प्रजापति पुत्र दुलारामप्रजापति प्रोपाईटर मेसर्स दीपक मार्बल	श्री बाबूलाल प्रजापति के नाम पर स्थित संपत्ति का वह भाग, आवासीय खसरा संख्या 1653/28, प्लॉट क्षेत्रफल 1500 वर्ग फुट, पीएच संख्या 16/22, श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड संख्या 10, तहसील धमतरी, जिला धमतरी, छत्तीसगढ़ में स्थित है। सीमाएँ - उत्तर में अन्य प्लॉट, पूर्व में अन्य प्लॉट, दक्षिण में जगदीश रोहरा और पश्चिम में 30 फीट चौड़ी सड़क।	19/07/2025 09/01/2026 ₹ 20,54,579.38 + ब्याज देय और अन्य खर्च

ऋणी/बंधककर्ता को विशिष्ट रुप से और सर्वसाधरण को सामान्य रुप से एतद् द्वारा सम्पत्ति के साथ व्यवहार (क्रय-विक्रय) नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और उक्त सम्पत्ति का **किसी भी प्रकार से क्रय-विक्रय यूको बैंक के मूल ब्याज व अन्य व्यय के भार के अधीन होगा** जिसका विवरण निम्न प्रकार है।

उधारकर्ता/गारंटर/बंधककर्ता (यों) का ध्यान सुरक्षित परिसंपत्तियों को छुड़ाने के लिये उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों के लिये आमंत्रित किया गया है।

दिनांक : 09.01.2026 स्थान : धमतरी (छ.ग.) प्राधिकृत अधिकारी / यूको बैंक

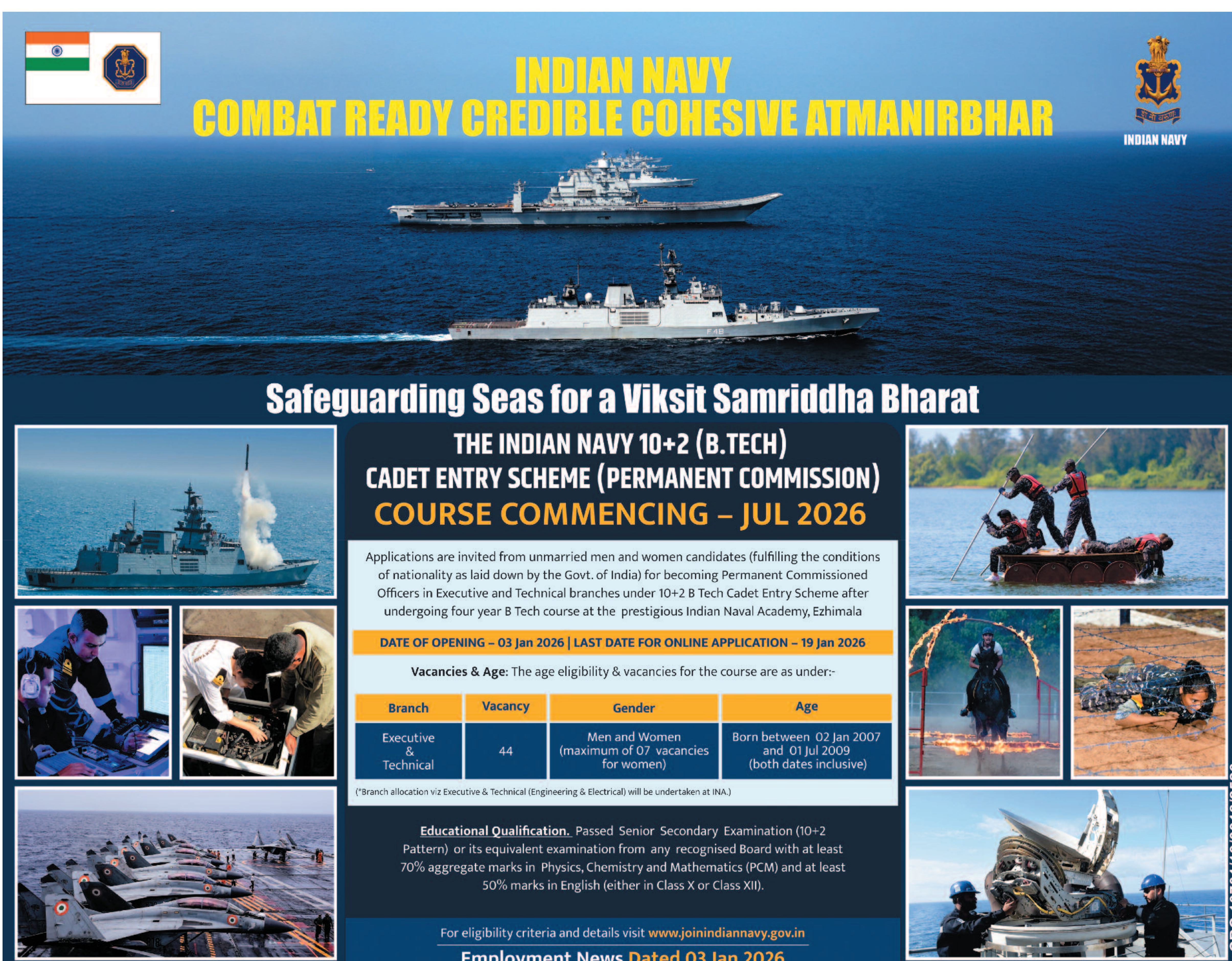

इस गांव में कुछ भी छूना है मना, नहीं चलता भारत का कानून

कुल्लू। हिमाचल प्रदेश की वादियों में एक छोटा-सा गांव बसा हुआ है, जिसकी खूबसूरती देखकर आप मंत्रमुग्ध हो जाएंगे। हम बात कर रहे हैं मलाणा की, जो कुल्लू जिले का एक रहस्यमयी गांव है। यहां आने वाले यात्रियों को कुछ भी छूने की इजाजत नहीं दी जाती है और यहां भारत का कानून भी नहीं चलता है। जी हां, यह दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्रों में से एक है। आइए इस अनोखे गांव और इसके कानूनों के बारे में जानते हैं।

लोगों को छूने की है मनाही

जहां पूरे भारत में 'अतिथि देवो भव' की प्रथा चलती है, वहीं मलाणा के लोग अतिथियों से दूरी बनाना पसंद करते हैं। यहां आपको जगह-जगह पर साइन बोर्ड मिल जाएंगे, जिन पर साफ लिखा होता है कि 'कुछ भी छूना मना है'। आप गांव के घरों, दुकानों और मंदिरों के साथ-साथ यहां के लोगों को भी हाथ नहीं लगा सकते।

क्या है इस अजीब कानून का कारण?

मलाणा में जो यात्री किसी घर या व्यक्ति को छूने की गलती कर बैठता है, उसे 1500 रुपये से अधिक का जुर्माना भरना पड़ता है। इसका कारण साफ-सफाई बनाए रखना नहीं, बल्कि सदियों से चली आ रही जाति प्रथा है। मलाणा के लोग खुद को सिकंदर महान के वंशज मानते हैं और बाहरी लोगों को अपवित्र समझते हैं। यात्रियों से जो जुर्माना लिया जाता है, उससे जानवर खरीदा जाता है और शुद्धिकरण के नाम पर उसकी बलि दी जाती है।

एक अनोखी भाषा में बात करते हैं इस गांव के लोग

हिमाचल प्रदेश में आम तौर पर हिंदी, कांगड़ी, कुल्लूई, मंडेली और सिरमौरी जैसी भाषाएं बोली जाती हैं। हालांकि, मलाणा के लोग एक ऐसी भाषा में बात करते हैं, जो उनके अलावा कोई नहीं समझ सकता। इसको 'कनाशी' कहते हैं, जिसमें ग्रीक भाषा के कुछ शब्द इस्तेमाल होते हैं। वैसे तो यहां के लोग परिषद के फैसले मानते हैं, लेकिन अब बदलाव आ रहे हैं। कुछ स्थानीय लोग फैसलों से परेशान होकर कुल्लू जिला अदालत के दरवाजे खटखटा चुके हैं।

कौन बनाता है इस गांव के कानून?

जैसा कि हमने पहले बताया, मलाणा के लोग भारत का कानून नहीं मानते हैं। इस गांव में उनका खुद का कानून चलता है, जिसे बड़े-बूढ़ों की एक परिषद तय करती है। रिषद में कुल 11 लोग होते हैं, जो उनके पौराणिक देवता जमलू ऋषि के आदेशों का पालन करते हैं।

इस देश में बैंगनी रंग पहनने पर हो जाती थी सजा
आखिर क्यों बनाया गया था यह कड़ा नियम

रोम में एक ऐसा समय भी था, जब बैंगनी रंग पहनने पर लोगों को जेल हो सकती थी। सिर्फ इतना ही नहीं बल्कि उन्हें मौत की सजा भी सुनाई जा सकती थी। प्राचीन रोम और बाद में एलिजाबेथ इंग्लैंड जैसे शक्तिशाली साम्राज्य में बैंगनी रंग सिर्फ फैशन की पसंद नहीं था, बल्कि यह सत्ता और राज्य नियंत्रण का प्रतीक था। आइए जानते हैं कि क्यों लागू किया गया था यह नियम।

सोने से भी ज्यादा दुर्लभ था बैंगनी रंग : इस बैन के पीछे की वजह यह थी कि बैंगनी रंग बनाने में काफी ज्यादा मुश्किल था। मशहूर टायरियाई बैंगनी रंग भूमध्य सागर में पाए जाने वाले म्यूरेक्स नाम के एक समुद्री घोंघे से निकाला जाता था। इसे बनाना काफी ज्यादा मुश्किल था। आपको बता दें कि एक ग्राम रंग बनाने के लिए लगभग 9000 घोंघे की जरूरत होती थी। यही वजह है कि बैंगनी कपड़ा सोने से भी ज्यादा महंगा हो गया था।

एक रंग, जो सिर्फ सम्राटों के लिए इस्तेमाल होता था

अपनी दुर्लभता और कीमत की वजह से बैंगनी रंग राजघरानों से जुड़ गया था। रोमन साम्राज्य में सिर्फ सम्राट और उसके करीबी परिवार को ही पूरी तरह से बैंगनी कपड़े पहनने की अनुमति थी। रोमन कानून ने आम नागरिकों को बैंगनी कपड़े पहनने से साफ तौर पर मना कर दिया था। अगर कोई इस नियम का उल्लंघन करता था तो इसे सीधे शाही सत्ता को चुनौती देना माना जाता था। कई मामलों में तो यह देशद्रोह के लिए मौत की सजा के लायक था।

इंग्लैण्ड में भी लाया गया इस प्रकार का कानून

सदियों बाद एलिजाबेथ प्रथम के शासनकाल में इंग्लैंड में भी इसी तरह का कानून लाया गया। उनके शासनकाल के दौरान सुम्पट्यूरी कानूनों ने यह तय किया कि लोग पद के आधार पर क्या पहन सकते हैं। बैंगनी रंग शाही परिवार द्वारा इस्तेमाल किया जाता था। इसे पहनने वाले आम नागरिकों पर भारी जुर्माना, संपत्ति जब्त करना या जेल हो सकती थी।

अचानक हुई रंग की खोज और खत्म हुआ कानून

इस कानून को 1856 में खत्म कर दिया गया। दरअसल 18 साल के एक केमिस्ट विलियम हेनरी पर्किन ने मलेरिया का इलाज ढूंढते समय गलती से पहला सिंथेटिक बैंगनी रंग का डाई खोज लिया। इस आविष्कार ने बैंगनी रंग को इतिहास में पहली बार सस्ता और आसानी से मिलने वाला बना दिया। बस इसके बाद यह सभी के लिए उपलब्ध हो गया और कानून ने अपनी ताकत खो दी।

जापानः 28 करोड़ से ज्यादा में बिकी 243 किलो की ब्लूफिन टूना मछली, जानिए इसकी खासियत

अमूमन मछली बाजारों में मछली की कीमत उसके आकार और ताजगी के आधार पर होती है। हालांकि, जापान की राजधानी टोक्यो के टोयोसू फिश मार्केट में की गई ब्लूफिन टूना मछली की नीलामी ने हैरान कर दिया है। हर साल की शुरुआत में ब्लूफिन टूना मछली की नीलामी की जाती है, जिस पर करोड़ों रुपये की बोली लगाई जाती है। इस साल 2026 में एक ब्लूफिन टूना मछली 32 लाख डॉलर (28 करोड़ से ज्यादा रुपये) में बिकी है।

इस बार भी कियोशी किमुरा ने खरीदी ब्लूफिन टूना मछली : नीलामी में उच्च कीमत में बिकने वाली 243 किलो की ब्लूफिन टूना मछली को कियोमुरा कॉर्प कंपनी के मालिक कियोशी किमुरा ने खरीदा है, जो जापान की मशहूर सुशी चेन 'सुशी जनमई' के लिए जाने जाते हैं। किमुरा पहले भी कई बार उच्च कीमत में बोली लगाकर ब्लूफिन टूना मछली को खरीद चुके हैं। टूना किंग के नाम से प्रसिद्ध कियोशी ने कहा कि अच्छी गुणवत्ता की टूना देखकर वह खुद को अधिक बोली लगाने से रोक नहीं पाए।

साल 2019 की नीलामी का टूटा रिकॉर्ड : कियोशी किमुरा की रिकॉर्ड तोड़ बोली ने साल 2019 का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया, जब 21 लाख डॉलर यानी लगभग 18 करोड़ रुपये में 278 वजनी वाली ब्लूफिन टूना मछली बिकी थी।

सामान्य कीमतों में बिकती हैं ब्लूफिन टूना मछली की सुशी

खरीद के बाद ब्लूफिन टूना मछली को सुशी जनमई के मुख्यालय भेजा गया है, जहां से इसे कियोशी में मौजूद देशभर के रेस्टोरेंट्स में भेजा जाएगा और सबसे बड़ी बात ये है कि उच्च कीमत पर खरीदी जाने वाली इस मछली की सुशी को ग्राहकों के आगे सामान्य कीमत पर ही परोसा जाता है। कियोशी का कहना है कि वे अपने ग्राहकों को अच्छे से अच्छा खाना परोसने में विश्वास रखते हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com